वर्ष 69 ▸ अंक 214 ▸ पृष्ठ 12
भोपाल, रविवार 03 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 02, विक्रम संवत् 2083
महानगर ▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

अगर आप डर पर काबू पाना चाहते हैं, तो घर बैठकर उसके बारे में मत सोचिए। बाहर निकलें और व्यस्त हो जाएं।
– डेल कार्नेगे

संक्षिप्त खबरें

बच्चों की फीस रिफंड के लिए पीएचक्यू ने बढ़ाई तारीख

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस के जवानों और अधिकारियों के लिए लागू शिक्षण शुल्क प्रतिपूर्ति योजना 2025 के तहत बच्चों की फीस रिफंड के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि अब 31 मई 2026 कर दी गई है। स्पेशल डीजी वेलफेयर अनिल कुमार ने इस संबंध में प्रदेश की सभी पुलिस इकाइयों को निर्देश जारी कर आवेदन स्वीकार करने को कहा है, ताकि अधिक से अधिक पुलिस परिवारों को इस योजना का लाभ मिल सके। कुछ पुलिसकर्मियों ने शिकायत की थी कि उनके दफ्तरों में समय सीमा खत्म होने का हवाला देकर आवेदन लेने से मना किया जा रहा है, जबकि बच्चों की पढ़ाई के लिए नया सत्र अप्रैल माह के बाद शुरू हुआ है।

पीएचक्यू ने सभी जिलों के एसपी और पुलिस कमिश्नरों के साथ बटालियनों के कमांडेंट एवं जीआरपी के पुलिस अधीक्षकों को नए आदेश में साफ कर दिया है कि आवेदन स्वीकार न करना कतई उचित नहीं है और हर आवेदन की पावती देना अनिवार्य होगा। यदि कोई पुलिसकर्मी पात्र नहीं है तो उसे कारण बताते हुए सूचित किया जाए, लेकिन आवेदन लेने से इनकार न किया जाए। नए आदेश में यह भी साफ कर दिया गया है कि 31 मई के बाद केवल उन्हीं मामलों पर विचार होगा जिनका रिजल्ट देरी से आया है, बशर्ते फीस जमा करने के 3 महीने के भीतर आवेदन दे दिया गया हो। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में लगभग 1 लाख 6 हजार पुलिसकर्मी कार्यरत हैं।

स्व. लुनावत की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम आज से

जागरण, भोपाल। प्रदेश भाजपा के पूर्व उपाध्यक्ष स्व. विजेश लुनावत की 5वीं पुण्यतिथि पर तीन दिनी कार्यक्रमों एवं स्पर्धाओं का आयोजन किया जाएगा। इनकी शुरूआत 3 मई को होगी। विजेश लुनावत स्मृति फाउंडेशन की स्मिता लुनावत ने बताया कि 3 मई को प्रातः 8 से स्थानीय जवाहर बाल उद्यान में बच्चों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। दो आयु समूहों में विभाजित इस प्रतियोगिता में 6 से 10 वर्ष के बच्चों के लिए जल ही जीवन है विषय रहेगा। जबकि 10 से 17 वर्ष तक के बच्चों के लिए पेंटिंग का विषय ग्रीन भोपाल, क्लीन भोपाल रखा गया है। प्रतिभागियों को रंग (कलर्स) और शीट फाउंडेशन द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। पेंटिंग स्पर्धा के साथ अभिभावक, फाउंडेशन के सदस्य और समाजसेवी तालाब किनारे स्थित पार्क को स्वच्छ करने के लिए सामूहिक रूप से श्रमदान करेंगे। स्वर्गीय विजेश लुनावत की पुण्यतिथि के दिन 5 मई को शाम 5 बजे से नेहरू नगर से कालियासोत पहाड़ी के बीच स्थित खुशीलाल आयुर्वेदिक कॉलेज के सभागृह में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर फाउंडेशन की सेवा यात्रा पर प्रकाश डाला जाएगा और 3 मई को आयोजित पेंटिंग स्पर्धा प्रदर्शनी भी लगाकर विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

नारद जयंती व पत्रकार सम्मान समारोह 11 को

भोपाल। विश्व संवाद केंद्र मध्यप्रदेश द्वारा देवर्षि नारद जयंती समारोह 2026 का आयोजन 11 मई 2026 को किया जाएगा। यह कार्यक्रम लिंक रोड नं. 3 स्थित कुक्कुट विकास निगम सभागार (मैनिट चौराहा के पास) में पूर्वांह 11.30 बजे से प्रारंभ होगा। कार्यक्रम में संघ की 100 वर्षों की यात्रा एवं मीडिया विषय पर विशेष परिचर्चा आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अशोक पांडेय प्रांत संघ चालक आरएसएस मध्य भारत प्रांत) एवं मुख्य वक्ता प्रखर श्रीवास्तव संपादकीय सलाहकार, दूरदर्शन, नई दिल्ली रहेंगे। कार्यक्रम में संपादक, वरिष्ठ पत्रकार, संवाददाता, उप-संपादक, फोटो पत्रकार और स्तंभ लेखकों सहित पत्रकारिता के क्षेत्र में योगदान देने वाले प्रबुद्धजन एकत्रित होंगे। इस अवसर पर उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए चयनित पत्रकारों को सम्मानित भी किया जाएगा।

गांवों में अब मर्जी से नहीं जरूरत पर ही लगेंगे हैंडपंप, पीएचई ने बदली व्यवस्था

नई एसओपी में हैंडपंप लगाने से पहले जमीन का वैज्ञानिक परीक्षण अनिवार्य, ऑनलाइन दर्ज होगा डाटा

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में अब हैंडपंप लगाने की प्रक्रिया पूरी तरह बदलने जा रही है। अब किसी भी गांव में केवल मांग होने या जनप्रतिनिधियों के कहने पर हैंडपंप नहीं लगा दिया जाएगा, बल्कि विभाग पहले यह जांच करेगा कि वहां वास्तव में इसकी जरूरत है या नहीं। इस बदलाव के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) ने एक नई एसओपी तैयार की है। इस एसओपी में यह भी तय कर दिया गया है कि नए हैंडपंप लगाने से पहले जमीन का वैज्ञानिक परीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाएगा, ताकि यह पहले ही पता चल जाए कि जमीन के नीचे पानी का स्तर क्या है और वहां हैंडपंप लगाने से पानी कलेगा या नहीं। इसके लिए जियो-हाइड्रोलॉजिकल सर्वे कराया जाएगा। यदि सर्वे की रिपोर्ट नेगेटिव आएगी तो हैंडपंप लगाने के बजाय जलापूर्ति के लिए दूसरे उपाय किए जाएंगे।

तीन चरणों में होगा निरीक्षण, फिर मिलेगी मंजूरी

एसओपी में हैंडपंप लगाने की प्रक्रिया को तीन चरणों में बांट दिया गया है। सबसे पहले ग्राम पंचायत की मांग पर ब्लॉक स्तर के अधिकारी तीन दिन के भीतर मौके का मुआयना करेंगे। इसके बाद कलेक्टर की अध्यक्षता वाली कमेटी इसकी मंजूरी देगी। निर्माण के दौरान पानी की शुद्धता की जांच तय मानकों के आधार पर होगी और चबूतरा निर्माण से लेकर जल निकासी तक के काम पूरे होने के बाद ही इसे ग्राम पंचायत को सौंपा जाएगा। पंचायत ही इसके रखरखाव की अंतिम जिम्मेदारी संभालेगी। पूरी कवायद का मकसद ग्रामीण क्षेत्रों में केवल दिखावे के लिए नहीं, बल्कि जरूरत और गुणवत्ता के आधार पर पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

पैसे और पानी की बर्बादी रोकने की कवायद

पीएचई की नई एसओपी लागू होने से सरकारी पैसे और पानी दोनों की बर्बादी रोकी जा सकेगी। इससे पहले पीएचई द्वारा हैंडपंप को लिए कराए गए बोर अक्सर फेल हो जाते थे, लेकिन इसकी स्थापना का भारी-भरकम खर्च विभाग को ही चुकाना पड़ता था। सरकार ने अब यह भी साफ कर दिया है कि जिन गांवों में पहले से ही जल जीवन मिशन के जरिए नलों से पानी मिल रहा है, वहां अब नया हैंडपंप नहीं लगाया जाएगा। नियम के मुताबिक यदि किसी इलाके के 300 मीटर के दायरे में प्रति व्यक्ति 55 लीटर पानी पहले से मिल रहा है, तो वहां नए हैंडपंप की मंजूरी नहीं मिलेगी। नई व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के लिए एक खास डिजिटल प्लेटफॉर्म घन भी तैयार किया गया है। इस पोर्टल पर हर हैंडपंप की लोकेशन और उसकी पूरी जानकारी इस पोर्टल पर ऑनलाइन उपलब्ध रहेगी, जिससे उनकी निगरानी करना आसान होगा।

5.57 लाख हैंडपंप आज भी बने हुए हैं लाइफलाइन

आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश के गांवों में प्यास बुझाने का बड़ा और भरोसेमंद साथी आज भी हैंडपंप ही है। पीएचई के आधिकारिक आंकड़ों और हालिया बजट के अनुसार प्रदेश की ग्रामीण बसावटों में वर्तमान में लगभग 5 लाख 57 हजार हैंडपंप लगे हुए हैं। कंक्रीट के बढ़ते जंगलों और गिरते भूजल स्तर के बीच ये हैंडपंप अब भी सैकड़ों गांवों की लाइफलाइन बने हुए हैं, क्योंकि ये इन इलाकों में जलापूर्ति का एकमात्र साधन हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक हैंडपंपों के बंद होने का आंकड़ा मौसम और भूजल स्तर के साथ बदलता रहता है। सरकारी डाटा के मुताबिक हर साल गर्मियों के दस्तक देते ही औसतन 5 से 8 प्रतिशत हैंडपंप या तो जलस्तर गिरने के कारण दम तोड़ देते हैं या तकनीकी खराबी की वजह से बंद हो जाते हैं। विभाग ने अब इस समस्या का भी डिजिटल समाधान निकाला है। अब हर हैंडपंप की लोकेशन और चालू-बंद होने की जानकारी पोर्टल पर रियल-टाइम उपलब्ध है।

रोजगार देने में नंबर वन बना मध्यप्रदेश

इन्वेस्ट इंडिया की रिपोर्ट में राजस्थान और महाराष्ट्र को पछाड़ा

मुख्य संवाददाता, भोपाल। भारत सरकार की नेशनल इन्वेस्टमेंट प्रमोशन एजेंसी इन्वेस्ट इंडिया द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, रोजगार सृजन में देश में मप्र नंबर वन बन गया है। केंद्र सरकार की आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार, निवेश को धरातल पर उतारने और उसे युवाओं के लिए नौकरियों में बदलने में मध्यप्रदेश ने आंध्र प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्यों को भी पीछे छोड़ दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने साल 2025 को प्रदेश में रोजगार और उद्योग वर्ष के रूप में घोषित किया था, जिसका असर

रोड-शो, इन्वेस्टर मीट और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से बदले हालात

प्रदेश सरकार ने पिछले साल से रोजगार बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास शुरू किए थे। इस दौरान देश-विदेश में रोड-शो, इन्वेस्टर मीट और संभागीय स्तर पर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के जरिए निवेशकों को लुभाने के प्रयास किए गए। सरकार की यह भी कोशिश रही कि नए उद्योग और कारोबार केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित न रहें, बल्कि छोटे नगरों को भी इसका लाभ मिले।

युवाओं को स्किल डेवलपमेंट से जोड़ने का भी मिला फायदा

निवेशकों को जमीन, बिजली और कनेक्टिविटी के साथ ही सबसे ज्यादा जरूरत फैक्ट्री या व्यापार में काम करने वाले हुनरमंद स्टाफ की होती है। प्रदेश की आईटीआई और पॉलिटेक्निक संस्थाओं को आधुनिक बनाते हुए नए कोर्स शुरू किए गए और विद्यार्थियों का सीधा प्लेसमेंट इंडस्ट्री में कराया गया। इसके अलावा युवा संगम और रोजगार मेलों जैसे आयोजनों ने युवाओं और कंपनियों के बीच की दूरी को कम किया है। वित्तवर्ष 2025-26 के दौरान इन्वेस्ट इंडिया ने देश के 14 राज्यों में करीब 6.1 बिलियन डॉलर के निवेश वाली 60 परियोजनाओं को शुरू करने में मदद की है, जिनसे 31 हजार से ज्यादा नौकरियां पैदा होने का अनुमान है।

पॉलीटेक्निक चौराहा व किलोल पार्क के पास लगा जाम

भोपाल। मानस भवन के पास दिनभर झुग्गियां हटाने का काम चलता रहा। इस दौरान स्मार्ट सिटी अस्पताल से पॉलीटेक्निक चौराहा, किलोल पार्क व रेतघाट तक ट्रैफिक रेंगता रहा। पुलिस व ट्रैफिक पुलिस के करीब 400 पुलिसकर्मी लोगों ने बोट क्लब, सीएम हाउस की ओर जाने से रोक रहे थे। सिर्फ स्मार्ट सिटी अस्पताल की ओर से यहां रह रहे वासियों को आधार कार्ड दिखाकर जाने दिया जा रहा था। तेज हवा चलने वाले यहां का ट्रैफिक जाम होने लगा। दरअसल, हवा के कारण यहां लगे होर्डिंग्स झुक गए। गिरने के डर से लोगों ने अपने वाहन निकालने में समय लगाया। इससे जाम लगने लगा। ट्रैफिक पुलिस ने जाम क्लियर करवाया। देर रात 10 बजे तक यह स्थिति रही। अंदर अवैध झुग्गियां हटाने का काम चलता रहा। शनिवार को लोगों को बोट क्लब नहीं छायाः एचसी वर्मा

जिलों में भाजपा की क्लास आज से, मंत्री-विधायक भी देंगे परीक्षा

विशेष प्रतिनिधि, भोपाल। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के पहले चरण में प्रदेश के सभी 1313 मंडलों में प्रशिक्षण पूरा करने के बाद भाजपा अब दूसरा चरण शुरू करने जा रही है। इस चरण में जिला स्तर पर प्रशिक्षण वर्ग शुरू किया जाएगा। शुरूआत रविवार को ग्वालियर जिले से होने जा रही है। इस दो दिनी वर्ग में सभी प्रतिभागियों को एक रात भी प्रशिक्षण स्थल पर ही काटना होगी। वहीं वर्ग के अंत में सभी को परीक्षा भी देना होगी। इस प्रशिक्षण वर्ग में जिले में रहने वाले सभी पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को बुलाया गया है। जिले में रहने वाले सांसद, विधायक, मंत्री और निकाय जनप्रतिनिधि भी प्रशिक्षु के तौर पर शामिल होंगे। सभी को रात में भी वहीं रुकने को कहा गया है। 31 मई तक प्रदेश भाजपा के सभी 61 संगठनात्मक जिलों में प्रशिक्षण आयोजित किए जाने हैं। इन दो दिनी प्रशिक्षण में संघ के वर्ग की परिपाटी और अनुशासन पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके तहत सभी प्रतिभागी एक विद्यार्थी की तरह कॉपी-पेन लेकर बैठेंगे। सभी को अपना मोबाइल प्रशिक्षण कक्ष से बाहर रखना होगा। शाम को प्रशिक्षण के बाद ही उन्हें मोबाइल वापस मिलेंगे।

किसानों की मांगों को लेकर सात को राष्ट्रीय राजमार्ग जाम करेगी कांग्रेस

पीसीसी चीफ बोले प्रदेश में किसानों की हो रही उपेक्षा

जागरण, भोपाल। अन्नदाता प्राकृतिक आपदाओं से तो परेशान है ही, सरकार के स्तर पर भी किसानों की उपेक्षा हो रही है। बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और जल भराव से किसानों की फसल खराब हो गई। लाखों किसान भारी कर्जे में डूब गए हैं। वहीं मंडी और उपार्जन केंद्रों में भी किसानों से भेदभाव व लूटमार की जा रही है।

किसानों की समस्याओं को लेकर प्रदेश कांग्रेस 7 मई को प्रदेश में बड़ा प्रदर्शन करेगी। बड़वानी से लेकर मुरैना तक राष्ट्रीय राजमार्ग जाम किया जाएगा। इसके बाद भी सरकार ने किसानों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया तो प्रदेश भर में एक साथ प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शनिवार को मीडिया से चर्चा में यह बात कही। राजधानी के पॉलीटेक्रिक चौराहे से विस्थापित किए जा रहे आदिवासी व अन्य परिवारों से मुलाकात के बाद पटवारी ने कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने कहाकि गरीबों की बद्दुआ लगेगी। इस पूरी कार्रवाई को महज एक संस्था की जमीन बचाने के लिए प्रशासन की साजिश बताया। उन्होंने कहाकि प्रदेश में 245 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादन हुआ, लेकिन किसानों को मजबूरी में कम दामों पर गेहूं बेचना पड़ा।

प्रदेश में बिगड़ी व्यवस्थाः पीसीसी चीफ ने प्रदेश में हुई विभिन्न घटनाओं का जिक्र करते हुए कहाकि प्रदेश में पानी तक सुरक्षित नहीं है। नगर निगम का पानी पीने से लोगों की जान जा रही है। दवाइयों की लापरवाही से 26 बच्चों की मौत होना शर्मनाक है। एनजीटी की आपत्तियों के बावजूद क्रूज संचालन किया गया, जिससे लोगों की जान गई। आदिवासी अंचलों में परिवहन व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़क हादसों में लगातार जानें जा रही है। प्रदेश में अपराध, भ्रष्टाचार और अत्याचार चरम पर है।

इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर का भूमिपूजन आज

मुख्य संवाददाता, भोपाल। इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के पहले चरण का भूमि-पूजन रविवार को होगा। इसका शिलान्यास मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। इस प्रोजेक्ट के तहत न केवल इंदौर-पीथमपुर के बीच नई सड़कों का जाल बिछेगा, बल्कि निवेश और शहरी विकास को भी रफ्तार मिलेगी। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के जरिए इंदौर के सुपर कॉरिडोर को सीधे पीथमपुर के निवेश क्षेत्र से जोड़ा जाएगा। करीब 2360 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाली इस परियोजना के तहत लगभग 20 किलोमीटर लंबा मार्ग विकसित किया जाएगा। भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यहाँ 75 मीटर चौड़ी मुख्य सड़क बनाई जाएगी, जिसके दोनों तरफ बफर जोन भी रखा गया है। कॉरिडोर नेशनल हाईवे-47 और नेशनल हाईवे-52 के बीच लिंक की तरह काम करेगा, जिससे फैक्ट्रियों का माल कम समय में और आसानी से बाजार तक पहुँच सकेगा। इस परियोजना का असली मकसद पीथमपुर के मैन्युफैक्चरिंग और टेक्सटाइल हब को बेहतर कनेक्टिविटी देना है, ताकि उत्पादन और वितरण का सिस्टम तेज हो सके।

नीट परीक्षा आज : दोपहर 2 बजे से पेपर, 1:30 के बाद नहीं मिलेगा प्रवेश

भोपाल के 33 केंद्रों सहित प्रदेश में 283 सेंटर बनाए, डिजाइनर कपड़े, हाई हील्स सेंडल्स बैन

नगर संवाददाता, भोपाल। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) की परीक्षा रविवार को देश भर में आयोजित होने जा रही है। मप्र में इस परीक्षा के लिए कुल 283 सेंटर बनाए गए हैं। सबसे ज्यादा सेंटर इंदौर में 57 हैं। राजधानी भोपाल में यह परीक्षा 33 सेंटरों पर होगी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानि एनटीए इस परीक्षा को आयोजित करता है। इसलिए परीक्षा से पहले एनटीए ने अभ्यर्थियों के दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। जानकारी अनुसार मप्र से इस परीक्षा में 1.18 लाख अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। जबकि एमबीबीएस सीटों की संख्या 5 हजार के आस पास है। परीक्षा से पहले कलेक्टर भोपाल प्रियंक मिश्रा ने तैयारियों की समीक्षा के लिए बैठक बुलाई। इसमें बताया गया कि शहर के 33 केंद्रों पर सुरक्षा के सभी इंतजाम कर लिए गए हैं। हर परीक्षा केंद्र को साइबर पुलिस की निगरानी में रखा गया है। सर्वर से लेकर इंटरनेट से जुड़ी हर बारीकी पर नजर रखी जा रही है।

11 बजे से रिपोर्टिंग

नीट यूजी एग्जाम 3 मई को दोपहर 2 बजे से होगा। उम्मीदवारों की एग्जाम सेंटर पर रिपोर्टिंग सुबह 11 बजे से शुरू हो जाएगी। यानि अभ्यर्थी 11 बजे से सेंटर पर पहुंच सकता है, लेकिन दोपहर 1:30 बजे के बाद किसी भी अभ्यर्थी को केंद्र के अंदर प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इस संबंध में एनटीए ने अभिभावकों से अपील की है कि वह अपने बच्चे को समय से केंद्र पर पहुंचने में मदद करें।

निगेटिव मार्किंग का रखें ध्यान

नीट यूजी 2026 के परीक्षार्थियों को सभी सवालों के जवाब देते समय नेगेटिव मार्किंग का भी ध्यान रखना होगा। हर सही सवाल के लिए 4 नंबर और गलत जवाब देने पर एक नंबर काटा जाएगा। सही जवाब के लिए चार नंबर मिलेंगे और गलत जवाब देने पर एक नंबर काटा जाएगा। अगर कोई छात्र कोई सवाल का जवाब नहीं देता है यानी उस सवाल को अटेम्प्ट नहीं करता है तो उस सवाल में नंबर नहीं मिलेगा और न ही नंबर काटा जाएगा।

उम्मीदवारों के लिए निर्देश

- परीक्षा हॉल में सभी निर्देशों का पालन करना होगा और अनुशासन बनाए रखना होगा।
- उम्मीदवार परीक्षा के किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं करेगा।
- उम्मीदवार परीक्षा के दौरान किसी भी अनुचित साधन का उपयोग या उसे बढ़ावा नहीं देगा।
- अगर उम्मीदवार को परीक्षा में कोई अन्य उम्मीदवार अनुचित साधनों का उपयोग करते हुए मिलता है, तो इसकी सूचना तुरंत ड्यूटी पर मौजूद निरीक्षकों को दी जाएगी।
- उम्मीदवार केंद्र पर कोई भी प्रतिबंधित वस्तु नहीं लाएगा।
- उम्मीदवार तलाशी के दौरान परीक्षा केंद्र के कर्मचारियों के साथ सहयोग करेगा।

योजना — दूसरे सप्ताह में शुरू होगी ऑनलाइन कोचिंग, परीक्षा जुलाई में संभव

शिक्षकों को टीईटी से छुटकारा नहीं, पढ़ाई भी कराएगा डीपीआई

जागरण, भोपाल। हाईस्कूल और हायर सेकंडरी कक्षाओं का रिजल्ट सुधारने रेमेडियल और एक्सट्रा क्लास लेने वाले सरकारी स्कूल के शिक्षक अब खुद ही कोचिंग में बैठे नजर आ सकते हैं। वजह, एक तरफ लोक शिक्षण संचालनालय ने सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशन दायर कर दी है, दूसरी तरफ वह शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को टालने के मूड में भी नहीं है। इतनी दरियादिली विभाग जरूर दिखा रहा है कि स्पेशल कोचिंग लगाकर शिक्षकों को परीक्षा की तैयारी कराई जाएगी ताकि उनकी पढ़-लिखकर वे नौकरी बचा सकें। सितंबर में सुप्रीम कोर्ट का आदेश आते ही डीपीआई ने टीईटी आयोजित करने का आदेश जारी कर दिया था। इसमें कर्मचारी चयन मंडल ईएसबी के माध्यम से जुलाई-अगस्त में पात्रता परीक्षा प्रस्तावित की गई है। परीक्षा के पहले संचालनालय इसी माह से कोचिंग की तैयारी कर रहा है, ताकि अधिक से अधिक शिक्षक इसमें सफल हो सकें। यह स्पेशल कोचिंग ऑनलाइन होगी और यू ट्यूब के माध्यम से शिक्षकों को ट्रेनिंग दी जाएगी। इसकी तैयारी भी विभाग ने शुरू कर दी है। इसमें एक लाख से ज्यादा शिक्षकों को यूट्यूब के जरिए टीईटी के मुश्किल प्रश्न हल कराए जाएंगे। टीईटी के लिए विभाग ने सिलेबस भी तैयार कर लिया है। विभाग की तैयारी से तय हो गई है कि शिक्षकों को फिलहाल टीईटी से छुटकारा नहीं मिल सकेगा।

ऐसे चलेगी स्पेशल कोचिंग

परीक्षा की तैयारी कराने के उद्देश्य से रिमेडियल क्लास के तौर पर होने वाली यह कोचिंग इसी माह दूसरे सप्ताह में शुरू हो सकती है। इसका मॉड्यूल अथवा हॉट टॉपिग विभाग जारी कर सकता है। इस मॉड्यूल के हिसाब से परीक्षा के दायरे में आ रहे सभी शिक्षकों को परीक्षा के लिए खास ट्रेनिंग दी जाएगी। इस ऑनलाइन कोचिंग क्लास की जिम्मेदारी लोक शिक्षण संचालनालय की असेसमेंट शाखा को सौंपी जा रही है। सभी शिक्षकों के लिए यह ऑनलाइन कोचिंग पूरी तरह से निशुल्क होगी। विभाग के शिक्षक प्रशिक्षण की तर्ज पर ही यह क्लासेस भी डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराई जाएगी। शिक्षक अपने स्मार्ट फोन या लेपटॉप के जरिए कोचिंग में शामिल हो सकेंगे।

हर शिक्षक पर रहेगी नजर

पूरा पाठ्यक्रम और मॉडयूल तैयार करने में जुटे लोक शिक्षण संचालनालय ने शिक्षकों की इस कोचिंग की जिम्मेदारी अपने असेसमेंट सेल को सौंपी है। जो पूरी कोचिंग प्रक्रिया की निगरानी करेगी। यह सेल कोचिंग में ऑनलाइन जुड़ने वाले शिक्षकों की हाजिरी पर भी नजर रखेगी। इसका यूट्यूब और अन्य डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म के जरिए लाइव प्रसारण किया जाएगा। इसके लिए बकायदा स्टूडियो बनाया गया है, जहां से विषयों के विशेषज्ञ मॉड्यूल के चैप्टर से कोर्स पूरा कराएंगे। इसके लिए पावर पाइंट प्रजेंटेशन का इस्तेमाल भी होगा। वहीं स्मार्ट क्लास में वीडियो भी दिखाए जाएंगे।

शिक्षक कर रहे हैं विरोध

विभिन्न संगठनों के बैनर तले प्रदेश के करीब डेढ़ लाख शिक्षक इस टीईटी का विरोध कर रहे हैं। वे पुनर्विचार याचिका का फैसला आने तक टीईटी टालने की मांग भी कर रहे हैं। ऐसे में स्पेशल कोचिंग की तैयारी शिक्षकों के लिए किसी आघात से कम नहीं है। शिक्षकों को डर है कि कहीं टीईटी में फेल होने पर उनकी नौकरी खतरे में न पड़ जाए। विभाग ने इसी डर को दूर भगाने के लिए मिशन मोड पर स्पेशल ऑनलाइन कोचिंग की व्यवस्था बनाई है।

टीईटी पर सरकार की रिव्यू पिटीशन पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई 13 को

शिक्षकों के लिए अनिवार्य की गई शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर राज्य सरकार द्वारा दायर रिव्यू पिटीशन पर सुप्रीम कोर्ट में 13 मई को सुनवाई होगी। सरकार की पुनर्विचार याचिका स्वीकार करने के बाद सुनवाई के लिए 13 मई की तारीख तय की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार व अन्य पक्षकारों के आवेदनों को स्वीकार करते हुए मामले को ओपन कोर्ट में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए हैं। सुनवाई के लिए दोपहर 2 बजे का वक्त नियत किया गया है। यह सुनवाई चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अनुमति के अधीन रहेगी। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्देश के बाद मप्र के शिक्षकों को और उनकी ओर से सरकार को भी अपना पक्ष विस्तार से रखने का मौका मिलेगा। टीईटी को लेकर पूर्व में हुए निर्णय पर न्यायिक पुनर्विचार की राह खुलेगी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जुलाई-अगस्त में टीईटी करने का कार्यक्रम भी जारी कर दिया था। इसके खिलाफ प्रदेश भर में शिक्षक सड़कों पर उतर आए थे। भोपाल में भी दो बड़े प्रदर्शन शिक्षकों के हो चुके हैं।

कमजोर सहकारी बैंकों को बनाएं मजबूतः यादव

अपेक्स बैंक के प्रशासक ने ली बैठक

विसं, भोपाल। अपेक्स बैंक के प्रशासक महेन्द्र यादव ने अधिकारियों से कहा है कि राज्य के कमजोर सहकारी बैंकों को मजबूत बनाने की दिशा में काम किया जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए अधिकारियों को और ज्यादा मेहनत करने की जरुरत है। अपेक्स बैंक के समन्वय भवन के सभागार में नवनियुक्त प्रशासक ने राज्य के 38 जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों के साथ बैठक की और उन्हें उन्हें जिला बैंक व प्राथमिक सहकारी समितियां को कैसे सुदृढ़ बनाने के साथ सहकारी आंदोलन को कैसे मजबूत किया जा सके, इस बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसान अन्नदाता है ऐसे में सभी मुख्य कार्यपालक अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि किसानों को समिति में सम्मान और उन्हें समय पर ऋण व खाद मिले किसानों को समय पर समितियां से खाद्य प्राप्त हो इसके लिए खाद का भंडारण पिक में सुनिश्चित करें उन्होंने कहा की 16 बैंक अभी कमजोर वर्ग की श्रेणी में है। वहां के सीईओ को ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है जब तक पैक्स मजबूत नहीं होगी, तब तक सहकारी आंदोलन सुदृढ़ नहीं हो सकेगा पैक्स में आप सभी लोगों को मेहनत के साथ काम करना होगा। बैठक में अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक मनोज गुप्ता ने मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह अपने अधीनस्थ समिति प्रबंधकों को यह हिदायत दे कि कम से कम पांच समितियां का वे प्रतिदिन निरीक्षण करें और आप लोग भी हफ्ते में अपने दौरा कार्यक्रम समितियां के भ्रमण के अवश्य बनाएं।

वर्ष 69 ▸ अंक 214 ▸ पृष्ठ 12
भोपाल, रविवार 03 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 02, विक्रम संवत् 2083
महानगर ▸ मूल्य 5 रुपए
www.dainikjagranmpcg.com

दैनिक जागरण रविवारीय

असफलता महत्वपूर्ण नहीं होती। खुद को मूर्ख बनाने का साहस होना ही असली बात है।
-चार्ली चैपलिन

राजनीतिक : 02 — गांवों में अब मर्जी से नहीं जरूरत पर ही...
राजधानी : 05 — आदिवासी बस्ती हटाई हंगामा करने...
नजरिया : 06 — आखिर क्यों बिखरे आप के नेता?
स्पोर्ट्स : 10 — वनडे वर्ल्डकप जिताने वाली टीम की ....
देश–विदेश : 11 — राधानगर बीच पर समुद्र के भीतर....

रिमझिम: प्रदेश के कई जिलों में बारिश-आंधी, अगले तीन दिनों तक ऐसा ही रहेगा मौसम

भोपाल के कमला पार्क के करीब बारिश का दृश्य। फोटोः एचसी वर्मा

09 राज्यों में आंधी बारिश, ओले भी

देश के बड़े हिस्से में शनिवार को तेज हवाओं के साथ बारिश से राहत मिली। मध्य प्रदेश के अलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और छत्तीसगढ़ में भी आंधी-बारिश आई। कई जगह ओले भी गिरे। कश्मीर की चिनाब घाटी में लैंडस्लाइड के कारण डोडा-किश्तवाड़ रोड पूरी तरह बंद हो गई है।

नगर संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश में मई की शुरूआत सुहाने मौसम से हुई है। लगातार दूसरे दिन भी कुछ जिलों में बारिश हुई और तेज आंधी चली। मौसम केंद्र भोपाल से मिली जानकारी अनुसार शनिवार शाम 4 से 5 बजे के बीच बैतूल, छिंदवाड़ा, नर्मदापुरम, सिवनी, बालाघाट, रायसेन सहित डेढ़ दर्जन जिलों में तेज हवा चली। हवा के साथ ही इन जिलों में बारिश भी दर्ज की गई। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि अगले दो से तीन दिन प्रदेश में ऐसा ही मौसम रहेगा। इसमें दिन में आसमान पर बादल छाएंगे और शाम के समय हल्की बारिश होने की संभावना है।

80 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चली बैतूल में हवा। प्रदेश में सर्वाधिक।
16 मिली मीटर वर्षा हुई नर्मदापुरम में।
50 से 60 किमी प्रति घंटा की गति से चली कुछ जिलों में हवा।
- शनिवार को भोपाल, नर्मदापुरम, जबलपुर, उमरिया, सागर, गुना में बारिश रिकार्ड की गई।

राष्ट्रीय सेमिनार में बना ग्लोबल वार्मिंग से निपटने का प्लान

प्राचीन ज्ञान और नई टेक्नोलॉजी से बनें ग्रीन बिल्डिंग: मुख्यमंत्री

मुख्य संवाददाता, भोपाल। ग्लोबल वॉर्मिंग जैसी कठिन चुनौती से निपटने और भवन निर्माण को इको-फ्रेंडली बनाने के लिए शनिवार को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में नेशनल सेमिनार का आयोजन हुआ। लोक निर्माण विभाग और इंडियन बिल्डिंग कांग्रेस (आईबीसी) द्वारा आयोजित इनोवेशंस इन ग्रीन बिल्डिंग प्रैक्टिसेस विषय पर आयोजित इस मंथन में देशभर के करीब 2000 इंजीनियर्स और एक्सपर्ट्स ने हिस्सा लिया। सेमिनार का फोकस इस विषय पर था कि कांक्रीट के जंगलों के बीच टिकाऊ और ग्रीन बिल्डिंग्स का निर्माण कैसे किया जाए। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिलचस्प अंदाज में प्राचीन वास्तुकला को मॉडर्न साइंस से जोड़ा। उन्होंने राजा भोज की किताब 'समरांगण सूत्रधार' का जिक्र करते हुए कहा कि प्राचीन काल में ही प्रकृति के साथ प्रगति की बात स्पष्ट कर दी गई थी।

उन्होंने भोपाल के बड़े तालाब, मांडव के वाटर मैनेजमेंट और उज्जैन के डोंगला को प्राचीन जीपीएस का केंद्र बताते हुए कहा कि हमारे पूर्वज बेहतरीन टाउन प्लानर थे। पीएम मोदी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्राचीन ज्ञान परंपरा को आज की आधुनिक टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ना होगा। इस दौरान विशेषज्ञों ने कहा कि निर्माण से जुड़े क्षेत्रों में कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए सोलर एनर्जी, थ्रीडी प्रिंटिंग, स्मार्ट ग्लास, प्राकृतिक रोशनदान जैसी नई तकनीकें अपनाई जानी चाहिए।

पोर्टल 2.0 लॉन्च: ऑनलाइन रहेगी हर प्रोजेक्ट पर नजर

लोक निर्माण विभाग ने विभाग के कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल-2.0 भी लॉन्च किया। इस पोर्टल के जरिए न सिर्फ हर एक प्रोजेक्ट से जुड़ी जानकारी उपलब्ध रहेगी, बल्कि किसी भी प्रोजेक्ट के निर्माण की स्थिति भी इसमें रियल टाइम दिखाई देगी।

- कार्यक्रम के दौरान निर्माण तकनीक को आधुनिक बनाने के लिए लोक निर्माण विभाग और आईआईटी इंदौर के बीच एमओयू भी हुआ।
- इसके अलावा ग्रीन बिल्डिंग को बढ़ावा देने के लिए विभाग ने गृहा संस्था के साथ भी एक समझौता किया है।

ऑफ बीट

सात साल के इशांक का विश्व रिकॉर्ड

झारखंड के महज 7 वर्षीय इशांक ने असाधारण साहस और प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए भारत और श्रीलंका के बीच स्थित 29 किलोमीटर लंबे पाक स्ट्रेट को तैरकर पार कर नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया। नन्हे तैराक ने यह दूरी करीब 9 घंटे 50 मिनट में पूरी की, जो अपने आप में एक अद्भुत उपलब्धि मानी जा रही है। इशांक को यूनिवर्सल रिकॉर्ड्स फोरम की ओर से 'द यंगेस्ट एंड फास्टेस्ट पाक स्ट्रेट स्वीमर' बनने का वर्ल्ड रिकॉर्ड सर्टिफिकेट मिला है। साथ ही सोशल मीडिया पर बधाइयों की बाढ़ आ गई है। उन्होंने श्रीलंका के तलाईमन्नार से भारत के धनुषकोटि तक का सफर महज 9 घंटे 50 मिनट में पूरा कर नया रिकॉर्ड बना दिया है।

आईपीएल में आज

हैदराबाद बनाम कोलकाता
समय : अपराह्न 3.30 बजे से
गुजरात बनाम पंजाब
समय : रात 7.30 बजे से
प्रसारण : स्टार स्पोर्ट्स जियोहॉटस्टार पर

परिणाम: चैन्नई ने मुंबई को 8 विकेटों से हराया।

प्रसून जोशी बने प्रसार भारती के चेयरमैन

नई दिल्ली, जेएनएन। प्रसिद्ध गीतकार प्रसून जोशी को प्रसार भारती का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। प्रसून जोशी भारतीय सिनेमा जगत का एक जाना-माना चेहरा हैं। उन्होंने सिनेमा से लेकर विज्ञापन जगत और साहित्य तक अपनी छाप छोड़ी है। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रसार भारती बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में प्रसून जोशी की नियुक्ति पर मेरी हार्दिक बधाई। प्रसून जोशी बेहद क्रिएटिव हैं, जिनकी विज्ञापन, साहित्य, कला और सिनेमा में पूरी दुनिया में तारीफ हुई है। इसके बावजूद उनका दिल लगातार भारत के लिए धड़कता रहता है। वैष्णव ने कहा कि जोशी के नेतृत्व में, प्रसार भारती नई ऊर्जा, गहरी उद्देश्य और एक ताजा रचनात्मक आवाज खोजेगा।

विधानसभा चुनाव: सुप्रीम कोर्ट में टीएमसी की याचिका खारिज

बंगाल: पुनर्मतदान में भी झड़प और मारपीट

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दौरान विवादित बूथों पर शनिवार को दोबारा मतदान कराया गया। डायमंड हार्बर और मगराहाट पश्चिम के कुल 15 बूथों पर री-पोलिंग हुई। इस दौरान साउथ 24 परगना जिले में तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प की घटनाएं सामने आईं, जिससे क्षेत्र में तनाव का माहौल बना रहा।

इस बीच, पश्चिम बंगाल में मतगणना केंद्रों पर केंद्र सरकार के कर्मचारियों की तैनाती को लेकर दायर टीएमसी की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को खारिज कर दिया। अदालत ने स्पष्ट कहा कि इस मामले में हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह पूरी तरह चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में आता है।

मतदान के दौरान दोनों दलों के समर्थक आमने-सामने आ गए। स्थिति बिगड़ने पर मौके पर मौजूद सुरक्षाबलों ने हस्तक्षेप करते हुए दोनों पक्षों को शांत कराया और हालात को नियंत्रण में लिया। हालांकि, इस दौरान कुछ समय के लिए मतदान प्रक्रिया प्रभावित भी हुई। डायमंड हार्बर के फालता इलाके में मतदाताओं ने तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मतदान के बाद कुछ टीएमसी कार्यकर्ताओं ने उनके साथ मारपीट की। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो पुलिस ने उन पर ही लाठीचार्ज कर दिया। इस घटना में कई लोगों के घायल होने की खबर है।

दूसरी ओर, टीएमसी ने सुरक्षाबलों पर आरोप लगाए हैं। पार्टी का कहना है कि मगराहाट पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 127 पर केंद्रीय सुरक्षाबलों ने उनके कैंप में तोड़फोड़ की और कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की। टीएमसी नेताओं ने इस मामले की शिकायत संबंधित अधिकारियों से की है। चुनाव आयोग के अनुसार, शाम 5 बजे तक मगराहाट पश्चिम के 11 बूथों पर 86.11 फीसदी और डायमंड हार्बर के 4 बूथों पर 87.60 फीसदी मतदान दर्ज किया गया।

फालता: वोटिंग रद्द, 21 को मतदान

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की फालता सीट पर वोटिंग रद्द कर दी है। यहां 29 अप्रैल को दूसरे फेज की वोटिंग के दौरान ईवीएम में गड़बड़ी और हिंसा की खबरें आईं थीं। ईसी ने सभी 285 पोलिंग बूथ पर 21 मई को फिर से वोटिंग का निर्देश दिया है। इसका रिजल्ट 24 मई को आएगा। इसी विधानसभा के एक बूथ पर ईवीएम में भाजपा की बटन के आगे टेप लगा मिला था।

आयोग पर भरोसा करें: सुप्रीम कोर्ट

मतगणना केंद्रों पर केंद्र के कर्मचारियों की तैनाती पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग स्वतंत्र सवैधानिक संस्था है और उसे अपने कार्य संचालन के लिए निर्णय लेने का अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि आयोग पर भरोसा किया जाना चाहिए और इस मामले में अलग से कोई निर्देश देने की आवश्यकता नहीं है।

ममता के सख्त निर्देश

नतीजों से दो दिन पहले सीएम ममता बनर्जी ने ने पार्टी के सभी काउंटिंग एजेंटों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे मतगणना पूरी होने तक किसी भी स्थिति में केंद्र नहीं छोड़ेंगे। साथ ही, विजयी उम्मीदवार को प्रमाणपत्र नहीं मिल जाता, तब तक मौके पर डटे रहने को कहा गया है।

बरगी क्रूज हादसा: आंधी-बारिश के बीच तीसरे दिन मिले दो बच्चों के शव, मृतक संख्या 11

अब मगरमच्छ खोज रही टीम, सेना भी उतरी

जागरण, जबलपुर। बरगी बांध में क्रूज डूबने से जान गंवाने वालों की संख्या 11 हो गई है। तीसरे दिन की तलाश में बचाव दल को दो और शव पानी में तैरते मिले हैं। दोनों ही बच्चे हैं। इनमें एक बच्चा खमरिया फैक्टरी के कामदार का है। इस बच्चे के पिता और चचेरे भाई का अभी भी पता नहीं लग सका है। सेना के साथ एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मोर्चा संभाले हुए हैं, लेकिन तेज हवाओं और बारिश के कारण तीसरे दिन भी शाम को सर्चिंग रोकना पड़ गई है।

सर्चिंग टीम ने तीसरे दिन नर्मदा नदी में जांच का दायरा भी बढ़ा दिया है। अधिकारी मान रहे हैं कि संभव है कि तेज हवाओं से लहरों के साथ बॉडी कहीं दूर चली गई हो। वहीं बरगी बांध में मगरमच्छों की मौजूदगी भी मानी जा रही है। तलाश में सर्चिंग टीम अब मगरमच्छों को भी ढूंढ रही है। जानकारी के अनुसार, तीसरे दिन शाम को 6 बजे के करीब सर्चिंग टीम को दो बच्चों के शव मिले। इनमें एक तमिल कामराज और दूसरी विराज कृष्ण सोनी की लाश है। हादसे के बाद शुक्रवार तक 9 शव मिल चुके थे। 28 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था। कुल चार लोग लापता थे। अब कामराज और उनके भाई का बेटा मयूरम अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। तीन दिन से ही मौसम भी परेशानी बढ़ा रहा है। तेज आंधी और बारिश के कारण ही यह क्रूज डूबा था। शनिवार को भी शाम में मौसम के कारण खोज में मुश्किलें आईं।

राहुल गांधी का हमला: कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इस घटना में लोगों की मौत को पीड़ादायक बताते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। अपने संदेश में राहुल ने कहा कि यह दुर्घटना नर्मदा नदी पर लागू सुरक्षा प्रोटोकॉल पर गंभीर सवाल खड़े करती है। इस घटना की निष्पक्ष जांच करते हुए भविष्य में ऐसी त्रासदी रोकने के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी करना चाहिए।

वित्त मंत्रालय की अधिसूचना

बीमा क्षेत्र में 100 फीसदी एफडीआई को हरी झंडी

नई दिल्ली, जेएनएन। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को स्वचालित मार्ग के तहत बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को अधिसूचित कर दिया है। विदेशी मुद्रा प्रबंधन (गैर-ऋण लिखत) (द्वितीय संशोधन) नियम, 2026 के अनुसार बीमा कंपनियों और ब्रोकरों सहित बिचौलियों में स्वचालित मार्ग के तहत 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति होगी। वहीं एलआईसी के लिए यह सीमा 20 प्रतिशत तय की गई है। गौरतलब है कि संसद ने दिसंबर 2025 में 'सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानून संशोधन) विधेयक, 2025' पारित किया था। इसने बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा को पहले के 74 प्रतिशत से बढ़ाकर स्वचालित मार्ग के तहत 100 प्रतिशत करने का रास्ता साफ किया। राष्ट्रपति की सहमति मिलने के बाद यह विधेयक कानून बन गया था।

फिर युद्ध की आशंका, ईरान बोला हर कार्रवाई का देंगे कड़ा जवाब

तनाव बढ़ा: बातचीत ठप, अमेरिका ने ठुकराया ईरान का प्रस्ताव

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर तेज हो गया है। ईरान के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मोहम्मद जाफर असदी ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका कोई 'गलत कदम' उठाता है, तो उसे कड़ा जवाब दिया जाएगा। उन्होंने आशंका जताई कि दोनों देशों के बीच फिर से युद्ध छिड़ सकता है। इससे पहले, अमेरिका ने ईरान के नए प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। इस प्रस्ताव के तहत अगर समझौता होता है, तो दोनों पक्ष युद्ध समाप्त करने और भविष्य में हमले न करने का आश्वासन देंगे।

ईरान ने हाल ही में एक नया प्रस्ताव रखा था, जिसमें पहले होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने और अमेरिकी प्रतिबंध हटाने की बात कही गई थी। इसके बाद परमाणु मुद्दे पर बातचीत करने का सुझाव दिया गया है। इधर होर्मुज को लेकर अमेरिका ने शिपिंग कंपनियों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि वे इस समुद्री मार्ग से सुरक्षित गुजरने के लिए ईरान को किसी भी प्रकार का भुगतान करती हैं, तो उन्हें कड़े प्रतिबंधों और दंड का सामना करना पड़ सकता है।

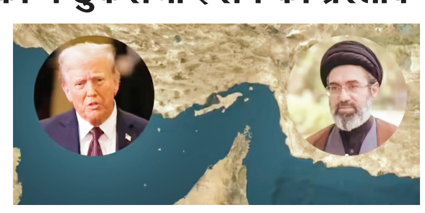

होर्मुज पर नया कानून लाएगा ईरान

ईरान होर्मुज पर नए कानून की तैयारी कर रहा है। इसके तहत इजराइल के जहाजों को यहां से गुजरने की इजाजत नहीं दी जाएगी। प्रस्तावित बिल में यह भी कहा गया है कि दुश्मन देशों के जहाज तभी गुजर पाएंगे, जब वे युद्ध का मुआवजा देंगे।

अलर्ट सिस्टम — मोबाइल अलर्ट की एक साथ टेस्टिंग, सरकार बोली- घबराएं नहीं

देश भर में सायरन की आवाज से लोग चौंके

नई दिल्ली, जेएनएन। देशभर में शनिवार सुबह करीब 11.45 बजे एक असामान्य स्थिति देखने को मिली, जब करोड़ों मोबाइल फोन पर अचानक तेज सायरन बजने लगा और स्क्रीन पर हिंदी व अंग्रेजी में एक अलर्ट मैसेज दिखाई दिया। सायरन के बाद यह संदेश मोबाइल द्वारा पढ़कर भी सुनाया गया। इस अचानक हुई घटना से कई लोग घबरा गए, जबकि कुछ लोग इसे लेकर भ्रम की स्थिति में दिखे।

बाद में स्पष्ट हुआ कि यह कोई आपातकालीन स्थिति नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) द्वारा देशव्यापी इमरजेंसी अलर्ट सिस्टम की परीक्षण प्रक्रिया का हिस्सा था। सरकार ने 2 मई को इस नई तकनीक सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम की प्रभावशीलता जांचने के लिए यह ट्रायल किया इस परीक्षण के तहत देश के सभी राज्यों की राजधानियों और दिल्ली-एनसीआर समेत कई प्रमुख क्षेत्रों में एक साथ अलर्ट मैसेज भेजा गया। खास बात यह रही कि यह संदेश केवल हिंदी और अंग्रेजी में ही नहीं, बल्कि विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में भी प्रसारित किया गया, ताकि अधिकतम लोगों तक स्पष्ट रूप से जानकारी पहुंच सके।

मैसेज में साफ लिखा गया था कि यह केवल एक परीक्षण है और इसे लेकर किसी प्रकार की कार्रवाई करने की आवश्यकता नहीं है। इसके बावजूद अचानक सायरन बजने से कई लोग चौंक गए।

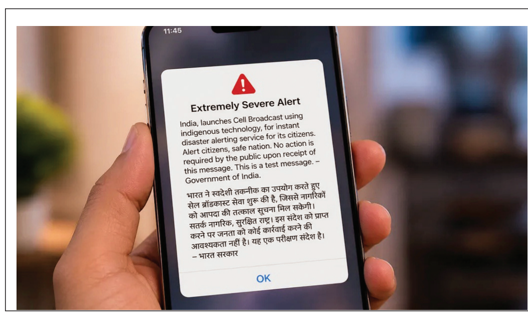

'सचेत' सिस्टम: भारत में विकसित तकनीक

इस पूरे सिस्टम के पीछे देश में विकसित किया गया सचेत नामक इंटीग्रेटेड अलर्ट सिस्टम है, जिसे सी-डॉट ने तैयार किया है। यह सिस्टम कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल (सीएपी) पर आधारित है और इसे देश के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू किया जा चुका है। 'सचेत' का उद्देश्य किसी भी आपदा–जैसे भूकंप, बाढ़, चक्रवात या अन्य आपात स्थिति में लोगों तक रियल-टाइम चेतावनी पहुंचाना है, ताकि समय रहते बचाव के कदम उठाए जा सकें।

पहले ही दी गई थी चेतावनी

सरकार ने दो दिन पहले ही नागरिकों को सूचित किया था कि ऐसा अलर्ट मैसेज मिल सकता है। इससे घबराने की जरूरत नहीं है। यह अभ्यास इस जांच के लिए है कि वास्तविक आपदा की स्थिति में लोगों तक सूचना कितनी तेजी और प्रभावी तरीके से पहुंचाई जा सकती है।

62 आईपीएस का तबादला 24 जिलों के एसपी बदले

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश सरकार ने बहुप्रतीक्षित आईपीएस की तबादला सूची देर रात जारी कर दी। इस लिस्ट के अनुसार प्रदेश में 24 जिलों के एसपी बदले गए हैं, जबकि जीआरपी भोपाल और जबलपुर में भी नए एसपी की पदस्थापना की गई है। सीनियर लेवल पर एक स्पेशल डीजी और तीन एडीजी के ट्रांसफर किए गए हैं। स्पेशल डीजी रेल रहे रवि कुमार गुप्ता को अब स्पेशल डीजी ट्रेनिंग के साथ भौंरी पुलिस अकादमी की भी कमान सौंपी गई है, वहीं एडीजी राजाबाबू सिंह को एडीजी रेल के पद पर भेजा गया है। इसके अलावा एडीजी डीपी गुप्ता और सोलोमन यश कुमार मिंज को भी नए दायित्व सौंपे गए हैं। भोपाल के एडिशनल सीपी अवधेश कुमार गोस्वामी को पीएचक्यू में डीआईजी के पद पर भेज दिया गया है, जबकि शैलेंद्र सिंह चौहान को डीआईजी बनने के बाद पहली पोस्टिंग भोपाल के एडिशनल सीपी के रूप में मिली है। तबादला सूची में कुल 62 नाम शामिल हैं। आधा दर्जन से ज्यादा जिलों में डीआईजी के पद पर प्रमोट हो चुके अफसर ही एसपी बने हुए थे।

इनके कामकाज में हुआ बदलाव

स्पेशल डीजी - रवि गुप्ता
एडीजी - राजाबाबू सिंह, डीपी गुप्ता, सोलोमन यश कुमार मिंज।
डीआईजी - अमित सिंह, अवधेश गोस्वामी, अमित सांघी, वीरेंद्र कुमार सिंह, प्रशांत खरे, मनीष अग्रवाल, मनोज कुमार राय, रियाज इकबाल, राहुल कुमार लोढ़ा, सिमाला प्रसाद, असित यादव, विवेक सिंह, शैलेंद्र सिंह चौहान, कुमार प्रतीक, शिवदयाल, मयंक अवस्थी।

संक्षिप्त खबरें

प्रतिबंधित गोगो के खिलाफ छापामार कार्रवाई, चार आरोपी गिरफ्तार

जागरण,भोपाल। एमपी नगर पुलिस ने प्रतिबंधित गोगो के खिलाफ चार अलग-अलग स्थानों पर छापेमारा कार्रवाई की। जहां रोक के बावजूद खुलेआम रोलिंग पेपर और गोगो स्मोकिंग कोन बेचते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार शनिवार को मुखबिर की सूचना पर टीम ने सिटी बैंक और मनोहर डेयरी के पास, प्रेस कॉम्प्लेक्स और रेजीडेंसी पार्क क्षेत्र में पान गुमटियों व दुकानों पर दबिश दी। पहली कार्रवाई में मनोहर डेयरी के पास स्थित गुमटी से 56 गोगो कोन मिलने पर दुकान संचालक लखन चौहान(45)निवासी अशोका गार्डन को पकड़ा गया। दूसरी कार्रवाई प्रेस कॉम्प्लेक्स स्थित पान की गुमटी संचालक राजेश चौरसिया(35) निवासी छोला मंदिर के पास से 50 गोगो कोन और एक फिल्टर पेपर का पैकेट मिला। तीसरी कार्रवाई रामजी रेस्टॉरेंट एण्ड टी स्टाल संचालक सोनू कुमार ठाकुर (40) निवासी अरेरा हिल्स के पास से 40 गोगो कोन और फिल्टर पेपर मिले। चौथी कार्रवाई मनोहर डेयरी के पास स्थित पान की गुमटी संचालक कृपा शंकर मिश्रा(43) निवासी हबीब गंज के पास से 63 गोगो कोन और तीन डिब्बे फिल्टर बरामद किए गए। आरोपियों के पास प्रतिबंधित वस्तुओं के कोई वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर सभी के खिलाफ बीएनएस की धारा 223 (ए) के तहत अलग-अलग मामला दर्ज किया गया है।

ताम्रकार समाज का महिला सम्मेलन आज, कार्यकारिणी संभालेगी कार्यभार

जागरण, भोपाल। ताम्रकार समाज का प्रदेश महिला सम्मेलन और नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को भोपाल में आयोजित किया जा रहा है। महिला मंडल की उपाध्यक्ष मधु ताम्रकार ने बताया कि यह कार्यक्रम चौक बाजार स्थित अग्रवाल विश्रांति भवन में सुबह 11:00 बजे से शुरू होगा। इस समारोह में नवगठित महिला कार्यकारिणी की अध्यक्ष ज्ञान लता ताम्रकार और उनकी पूरी टीम कार्यभार ग्रहण करेगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ताम्रकार समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट रामनारायण ताम्रकार होंगे। सम्मेलन में सभी जिलों से पदाधिकारी और प्रतिनिधि के रूप में लगभग 250 महिलाओं के शामिल होने की संभावना है। समारोह के दौरान नवनियुक्त पदाधिकारियों को समाज सेवा की शपथ दिलाई जाएगी। सम्मेलन का मकसद समाज में दहेज प्रथा और मृत्यु भोज जैसी कुरीतियों को दूर करने के लिए भावी रणनीति तैयार करना है।

मेंटेनेंस कार्य के चलते शहर के कई इलाकों में आज होगी बिजली कटौती

जागरण संवाददाता, भोपाल। रविवार को राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में बिजली लाइनों के रखरखाव और शिफ्टिंग कार्य के चलते बिजली कटौती की जाएगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार शहर के प्रमुख रिहायशी और व्यावसायिक इलाकों में अलग-अलग समय पर कटौती की जाएगी, जिससे उपभोक्ताओं को कुछ असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। बिजली कंपनी के अनुसार आज राधास्वामी सत्संग और खेजड़ा गांव व आसपास के इलाकों में एनएचआई द्वारा पोल शिफ्टिंग के काम के चलते सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक बिजली बंद रखी जाएगी। वहीं एमपी नगर जोन 2 स्थित रणथंभौर कॉम्प्लेक्स, बैंक कॉलोनी, स्वेस्टिक, कैटालाइज, मोशन, साईंदास, मीरा कॉम्प्लेक्स और होटल सुदर्शन पैलेस, काबुलीवाला, अंबर कॉम्प्लेक्स, गुरुकृपा प्लाजा, शबरी कॉम्प्लेक्स, सिटी हॉस्पिटल, अंबर मार्केट, अंजनी भोजनालय आसपास के इलाकों में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक बिजली गुल रहेगी।

बैरागढ़ कला में भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक और पूजा-अर्चना

जागरण, भोपाल। श्री पार्श्वनाथ जिनालय, बैरागढ़ कला में प्रतिदिन श्रद्धा-भक्ति के साथ 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ पूजा-अर्चना की जा रही है। जिनालय में प्रतिदिन नवकार महामंत्र और भक्तामर स्तोत्र का वाचन भी हो रहा है। प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि जिनालय में श्रद्धालुओं द्वारा श्री पार्श्वनाथ विधान आयोजित किया गया, जिसमें अष्ट द्रव्य अर्पित कर सभी के मंगलमय जीवन की कामना की गई। शाम को संगीतमय आरती का आयोजन हुआ। इस अवसर पर डॉ. अनिल जैन, राजेश जैन, विनीत जैन नाकोड़ा, मनोज सनमत, संदीप यश एवं महिला मंडल से रजनी, सपना, जया, रिंकी, माणिकला, स्वाति, गहना आदि मौजूद थीं।

ऐशबाग में प्रेमिका के धोखा देने से परेशान युवक ने लगाई फांसी

जागरण,भोपाल। ऐशबाग थाना क्षेत्र में प्रेमिका के धोखा देने से परेशान युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना के वक्त वह घर में अकेला था। पुलिस के अनुसार 32 वर्षीय नीरज मीणा सुदामा नगर में किराए से रहता था। वह निजी काम करता था। उसके माता-पिता पहले ही देहांत हो गया है और बहन की शादी हो चुकी है। कुछ समय पहले एक लड़की से उसका अफेयर था। जो उसे धोखा देकर उसके दोस्त के साथ चली गई। इसी महीने से डिप्रेशन की परेशानी से जूझ रहा था। गुरुवार को वह पास के इलाके में रहने वाले मामा- मामी के घर से खाना खाकर लौटा था। दोपहर करीब ढाई बजे जब मकान मालिक ने दरवाजा खटखटाया, काफी देर तक नहीं खोलने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर देखा,तो वह फांसी के फंदे पर लटका मिला।

आरक्षित वर्ग के प्रतिभावान शिक्षकों को मैरिट के आधार पर लाभ दें

जबलपुर। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने आरक्षित वर्ग के प्रतिभावान प्राथमिक शिक्षकों को मैरिट के आधार पर लाभ प्रदान करने का राहतकारी निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी प्रवीण कुमार कुर्मी सहित अन्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर, अभिलाषा लोधी व काजल विश्वकर्मा ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि आयुक्त लोक शिक्षण ने हाई कोर्ट के पूर्व आदेश की मनमानी व्याख्या कर आरक्षित वर्ग के प्रतिभावान प्राथमिक शिक्षकों को आदिवासी कल्याण विभाग में दो वर्ष से अधिक की गई सेवा का लाभ न देते हुए स्कूल शिक्षा विभाग में नए सिरे से पदस्थापना की व्यवस्था दे दी थी।

आदमपुर खंती में भभकी आग, 52 टैंकर पानी डालकर आठ घंटे बाद बुझाई, ढाई करोड़ से ज्यादा का नुकसान

33 एकड़ एरिया में फैले कचरे को साफ करवाने 55 करोड़ में दिया गया है टेंडर, 7 लाख मीट्रिक टन कचरा करवाना है साफ

जागरण संवाददाता, भोपाल। आदमपुर छावनी स्थित कचरा खंती में शनिवार को सुबह 10 बजे एक बार फिर भीषण आग लग गई। आग को बुझाने में फायर ब्रिगेड का अमला 10 घंटे तक जद्दोजहद करता रहा। इसके बाद भी रात आठ बजे तक आग बुझाई नहीं जा सकी। फायर कर्मियों के अनुसार शाम तक आग पर काबू तो पा लिया गया, लेकिन देर शाम तक कचरे के गुबार से धुआं उठता रहा। बता दें कि इस दौरान कचरे का निपटारा करने वाली दो पोकलैन मशीनें भी आग की चपेट में आ गई। इस दौरान निगम की करीब 2 से ढाई करोड़ रुपए की मशीनें आग की चपेट में आ गई है। बताया जा रहा है कि आग से करीब 20 फीट ऊंची लपटें उठने लगीं, जिसके चलते आसपास के इलाके में दहशत फैला गई। आग इतनी विकराल थी कि इसका सफेद धुआं 10 किलोमीटर दूर तक साफ देखा जा सकता था। हालांकि, नगर निगम के फायर अमले ने मुस्तैदी दिखाते हुए आठ घंटे बाद आग पर काबू पा लिया, लेकिन कचरे से धुआं निकलता देख इसके बाद भी पानी की बौछारें की जाती रहीं। इस दौरान करीब 10 फायर ब्रिगेड सहित 42 टैंकरों के जरिए आग बुझाने का काम चलता रहा। बता दें कि इस दौरान तेज हवाओं के कारण आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल हो गई। बता दें कि आदमपुर खंती में जमा 7 लाख मीट्रिक टन लीगेसी वेस्ट को खत्म करने के लिए बीते दिनों ही 55 करोड़ रुपए का टेंडर जारी किया गया है। जिसके खत्म कर 33 एकड़ एरिया को कचरा मुक्त किया जाना है।

46 दिन बाद दूसरी बार लगी आग

आदमपुर खंती में बार-बार लगने वाली आग और कचरा प्रबंधन में ढिलाई के चलते नगर निगम अधिकारियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 19 फरवरी को दिए आदेश में स्पष्ट किया है कि कचरा प्रबंधन केवल नगर निगम की ही नहीं, बल्कि केंद्र व राज्य सरकार की भी जिम्मेदारी है। ऐसे में बार बार लगने वाली आग के कारण मुख्य सचिव व कलेक्टर तक को कचरे के निपटारे की समीक्षा करनी है, लेकिन 46 दिन बाद कचरा खंती में यह दूसरी बार आग लग चुकी है। इसके पहले 16 मार्च को भी खंती में आग लगी थी। हालांकि तब डेढ़ घंटे में ही आग बुझ गई थी। शनिवार को लगी आग खंती के मुख्य द्वार के पास कचरे के ऊंचे ढेर में लग गई, जो देखते ही देखते फैल गई और इसका धुआं रायसेन रोड और बिलखिरिया से भी देखा जा सकता था।

रोजाना 850 टन कचरा पहुंचता है खंती

भोपाल में रोजाना 850 टन कचरा पैदा होता है, जिसमें से 800 टन आदमपुर पहुंचता है। नियमानुसार 510 टन मिक्स कचरे की प्रोसेसिंग अनिवार्य है, लेकिन नगर निगम के पास केवल 420 मीट्रिक टन क्षमता का ही प्लांट है। क्षमता कम होने के कारण कचरे का अंबार लग रहा है, जो बार-बार लगने वाली आग का मुख्य कारण है। एक अनुमान के मुताबिक खंती में करीब 7 लाख टन लीगेसी वेस्ट जमा है, जो आग लगने का मुख्य कारण है। इस कचरे के कारण मीथेन गैस बनती है, जो आग लगने का मुख्य कारण बनती है। मीथेन के चलते जैसे ही कचरे के पास कोई ज्वलनशील पदार्थ या चिंगारी पहुंचती है, जिसके कारण आग भभक उठती है।

हो सकती है यह कार्रवाई

सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश के तहत एसवीएम 2026 के नियमों के तहत वेस्ट मैनेजमेंट का इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करने में लापरवाही हुई, तो संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों पर क्रिमिनल केस चलाया जाने के आदेश हैं। क्योंकि खंती के आसपास भूजल में भारी धातुओं की मात्रा 100 गुना तक अधिक पाई गई है। वहीं खंती से निकलने वाले लिचेट के कारण आसपास के ग्रामों पड़रिया, बिलखिरिया, शांति नगर आदि का भूजल प्रदूषित हो चुका है। जिसके कारण हैंडपंपों से लाल-पीला तेलीय और बदबूदार पानी निकल रहा है।

> 10 दमकलों और 42 टैंकरों के जरिए 5 घंटे में आग काबू में आ गई थी, लेकिन इसे बुझाने का काम आठ बजे तक चलता रहा, ताकि गर्मी के कारण आग फिर से न भड़के। खंती के आसपास हमेशा फायरकर्मी तैनात रहते हैं।
>
> • सौरभ पटेल, फायर ऑफिसर, नगर निगम भोपाल

आंगनबाड़ी में कार्यकर्ता ने दी जान, पति को बताया जिम्मेदार

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कजलीखेड़ा थाना इलाके में स्थित आंगनबाड़ी में कार्यकर्ता ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। महिला ने दो पेज का सुसाइड नोट जब्त किया है, जिसमें पति को जिम्मेदार ठहराया है। महिला ने लिखा है कि पति ने मुझे छोड़ दिया। मेरे नाम पर कार फाइनेंस करवा ली। हमेशा मुझे फांसी लगाने के लिए उकसाया। पति की प्रताड़ना से तंग आकर वह यह कदम उठा रही है। पुलिस ने शनिवार को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

कजलीखेड़ा इलाके की घटनाः पुलिस ने दो पेज का सुसाइड नोट किया जब्त

पुलिस के मुताबिक, 48 वर्षीय ओमवती मीणा पति राजेश मीणा थुआखेड़ी में रहती थीं। वह आंगनबाड़ी कार्यकर्ता थीं। शुक्रवार शाम को ओमवती ने साथी महिला कर्मचारी को बच्चों को लेने गांव भेज दिया। महिला वापस लौटी तो ओमवती फांसी के फंदे से झूल रही थी। दुपट्टे से उन्होंने पंखे में फंदा बनाया था। गांव वालों की मदद से महिला का शव नीचे उतारा गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भिजवा दिया। पुलिस को मौके से एक डायरी में दो पेज का सुसाइड नोट मिला। इसमें महिला ने अपने पति राजेश मीणा पर परेशान करने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने लिखा अपनी पत्नी को छोड़कर वह दूसरी महिला के साथ रहने लगा। हमसे कोई रिश्ता नहीं रखता। बात नहीं करता। कोई जिम्मेदारी नहीं उठाता। उसने मेरे नाम से कार फाइनेंस करवा ली, जिसकी किश्त मेरे खाते से कटती है। पति की गाली-गलौच, बदतमीजी से तंग आकर मैं अपनी जान दे रही हूं। मेरी मौत का जिम्मेदार मेरा पति ही है। इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होना चाहिए। मेरे बहू और बेटे को उसका हक दिलाया जाए। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रातीबड़ में बन रहे सरकारी अस्पताल की भूमि पर कब्जा, जून में होना है शुरू

▸▸ 10 करोड़ की लागत से 30 बिस्तर का अस्पताल लगभग तैयार ▸▸ फायर टैंक और आवासीय भवन की जमीन पर अतिक्रमण

नगर संवाददाता, भोपाल। जिले में एक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जल्द शुरू होने की उम्मीद है। यह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लगभग बनकर तैयार है। भवन का निर्माण कार्य 80 से 90 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है, लेकिन इसके शुरू होने में सबसे बड़ी अड़चन अतिक्रमण है। जानकारी अनुसार भोपाल जिले की हुजूर तहसील के अंतर्गत रातीबड़ क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग द्वारा नया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाया जा रहा है। लगभग दस करोड़ रुपए की लागत से बन रहे इस अस्पताल में 30 बिस्तर की सुविधा होगी। मप्र हाउसिंग बोर्ड इसकी निर्माण एजेंसी है। प्रोजेक्ट की डेडलाइन जून 2026 तय की गई है, लेकिन अतिक्रमण के चलते फिलहाल यह मुमकिन नहीं है।

30 बिस्तर की क्षमता और आधुनिक सुविधाएं

इस नए अस्पताल को 30 बिस्तर की क्षमता के साथ डिजाइन किया गया है। वर्तमान में रातीबड़ क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर की सुविधाएं तो मौजूद हैं, लेकिन गंभीर स्थिति या प्रसव जैसे मामलों के लिए मरीजों को अक्सर हमीदिया, जेपी या एम्स भोपाल का रुख करना पड़ता है। इस अस्पताल के शुरू होने से प्राथमिक और माध्यमिक स्तर का इलाज स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेगा।

अतिक्रमण हटाने में आ रही दिक्कत

स्वास्थ्य केंद्र के परिसर में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ के रहने के लिए आवासीय क्वार्टर भी बनाए जा रहे हैं। फिलहाल इस भूमि पर कुछ लोगों का कब्जा है, जिसे हटाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला प्रशासन को पत्र लिखा गया है। बताया जा रहा है कि जल्द ही यहां अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई हो सकती है।

यह सुविधाएं प्रस्तावित हैं

- 24 घंटे आकस्मिक सेवाओं के लिए विशेष वार्ड।
- प्रसव की आधुनिक सुविधाएं और नवजात शिशुओं की देखभाल के लिए यूनिट।
- सामान्य बीमारियों के साथ-साथ विशेषज्ञों के परामर्श के लिए ओपीडी ब्लॉक।
- पेशाब की जांच के साथ-साथ एक्स-रे जैसी मूलभूत सुविधाएं।

20 से 25 गांव के लोगों को फायदा

रातीबड़ क्षेत्र पिछले कुछ वर्षों में तेजी से विकसित हुआ है। यहां न केवल आबादी बढ़ी है, बल्कि कई शैक्षणिक संस्थान भी खुले हैं। इसके बावजूद, एक बड़े सरकारी स्वास्थ्य केंद्र की कमी लंबे समय से महसूस की जा रही थी। 10 करोड़ रुपए की भारी-भरकम लागत से बन रहा यह भवन आधुनिक चिकित्सा मानकों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। अस्पताल के निर्माण से रातीबड़ के साथ-साथ नीलबड़, बरखेड़ा नाथू, मुगालिया छाप, और मेंडोरा जैसे आसपास के करीब 20 से 25 गांवों के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। सड़क हादसों के मामले में भी यह अस्पताल गोल्डन ऑवर के दौरान घायलों की जान बचाने में मददगार साबित होगा।

> भवन का निर्माण कार्य तेजी से पूरा हो रहा है। सिर्फ फिनिशिंग का काम बचा है। रही बात अतिक्रमण की तो इसके लिए जिला प्रशासन को पत्र लिखा गया है। जल्द ही इसका भी निपटारा हो जाएगा।
>
> ▸ डॉ. मनीष शर्मा, सीएमएचओ भोपाल

रात भर खुल रहीं इतवारा और बुधवारे की दुकानें, बदमाशों को मिल रहा बल

शहर में नहीं चलेंगे दो कानूनः सांसद

जागरण संवाददाता, भोपाल। राजधानी में कानून व्यवस्था और अतिक्रमण के मुद्दे पर भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने शनिवार को पुलिस कमिश्नर संजय कुमार से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान सांसद ने स्पष्ट किया कि शहर के बाजारों को बंद करने के लिए दो अलग-अलग नियम नहीं चलेंगे। उन्होंने पुराने भोपाल में रातभर दुकानें खुली रहने पर आपत्ति जताते हुए पुलिस से सख्ती बरतने की मांग की है। सांसद शर्मा ने पुलिस आयुक्त को सौंपे पत्र में कहा कि जहां न्यू मार्केट, एमपी नगर और संत हिरदाराम नगर जैसे क्षेत्र रात 10 बजे तक बंद हो जाते हैं, वहीं काजीकैंप, बस स्टैंड, इतवारा और बुधवारा जैसे इलाकों में रातभर दुकानें खुली रहती हैं। उन्होंने चिंता जताई कि देर रात तक बाजार खुले रहने से आपराधिक गतिविधियों को बल मिल रहा है और युवा गलत रास्ते पर जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने रात सोने के लिए बनाई है, लेकिन युवा घर जाने के बजाय रातभर बिरयानी की दुकानों पर समय बिता रहे हैं।

वक्फ के नाम पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं

सांसद ने इस दौरान वक्फ पर निशाना साधते हुए कहा कि भोपाल वक्फ की जागीर नहीं है। शहर में चल रहे विकास कार्यों में वक्फ की जमीन शब्द का उपयोग कर बाधा डाली जाती है। श्यामला हिल्स वाले मामले का उन्होंने जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्रों को घर दिए जाएंगे, लेकिन सरकारी जमीन पर वक्फ के नाम पर अवैध कब्जा करते बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस कमिश्नर ने सांसद को आश्वस्त किया है कि जल्द ही पूरे शहर के बाजारों में एक समान समय सीमा लागू करने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जाएगी।

आपराधिक प्रवृत्ति के रिश्तेदार ने की थी चोरी, 2 लाख का माल बरामद

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। गौतम नगर इलाके में आपराधिक प्रवृत्ति के रिश्तेदार चोरी की थी। पीड़ित ने उस पर शक जाहिर किया था। पुलिस ने 24 घंटे के अंदर मामले का खुलासा कर दो लाख रुपए कीमती जेवरात बरामद कर लिए हैं। गौतम नगर थाना प्रभारी महेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि 30 वर्षीय कार्तिक भेरवे पिता रंजीत प्रेम नगर नारियल खेड़ा में रहता है और निजी काम करता है। 29 अप्रैल की रात वह परिवार के साथ एक रिश्तेदार के शादी समारोह में परिवार के साथ गया था। अगले दिन उसने देखा तो घर में चोरी हो गई थी। रात में अज्ञात व्यक्ति छत का दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुआ था और अलमारी में रखे सोने के जेवर मंगलसूत्र, कान के बूंदे एवं कान की बाली और नकदी 6 हजार चोरी कर ले गया था। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। पीड़ित ने अपने बुआ के लड़के हर्ष राजोरिया पर शक जाहिर किया। संदेह के आधार पर उससे पूछताछ की तो उसने चोरी करना कबूल कर लिया। उसने बताया कि उसे पता था कि मामा का लड़का शादी में गया था। उसे पैसे की जरूरत थी इसलिए उसने चोरी की थी।

शराब पीने से मना करने पर युवक ने खुद पर डाला पेट्रोल, मौत

जागरण,भोपाल। पिपलानी इलाके में शराब पीने से मना करने पर युवक ने पेट्रोल डालकर आग लगा ली। जिससे वह 70 प्रतिशत तक जल गया। जहां अस्पताल में उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार 53 वर्षीय राम सिंह बजेरिया पिता प्रेमचंद बालविहार में रहते थे। वह ट्रेलर का काम करते थे। राम शराब पीने के आदी थे। जिसके चलते अक्सर परिवार में विवाद होता रहता था। गुरुवार रात एक बजे वह शराब के नशे में घर पहुंचे थे। जहां पत्नी और बेटे ने उन्हें शराब पीने से मना किया। इसी बात लेकर उनका परिवार से झगड़ा हुआ था। इस दौरान उन्होंने अपनी से बाइक से पेट्रोल निकालकर खुद पर डाल लिया और फिर आग लगा ली। जिससे वह बुरी तरह आग में झुलस गए। बाद में परिजन उन्हें गंभीर हालत में हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

अनदेखी | **मरीजों से बदतमीजी आम बात, शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं**

हमीदिया की इमरजेंसी में गार्ड और जूडा की गुंडागर्दी सोशल मीडिया पर वीडियो से अस्पताल की बदनामी

नगर संवाददाता, भोपाल। हमीदिया अस्पताल में मरीज व उनके परिजनों के साथ गार्ड और जूनियर डॉक्टर की बदतमीजी कम नहीं हो रही। बीते कुछ दिनों में सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो की तादाद बढ़ गई है, जिसमें गार्ड व जूडा मरीजों के साथ दुर्व्यवहार करते नजर आ रहे हैं। ऐसे मामलों में कई बार पीड़ितों ने अस्पताल अधीक्षक से लेकर कोहेफिजा थाना पुलिस से शिकायत भी की है, लेकिन इन मामलों में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। ऐसे मामलों में गांधी मेडिकल कॉलेज प्रबंधन कई बार जूडा की गलती स्वीकार भी कर चुका है और यह भी तय हुआ कि जूडा की काउंसलिंग के लिए एक विशेष सेल का गठन किया जाएगा। इस सेल का काम जूडा को यह सिखाना होगा कि वह

मरीज और उनके परिजनों के साथ कैसा व्यवहार करें, लेकिन इस दिशा में कोई ठोस कदम अभी तक नहीं उठाया गया है।

अस्पताल में एंट्री को लेकर गार्ड से विवादः करीब पंद्रह दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें हमीदिया अस्पताल के गार्ड इलाज कराने आए मरीज व उसके परिजनों के साथ धक्का मुक्की करते दिखाई दे रहे थे। इस वीडियो में परिजन आरोप लगा रहे थे कि गार्ड ने उन्हें अस्पताल के अंदर आने से रोका, इतना ही नहीं इलाज में देरी पर जब परिजनों ने पूछताछ की तो तीन से चार गार्ड इकट्ठा होकर आ गए और परिजनों को धक्का देकर अस्पताल से बाहर निकालने लगे। इस बात को लेकर विवाद बढ़ता चला गया।

वीडियो बनाने पर जूनियर डॉक्टर हुआ नाराज

एक अन्य वीडियो में मरीज के साथ परिजन इमरजेंसी में मोबाइल से वीडियो बना रहा था। यहां मरीज के परिजन का कहना था कि बहुत देर से इलाज का इंतजार कर रहे हैं कोई भी चिकित्सक मरीज को देखने के लिए तैयार नहीं है। कुछ जूनियर डॉक्टर टेबिल के आस पास बैठकर अपनी चर्चा में व्यस्त थे। वीडियो बनाता देख एक डॉक्टर पास आया और हाथ से मोबाइल छीनने लगा। जब परिजन ने मोबाइल नहीं दिया तो फिर गार्ड को अंदर बुला लिया और मरीज व उसके साथ आए लोगों को धक्के देकर बाहर निकलवा दिया।

पार्टी करने दो दोस्तों ने घरों से चोरी किए गैस सिलेंडर

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। नशा पार्टी करने के लिए दो दोस्तों ने घरों से गैस सिलेंडर चोरी किए। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उससे पांच गैस सिलेंडर बरामद किए हैं। पुलिस उसके साथी की तलाश में जुटी है। रातीबड़ थाना प्रभारी रासबिहारी शर्मा के अनुसार महाराम सिंह ब्रह्मपुरी कालोनी रातीबड़ में रहते हैं। वह एसएएफ में जवान हैं। शुक्रवार को उन्होंने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि वह अपनी पत्नी व बच्चों के साथ विदिशा एक शादी में शामिल होने गए थे। लौटकर आए तो देखा घर और अंदर के दरवाजे पर लगा ताला टूटा पड़ा है। घर से गैस सिलेंडर, एक बैग जिसमें गैस बुक, आधार कार्ड और पांच सौ रुपए गायब थे। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने सीसीटीवी खंगाले तो फुटेज में दो संदेही दिखे। एक आरोपी की पहचान सतीश राजपूत (24) पिता चंदू राजपूत निवासी नरेला संकरी थाना अयोध्या नगर के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी सतीश को गिरफ्तार कर उससे पांच चोरी के सिलेंडर, बाइक बरामद की है। सतीश ने रातीबड़ इलाके से ही गैस सिलेंडर चोरी किए थे। पुलिस ने आरोपी को जिला अदालत में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

नगर में आज

स्टेट हैंडलूम एक्सपो 2026
- **स्थान:** स्थान: गौहर महल
- **समय:** दोपहर 12 बजे से

ओपन माइक नाइट
- **स्थान:** कैफे अरोमा, व्हाइट
- **समय:** शाम 4:00 बजे से

'सिनेकारी'
- **स्थान:** आलियांस फ्रंसेस
- **समय:** सुबह 10:30 बजे से

'माह का प्रादर्श'
- **स्थान:** मानव संग्रहालय
- **समय:** दोपहर 12 बजे से

72 शलाका चित्र प्रर्दशनी
- **स्थान:** लिखन्दरा दीर्घा, जनजातीय संग्रहालय
- **समय:** दोपहर 12 बजे से

आदिवासी बस्ती हटाई, हंगामा करने वालों को पुलिस ने खदेड़ा

बस्ती के सभी 27 परिवारों को मालीखेड़ी में किया जाना है शिफ्ट ▸▸ सुबह 7 बजे कार्रवाई करने पहुंच गया था प्रशासन का अमला

जागरण संवाददाता, भोपाल। पॉलिटेक्निक चौराहा स्थित मानस भवन के पास बनी आदिवासी बस्ती की 27 झुग्गियों को हटाने के दौरान शनिवार को जमकर हंगामा हुआ। कार्रवाई की जानकारी मिलते ही स्थानीय रहवासी सुबह 4 बजे से ही पॉलिटेक्निक चौराहे से सीएम हाउस जाने वाली सड़क पर जुटने लगे थे, जिसे देखते हुए पुलिस ने मानस भवन के पास बेरिकेडिंग कर लोगों को उनके घरों तक जाने से रोक दिया। इसके बाद सुबह 7 बजे प्रशासन का अमला कार्रवाई के लिए पहुंचा, जिसके बाद करीब 30 स्थानीय महिलाएं सड़क पर ही धरने पर बैठ गईं और कार्रवाई को महिला विरोधी बताया। कार्रवाई के दौरान एक युवक भी मोबाइल टावर पर चढ़ गया, जिसे पुलिस ने समझाइश के बाद उतरवा लिया। जानकारी मिलने के बाद पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, कांग्रेस नेता प्रवीण सक्सेना, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी और आसिफ जकी कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंच गए और कार्रवाई का विरोध जताया। कार्रवाई के दौरान पुलिस के अधिकारी लगातार महिलाओं को धरना खत्म करने की समझाइश देते रहे, लेकिन 2 बजे के बाद नगर निगम का अतिक्रमण अमला बेरिकेडिंग पार कर अंदर की ओर दाखिल हुआ तो प्रदर्शन उग्र हो गया। इस दौरान महिलाओं ने कुछ महिला पुलिस कर्मियों को सड़क पर धक्का दे दिया। इसके बाद पुलिस ने बलपूर्वक सबको मौके से खदेड़ते हुए हिरासत में लेना शुरू किया। मौके पर मौजूद कांग्रेस नेता आसिफ जकी, नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी सहित कुछ युवकों को हिरासत में लिया गया, जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया।

1- मानस भवन के पास स्थित आदिवासी बस्ती के मकान जेसीबी से तोड़ता निगम का अमला, 2- पार्षद आशिफ जकी को रोकते पुलिसकर्मी, 3 और 4 कार्रवाई का विरोध करने वालों को पुलिस ने बलपूर्वक खदेड़ दिया। छायाः एचसी वर्मा

प्रशासन पर लगाया घरों में ताले लगाने का आरोप

लोगों ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने बलपूर्वक घरों में ताले लगा दिए हैं। उनका कीमती सामान अंदर रह गया है। कार्रवाई में सामान गुम हो जाता है, तो जिम्मेदार कौन होगा? बता दें कि जिस जगह से अतिक्रमण हटाया जा रहा है उस जमीन में कुछ हिस्सा मानस भवन का है, जबकि बाकी स्थान पर रामायण म्यूजियम बनाया जाना है। इसके अलावा सीएम हाउस के निकट होने के कारण भी सुरक्षा की दृष्टि से झुग्गियों का विस्थापन किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा लगभग 6 माह से इन झुग्गियों को हटाने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा था, लेकिन किसी ने किसी कारण से शिफ्टिंग टल रही थी।

कार्रवाई के चलते गुम गया छात्रा का रोल नंबर

कार्रवाई के दौरान राजगढ़ निवासी छात्रा अंकिता दांगी का रोल नंबर गुम गया। वह अपनी बुआ ममता दांगी के घर आई थी और रविवार को छात्रा का नीट का एग्जाम था। काफी देर ढूंढने के बाद छात्रा का रोल नंबर मिला। छात्रा ने बताया कि उसकी बहन भी पीपुल्स डेंटल कॉलेज में बीडीएस की छात्रा है। कार्रवाई के चलते उसकी मार्कशीट भी गुम हो सकती है। रहवासी चिमन आदिवासी ने शिकायत की कि उनका सामान जबरदस्ती पैक करवा दिया गया है। सामान को जबरदस्ती फेंका गया है, जिसके कारण काफी सामान टूट गया है। ममता दांगी ने बताया कि इस जगह पर बाजार से लेकर स्कूल, कॉलेज सब पास है। अब उन्हें जबरदस्ती यहां से हटाया जा रहा है।

" मालीखेड़ी के स्थानीय निवासी इस शिफ्टिंग का विरोध कर रहे हैं। ऐसे में इन लोगों को आसपास ही जगह दी जानी चाहिए। ताकि वे शहर में रहते हुए अपना जीवन यापन कर सकें। जबरदस्ती शिफ्टिंग करवाने का हम लोग विरोध करते हैं।
■ **पीसी शर्मा**, पूर्व मंत्री

" सरकार की यह कार्रवाई पूरी तरह से महिला विरोधी है और आदिवासी समुदाय का अपमान है। यह लोग लंबे समय से वनभूमि पर काबिज है और इन्हें जबरदस्ती हटाया जा रहा है।
■ **शबिस्ता जकी**, नेता प्रतिपक्ष नगर निगम भोपाल

" यह लोग राजस्व की जमीन पर लंबे समय से काबिज हैं। इन्हें पूर्व में भी नोटिस दिए जा चुके हैं और कब्जे हटाने के लिए कहा गया था। इसके बाद प्रशासन ने नियमों का पालन कर कार्रवाई को अंजाम दिया है।
■ **दीपक पांडेय**, एसडीएम, शहर वृत्त

" शुक्रवार को सभी लोगों को समझाइश दी गई थी कि वे अपना सामान हटवा लें। शनिवार को भी सुबह से ही समझाया जा रहा था। जिन लोगों ने उग्र प्रदर्शन करने का प्रयास किया। उन्हें एहतियातन हिरासत में लिया गया।
■ **शैलेन्द्र सिंह चौहान**, एडिशनल डीसीपी क्राइम

संक्षिप्त खबरें

एमडी ड्रग बेचने आए तस्कर समेत ग्राहक गिरफ्तार

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। एमडी ड्रग बेचने आए तस्कर समेत ग्राहक को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से 23.14 ग्राम एमडी ड्रग बरामद की है। जब्त की गई ड्रग की कीमत ढाई लाख रुपए है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्राइम ब्रांच पुलिस के मुताबिक, मुखबिर की सूचना पर एक टीम ने थाना एमपी नगर जोन-वन स्थित मेट्रो ब्रिज के पास ग्राउंड में एक युवक को एमडी ड्रग के साथ पकड़ा। वह ग्राहक का इंतजार कर रहा था। पूछताछ में आरोपी की पहचान माणिक लाल (25) पिता सुरेश शाह निवासी शास्त्री नगर, नई दिल्ली हाल पता गोविंद गार्डन के रूप में हुई। पुलिस को उसके पास 23.14 ग्राम ड्रग मिला। पुलिस उसे पकड़कर थाने ले आई। पूछताछ में उसने बताया कि वह मोहम्मद रिहान को ड्रग बेचने आया था। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने आरोपी मोहम्मद रिहान (27) पिता मोहम्मद बिलाल निवासी पीरगेट नक्कास खाना कोतवाली को भी गिरफ्तार कर लिया।

महिला वकील से मारपीट कर की छेड़छाड़, केस दर्ज

जागरण,भोपाल। एमपी नगर थाना क्षेत्र में महिला वकील से छेड़छाड़ कर मारपीट करने का मामला सामने आया है। घटना को उसके दोस्ती साथी वकीलों ने अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। घटना 10 अप्रैल 26 की है। पुलिस के अनुसार 28 वर्षीय रानू झरनिया मंडीदीप में रहती है। वह वकील हैं। कुछ समय पहले उसके साथी महिला वकील वर्षा तोमर से उसका मामूली विवाद हुआ था। 10 अप्रैल को सुबह 11 बजे वह शासकीय मुद्रणालय के पास पहुंची। जहां वर्षा और उसका दोस्त लावेश व्यास वहां पहले से मौजूद था। लावेश भी पेशे से वकील है। इस दौरान किसी बात को लेकर दोबारा किसी बात को लेकर आपसी विवाद हुआ। जहां वर्षा के दोस्त ने गलत तरीके से महिला का हाथ पकड़कर उसके साथ छेड़छाड़ की। विरोध करने गाली- गलौज कर महिला वकील के साथ मारपीट की।

बादलों की ओट में छिपा सूरज, ढाई घंटे में 13 डिग्री गिरा तापमान, कई इलाकों में बिजली गुल

तेज हवा के साथ आई बारिश ने सुहाना किया भोपाल का मौसम, होर्डिंग्स और पेड़ गिरे

नगर संवाददाता, भोपाल। राजधानी में शनिवार को बारिश और हवा ने मौसम को सुहाना कर दिया। सुबह तेज धूप से गर्मी बढ़ रही थी, वहीं दोपहर में आसमान पर बादल छाना शुरू हो गए। दोपहर 3 बजे तक सूरज बादलों की ओट में छिप गया। इसके बाद तेज बारिश शुरू हुई और मौसम में ठंडक घुल गई। दिन का तापमान जो सुबह से बढ़ रहा था, शाम को एक दम नीचे आ गया। मौसम केंद्र से मिली जानकारी अनुसार शनिवार को भोपाल में दिन का अधिकतम तापमान 39.8 डिग्री रहा, जो कि दोपहर 3 बजे के आस पास रिकार्ड किया गया था। शाम को पांच बजे तापमान गिरकर 26.8 डिग्री पर आ गया। महज ढाई घंटे में 13 डिग्री की गिरावट पारे में दर्ज की गई। बादल छाने और बारिश होने के कारण तापमान में गिरावट आई है। सुबह के समय मौसम साफ था, इसलिए तापमान तेजी से ऊपर जा रहा था, लेकिन दोपहर बाद आसमान पर बादल छाने लगे और शाम होते होते यह बरस भी गए।

कई कॉलोनियों में गई बिजली

बारिश से पहले चली हवा ने शहर की कई कॉलोनियों में बिजली गुल कर दी। न्यू मार्केट, अशोक गार्डन, बोगदा पुल, पत्रकार कॉलोनी, टीटी नगर, बागसेवनियां, बावड़ियां कला, लालघाटी क्षेत्र की दर्जनों कॉलोनी में ट्रिपिंग की समस्या के कारण बिजली गुल रही।

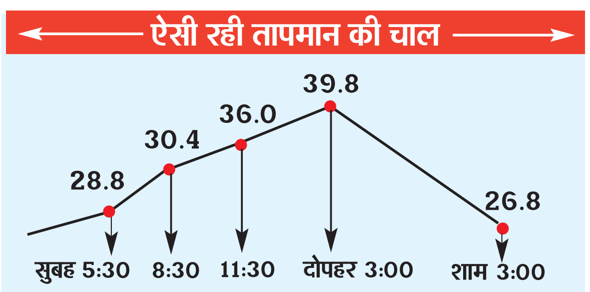

50 की स्पीड से चली हवा: शनिवार को तेज गति से हवा चली। मौसम केंद्र द्वारा बताया गया कि भोपाल में हवा की स्पीड 40 से 50 किलो मीटर प्रति घंटा तक रिकार्ड की गई है। तेज हवा के कारण कई क्षेत्रों में पेड़ गिरने की भी सूचना है, हालांकि नगर निगम के कंट्रोल रूम पर इस संबंध में शिकायतें नहीं पहुंची। वहीं बारिश की बात करें तो शहर में शनिवार को 2 मिली मीटर बारिश दर्ज की गई है।
रात में बढ़ा पारा, रही गर्मी: शनिवार को बारिश के कारण दिन का तापमान नीचे आ गया और लोगों को गर्मी से राहत रहीं। लेकिन इससे पहल शनिवार-शुक्रवार की रात में न्यूनतम तापमान 28 डिग्री रिकार्ड किया गया। जो कि सामान्य 2.6 डिग्री ज्यादा था। इस कारण रात में लोगों को गर्मी के कारण बैचेनी महसूस हुई। उल्लेखनीय है कि रात के पारे में 5 डिग्री से अधिक की वृद्धि रही।

घरेलू विवाद में पिता ने बेटे की कुल्हाड़ी मारकर की हत्या

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। नजीराबाद इलाके में पिता ने बेटे की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी। 15 दिन उसका अस्पताल में इलाज चला। मर्ग जांच में हत्या का खुलासा हुआ। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इसके पूर्व परिवार पुलिस को गुमराह करता रहा। उनका कहना था कि बेटा हथौड़ा चला रहा था। हथौड़ा चलाने पर ऊपर टंगी कुल्हाड़ी सिर पर गई थी, जिससे उसे चोट आई थी। मौत होने के बाद पुलिस को शक हुआ तब हत्या का राज खुला। नजीराबाद थाना प्रभारी दुर्जन सिंह बरकड़े ने बताया कि 35 वर्षीय भगवान सिंह पिता गंगाराम ग्राम बहरावल में रहता था। वह पंक्चर की दुकान चलाता था। जबकि उसका पिता खेती किसानी करते हैं। सभी एक ही घर में रहते हैं। बेटा इसी घर में रहता था, लेकिन उसका अलग कमरा था। बीती 31 मार्च को घरेलू विवाद को लेकर पिता-पुत्र में झगड़ा हुआ था। विवाद के दौरान बेटे ने पिता को हाथ मार दिया था, जिससे नाराज होकर पिता ने उसके सिर पर कुल्हाड़ी मार दी थी। इससे भगवान गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे इलाज के लिए भैंसाखेड़ी स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान 15 अप्रैल को उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

मर्ग जांच में हुआ हत्या का खुलासा, आरोपी गिरप्तार, भेजा जेल

पिता-पुत्र में हुआ था विवाद

पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। जांच में हत्या का खुलासा हुआ। पड़ोसियों ने बताया कि घटना के रोज पिता-पुत्र में विवाद हुआ था। मृतक के दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। पुलिस ने आरोपी पिता गंगाराम सिंह (77) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

वल्लभ भवन में गाड़ी लगवाने का झांसा देकर बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश

5 वाहन बरामद, एक वाहन में लगा था जीपीएस उसी से पकड़ाए आरोपी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। सरकारी विभाग जैसे वल्लभ भवन में किराए पर वाहन लगवाने का झांसा देकर बेचने वाले गिरोह का अयोध्या नगर पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इनोवा, एक्सयूवी समेत पांच वाहन आरोपी से जब्त किए हैं। एक वाहन में जीपीएस लगा था, जिससे वह पकड़ा गई। पुलिस ने एजेंट को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी फरार है। एजेंट देहात इलाकों में सक्रिय हैं, जो 5 हजार रुपए के कमीशन पर वाहन स्वामी को लालच देकर वाहन लाते थे, जिसे मुख्य आरोपी को सौंप देते थे। मुख्य आरोपी लोन जमा करने या बीमार होने की मजबूरी बताकर विक्रय अनुबंध पर सस्ते दामों में इन चार पहिया वाहनों को बेच देता था। जब्त की गई गाड़ियों की कीमत 80 लाख रुपए आंकी गई है।
45 हजार रुपए प्रतिमाह किराया : अयोध्या नगर थाना प्रभारी महेश लिल्हारे ने बताया कि टीकमगढ़ के मनोज मिश्रा ने शिकायत की थी। उनकी महिंद्रा एक्सयूवी 500 को एयरपोर्ट पर किराए से चलवाने का झांसा देकर आरोपी आलोक ने 45 हजार रुपए किराया प्रतिमाह के हिसाब लिया था। गारंटी के तौर पर 35 हजार रुपए भी लिए थे। आलोक ने एक महीने गाड़ी का किराया दिया। इसके बाद किराया देना बंद कर लिया। आरोपी ने मोबाइल भी बंद कर लिया। मनोज को बाद में पता लगा कि आरोपी ने अन्य साथी के मिलकर उनका वाहन बेच दिया है। मनोज के वाहन में जीपीएस लगा था। इस पर पुलिस ने आरोपी आलोक व अरविंद मिश्रा के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की।
सस्ते दामों में विक्रय अनुबंध कर बेचा: पुलिस ने गायब आरोपी आलोक चौबे (25) पिता मुन्ना लाल चौबे निवासी खउमुलया कोलार रोड अमरावत कला भोपाल को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने साथी नर्मदा, अरविंद मिश्रा के साथ मिलकर मनोज मिश्रा समेत अन्य लोगों के वाहन किराए पर लगाने के नाम पर भोपाल लेकर आए और सस्ते दामों में वाहन बेच दिए। आरोपी आलोक की निशादेही पर बेची गई महिन्द्रा एक्सयूवी 500 के साथ इसी प्रकार किराए पर लाकर बेची गई चार अन्य गाड़ियां 2 बोलेरो, 2 इनोवा कुल 5 चार पहिया वाहन बरामद किए। पुलिस फरार आरोपी अरविंद मिश्रा, नर्मदा की तलाश में जुटी है।

ट्रैक्टर धोखाधड़ी गिरोह का पर्दाफाश, 20 ट्रैक्टर जब्त

उज्जैन जिले के थाना भाटपचलाना पुलिस द्वारा किसानों के साथ ट्रैक्टर धोखाधड़ी करने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लगभग 1 करोड़ 80 लाख रुपए कीमती 20 ट्रैक्टर जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार थाना भाटपचलाना क्षेत्र में किसानों द्वारा ट्रैक्टर धोखाधड़ी एवं ट्रैक्टर वापस न करने की शिकायतें लगातार प्राप्त हो रही थीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए अपराध पंजीबद्ध कर तत्काल विशेष टीम गठित कर विवेचना प्रारंभ की गई। 30 अप्रैल को तकनीकी साक्ष्यों एवं मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी रफीक पिता गनी मोहम्मद निवासी ग्राम माधीपुरा को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने उज्जैन, इंदौर, धार एवं रतलाम जिलों के विभिन्न क्षेत्रों से 1 करोड़ 80 लाख रुपए कीमती 20 ट्रैक्टर जब्त किए हैं। आरोपी ग्रामीण क्षेत्रों के भोले-भाले किसानों को निशाना बनाकर उन्हें ट्रैक्टर पर अधिक मासिक किराया देने का लालच देता था। इस प्रलोभन में आकर किसान अपने ट्रैक्टर आरोपी को सौंप देते थे। आरोपी ट्रैक्टरों को अपने कब्जे में लेकर उन्हें अन्य जिलों के दूरस्थ क्षेत्रों में बेच देता या गिरवी रख देता था।

शादी में जाने से मना करने पर पत्नी ने खाया जहर

जागरण,भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र में रिश्तेदार की शादी में जाने से मना करने पर नाराज पत्नी ने जहर खा लिया। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार 28 वर्षीय सोना बाई पति कैलाश मूल रूप से नर्मदापुरम की रहने वाली थी। वर्तमान में वह परिवार के साथ सतलापुर में किराए के मकान में रह रही थी। उसका पति ड्राइवरी करता है। जबकि महिला गृहणी थी। उनके दो बच्चे हैं। शुक्रवार सुबह 10 बजे उसने पति को रिश्तेदार की शादी में जाने के लिए बोला, जिस पर पति ने पैसे नहीं होने के बात कही। इसके बाद उसका पति बाथरूम में चला गया। इस दौरान महिला ने सल्फास की गोलियां खा ली। हालत बिगड़ने के बाद उसने जहर खाने की बात कही। बाद में परिजनों उसे एम्स अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एम्स में रेबीज के मरीज ने खिड़की से कूदकर की खुदकुशी

जागरण,भोपाल। बागसेवनिया थाना क्षेत्र में एम्स अस्पताल में रेबीज के मरीज ने खिड़की से कूदकर जान दे दी। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार 24 वर्षीय कमल सिंह विदिशा के इकोदिया गांव का रहने वाला था। 5 मार्च को गांव में उसे मोहल्ले के कुत्ते ने काट लिया था। दाहिने हाथ में काटने पर थोड़ा खून निकला। कोई तकलीफ नहीं होने पर उसने न डॉक्टरों से इलाज कराया और न रेबीज का इंजेक्शन लगवाया। कुछ दिन बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी। एंटी रेबीज का इंजेक्शन नहीं लगने के कारण संक्रमण फैल गया। इसके कारण वह अजीब हरकतें करने लगा। ज्यादा तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे 30 अप्रैल को इलाज के लिए एम्स में भर्ती करवाया। उसे मेडिकल वार्ड के आईसोलेशन वार्ड में रखा गया था। शुक्रवार रात खिड़की के पास पहुंचकर उसने छलांग लगा दी। जमीन पर गिरने के कारण उसके दोनों हाथ-पैर टूट गए। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जेके अस्पताल की बिल्डिंग से गिरकर मरीज की मौत

कोलार रोड स्थित जेके अस्पताल में शनिवार दोपहर दर्दनाक घटना सामने आई। अस्पताल की बिल्डिंग से गिरकर मरीज की मौत हो गई। घटना के बाद अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान छिंदवाड़ा निवासी 57 वर्षीय नामदेव राम के रूप में हुई है। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। नामदेव को सर्वाइकल स्पाइन की समस्या के इलाज के लिए 13 अप्रैल को जेके अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शनिवार दोपहर 4 बजे अस्पताल की चौथी मंजिल पर पहुंचे और वहां निर्माणाधीन लिफ्ट क्षेत्र से नीचे गिर गए। गंभीर चोट लगने से मौत हो गई। कोलार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मृतक के परिजनों का आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। उनका कहना है कि निर्माणाधीन क्षेत्र को सुरक्षित नहीं किया गया था और वहां पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि जेके अस्पताल में पहले भी इस तरह की घटना सामने आ चुकी है, लेकिन इसके बावजूद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई गई। फिलहाल पुलिस अस्पताल स्टाफ और परिजनों से पूछताछ कर पूरे मामले की जांच कर रही है।

एम्स | रीनल डाययूरेटिक स्कैन की सुविधा हुई शुरू, पेशाब संबंधी समस्याओं में भी मददगार

किडनी की एडवांस जांच शुरू, सूजन का चलेगा सही पता

नगर संवाददाता, भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल में किडनी से जुड़ी एक अहम जांच की सुविधा शुरू हुई है। इस जांच का फायदा उन मरीजों को होगा जिन्हें किडनी में सूजन या पेशाब करने में विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। एम्स के न्यूक्लियर मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. सुरुचि जैन ने बताया कि हाइड्रोनेफ्रोसिस, जिसे सामान्य भाषा में किडनी की सूजन कहा जाता है, एक ऐसी समस्या है जो जन्म से भी हो सकती है या बाद में किडनी स्टोन के कारण विकसित हो सकती है। उन्होंने बताया कि इस स्थिति में अक्सर पेल्वीयूरेटरिक जंक्शन अवरोध हो जाता है, जिससे किडनी ठीक से काम नहीं कर पाती। उन्होंने कहा कि अल्ट्रासाउंड जांच शुरुआती जानकारी देता है, लेकिन सही इलाज तय करने के लिए न्यूक्लियर मेडिसिन की जांच बहुत जरूरी होती है। रीनल डाययूरेटिक स्कैन के जरिए यह पता लगाया जाता है कि अवरोध कितना गंभीर है, किडनी कितनी सही काम कर रही है और मरीज को ऑपरेशन की जरूरत है या नहीं। यह जांच ऑपरेशन के बाद भी की जाती है, जिससे यह देखा जा सके कि किडनी ठीक से काम कर रही है और मूत्र का प्रवाह सामान्य है। एम्स भोपाल मध्य प्रदेश का एकमात्र सरकारी केंद्र है जहां यह सुविधा काफी कम लागत में उपलब्ध है। डॉ. सुरुचि जैन ने मरीजों को सलाह दी कि अगर उन्हें किडनी की सूजन या पेल्वीयूरेटरिक जंक्शन अवरोध जैसी समस्या है, तो वे न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग में आकर सही जांच और उपचार कराएं। यह टेस्ट क्यों किया जाता है चिकित्सकों के अनुसार रीनल डाययूरेटिक स्कैन यह देखने के लिए किया जाता है कि क्या गुर्दे से मूत्राशय तक मूत्र के बहाव में कोई बाधा तो नहीं है। इसके अलावा प्रत्येक गुर्दा (बायां और दायां) अलग-अलग कितना प्रतिशत काम कर रहा है। यदि गुर्दे की कोई सर्जरी हुई है, तो यह देखने के लिए कि सुधार कैसा है। बच्चों में हाइड्रोनफ्रोसिस (गुर्दे में सूजन) की जांच के लिए।

टीबी नियंत्रण की समीक्षा

जिला क्षय रोग केंद्र भोपाल में शनिवार को आयोजित समीक्षा बैठक में क्षय उन्मूलन एवं एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा की गई। सीएमएचओ भोपाल डॉ. मनीष शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में 100 दिवस निक्षय अभियान की प्रगति और लक्ष्य प्राप्ति पर विशेष रूप से चर्चा हुई। बैठक में क्षय उन्मूलन जागरूकता, परीक्षण, संभावित टीबी मरीजों का स्पूटम कलेक्शन, निक्षय पोर्टल पर प्रिजम्प्टिव आईडी तैयार करना, डॉट्स की उपलब्धता, उपचार सहायता, निक्षय पोर्टल पर पंजीकरण का मैदानी स्तर पर किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी ली गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ मनीष शर्मा ने क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के लक्ष्यों एवं उपलब्धियों का साप्ताहिक आधार पर विश्लेषण करने को कहा।

प्रेम चतुर मनुष्य के लिए नहीं, वह तो शिशु से सरल हृदयों की वस्तु है।
- जयशंकर प्रसाद

आखिर क्यों बिखरे आप के नेता?

“ राघव चड्ढा के आम आदमी पार्टी से अलग होने की चर्चाओं के बीच यह सवाल और भी प्रासंगिक हो गया है। हम अक्सर ऐसे मौकों पर बहुत आसान निष्कर्ष निकाल लेते हैं, कभी इसे अवसरवाद कह देते हैं, कभी संगठन की कमजोरी, और कभी एजेंसियों के डर का हवाला दे देते हैं।

• गुंजा कपूर •

भारतीय राजनीति के हालिया घटनाक्रम को देखते हुए एक बात बार बार मन में आती है कि आखिर लोग किसी नेता के साथ क्यों जुड़ते हैं और कब उससे दूरी बना लेते हैं? राघव चड्ढा के आम आदमी पार्टी से अलग होने की चर्चाओं के बीच यह सवाल और भी प्रासंगिक हो गया है। हम अक्सर ऐसे मौकों पर बहुत आसान निष्कर्ष निकाल लेते हैं, इसे अवसरवाद, संगठन की कमजोरी, और कभी एजेंसियों के डर का नाम देते हैं। लेकिन सच तो यह है कि राजनीति को इस तरह समझना उसे बहुत संकीर्ण कर देगा। राजनीति दरअसल विश्वास और प्रेरणा की निरंतर प्रक्रिया है। 2024 के लोकसभा चुनावों में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा 240 सीटों पर आकर रुकी। यह पूर्ण बहुमत से कम था, लेकिन सरकार फिर भी बनी और विपक्ष ने भी अपेक्षा से बेहतर प्रदर्शन किया। ऐसे में यह उम्मीद की जा रही थी कि अब राजनीतिक आकर्षण बंटेगा, लोग अलग अलग दिशाओं में जाएंगे। पर जो हो रहा है, वह थोड़ा अलग है। विपक्ष से निकलने वाले लोग किसी दूसरे विपक्षी दल या एनडीए के घटक दल में जाने के बजाय भाजपा की ओर जा रहे हैं। यह केवल आंकड़ों का मामला नहीं है, यह उस भरोसे का संकेत है जो कहीं न कहीं बन रहा है।

युवा नेता होना ही काफी नहीं...

विपक्ष में आज ऊर्जा की कमी नहीं है। राहुल गांधी हैं, अखिलेश यादव हैं, अभिषेक बनर्जी हैं, हेमंत सोरेन हैं, रेवंत रेड्डी हैं, के. कविता हैं, आदित्य ठाकरे हैं, राज ठाकरे हैं, सब अपेक्षाकृत युवा, सक्रिय और अपने अपने क्षेत्र में प्रभावी। फिर भी यदि प्रवाह एक ही दिशा में दिखता है, तो यह मानना पड़ेगा कि केवल युवा होना या पद पर होना पर्याप्त नहीं है। कुछ और है जो लोगों को खींचता है।

यह भी ठीक नहीं है कि हर बदलाव को केवल लाभ हानि के तराजू पर तौल दिया जाए। कपिल मिश्रा लंबे समय तक सक्रिय राजनीति में अपेक्षित भूमिका से दूर रहे, उसके बाद उन्हें जिम्मेदारी मिली। आर.पी.एन. सिंह जैसे नेताओं को भी तत्काल कोई बड़ी राजनीतिक उछाल नहीं मिली। जयवीर शेरगिल जैसे युवा चेहरे भी बिना किसी त्वरित लाभ के भाजपा में आए। फिर भी इन सबने दिशा बदली।

अब बदल गए हैं मूल्य

यहां एक और बात समझनी जरूरी है। आज जो युवा राजनीति में आ रहे हैं, खासकर जो पढ़े लिखे हैं, उनके पास विकल्प हैं। वे चाहें तो अच्छी नौकरी कर सकते हैं, व्यवसाय कर सकते हैं, अपने लिए सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन बना सकते हैं। अगर वे राजनीति में आते हैं, तो इसलिए कि उन्हें लगता है कि यहां वे कुछ सार्थक कर पाएंगे। लेकिन अगर उन्हें बार बार समझौता करना पड़े, अपने मूल्यों से हटना पड़े, तो उनके लिए यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि फिर राजनीति में रहकर क्या हासिल करना है? ऐसे लोग बिना ज्यादा शोर किए वापस अपने रास्ते पर लौट जाते हैं। इसलिए शिक्षित और सक्षम युवाओं को साथ बनाए रखना किसी भी नेतृत्व के लिए सबसे कठिन परीक्षा होती है। यहीं पर नेतृत्व की असली कसौटी सामने आती है। युवाओं के साथ भी कुछ ऐसा ही होता है।

आचरण और निर्णयों से नेतृत्व की पहचान

जनता या नेता को प्रेरित करने के लिए उनके जैसा दिखना या बोलना आवश्यक नहीं है। नेतृत्व अपने आचरण और निर्णयों से पहचाना जाता है। प्रेरणा केवल एक दल तक सीमित नहीं रही है। राजीव गांधी जब प्रधानमंत्री बने, तो उनकी युवा ऊर्जा ने एक पूरी पीढ़ी को आकर्षित किया। इंदिरा गांधी ने 1971 में जिस दृढ़ता का परिचय दिया, उसने पूरे देश को, विशेषकर युवाओं को, उनके साथ खड़ा कर दिया। इतिहास बार बार यही बताता है कि जब नेतृत्व भरोसा और दिशा देता है, तो लोग साथ आते हैं। अरविंद केजरीवाल का उदाहरण भी इसी संदर्भ में देखा जा सकता है। उन्होंने एक समय लोगों को यह भरोसा दिलाया कि राजनीति बदली जा सकती है और लोग उनके साथ जुड़ते चले गए। लेकिन प्रेरणा को बनाए रखना पड़ता है। जिस दिन यह कम होने लगती है, उसी दिन लोग दूरी बनाना शुरू कर देते हैं। इसलिए किसी भी राजनीतिक दल के लिए सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह उस प्रेरणा को निरंतर जीवित रखे, जो जनता और नेता, दोनों को उसके साथ जोड़े रखे।

“ सभी की निगाहें पश्चिम बंगाल के नाटकीय और खतरनाक चुनावों पर हैं, जहां दीदी के अस्तित्व के अलावा बहुत कुछ दांव पर है।

झालमुड़ी के लिए ढोकला पीछे छोड़ दिया....!

• शोभा डे •

भले ही मेरी शादी चार दशक पहले एक खालिस बंगाली आदमी से हुई है, फिर भी मैं पूरी तरह बंगाली नहीं हो पाई हूं। झालमुड़ी एक मसालेदार, कुरकुरा स्ट्रीट फूड, जिसे पेपर कोन में कुशलता से मिलाते हुए अक्सर बातुनी विक्रेता ग्राहकों से पूछते हैं – कच्चे प्याज के साथ या बिना प्याज के ? – जीभ-झुनझुना देने वाले इस मिश्रण पर कट्टर कोलकातावासी उदारतापूर्वक सरसों का तेल छिड़कते हैं। हालांकि मैं मुंबई की कहीं अधिक जटिल और स्वादिष्ट भेलपुरी के प्रति वफादार हूं, जो स्ट्रीट फूड के मामले में नंबर वन है। तो, संकीर्ण होने में क्या गलत है? क्षमा करें, मैं महाराष्ट्रीयन हूं और इसीलिए भेल जीत गई।
किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (जो पश्चिम बंगाल में चार प्रमुख राजनीतिक रैलियों को संबोधित करने के बाद बहुत भूखे थे), झारग्राम में चाय-नाश्ता के दौरान ढोकला देवड़ी, खांडवी, थेपला जैसे गुज्जू नाश्ते को प्राथमिकता दे रहे थे। लेकिन कोई नहीं! थोड़ी देर बाद ही वह झालमुड़ी स्टॉल के मालिक के पास जाने से पहले कैमरे के सही एंगल का इंतजार करते नजर आते है और फिर प्यार से कहते है, 'भाई, हमें आप का झालमुड़ी खिलाओ' भाई ने तुरंत सहमति दे दी।
जब कुशल स्टॉल मालिक ने पूछा, 'आप प्याज खाते हो? (क्या आप प्याज खाते हैं?) तो समर्थकों ने जमकर खुशी जताई, जिस पर हमारे मजाकिया पीएम ने जवाब दिया, 'हां, खाते हैं, दिमाग नहीं खाता, बस''
वाह ! बहुत बढ़िया। यह क्लिप वायरल हो गई क्योंकि प्रशंसकों ने कहा, 'मोदीजी इतने सुलभ हैं, वह बिल्कुल हमारे जैसे हैं!' झालमुड़ी के एक स्टॉल पर तुरंत संपर्क हुआ, जिसके लिए उन्होंने भुगतान किया। स्मार्ट टच।
लेकिन क्या यह वाकई पहले से तय नहीं था? सहज ही था ? जबकि, कई परतों की सुरक्षा मंजूरी के बिना प्रधानमंत्री के जीवन में ऐसा कुछ भी 'घटित' नहीं होता है। क्या झालमुड़ी बेचने वाला सचमुच एक सामान्य विक्रेता था? या जानबूझ कर तैनात किया गया एक गुप्त रॉ एजेंट, जिसने झालमुड़ी बनाने की कला में महारत हासिल करने में कई सप्ताह बिताए थे?
हाई-स्टेक बंगाल चुनाव : अब जब पीएम ने खुद को 'मोदी सरकार' नाम का सम्माननीय बंगाली घोषित कर दिया है, तो समर्थक उनके मुरीद हुए जा रहे हैं।
इस बीच, एक और प्रतिष्ठित सज्जन – जिनकी दाढ़ी सफेद है, बाल सफेद हो रहे हैं और प्रधानमंत्री की ही तरह सत्तर के दशक के हैं – जमीनी स्तर पर प्रचार अभियान में शांत लेकिन जोरदार वापसी करने में व्यस्त हैं। आपका पुनः स्वागत है, प्रणव रॉय-आपकी बहुत याद आती है। प्रणव एक सम्मानित अनुभवी पत्रकार हैं, जो अपना सर्वश्रेष्ठ काम कर रहे हैं – अपने कान जमीन पर लगाना, स्थानीय लोगों का साक्षात्कार लेना, मतदाताओं के मूड की व्याख्या करना। जिसने 1980 के दशक में दूरदर्शन के लिए चुनाव कवरेज शुरू करते समय भारत को एक नए शब्द – चुनाव विज्ञान – से परिचित कराया था। एक अर्थशास्त्री के रूप में, रॉय ने भारतीय मतदाताओं को कुछ ऐसा दिया जिससे वे पूरी तरह से अपरिचित थे-डेटा-संचालित चुनाव विश्लेषण। 1988 में, उन्होंने अपनी पत्नी, राधिका के साथ एनडीटीवी की स्थापना की और साथ में उन्होंने एक प्रमुख समाचार नेटवर्क बनाया जिसने मीडिया व्यावसायिकता के लिए एक मानदंड स्थापित किया।
खैर, अब जब एनडीटीवी अब रॉय परिवार का नहीं है (इसका स्वामित्व गौतम अडानी के पास है), तो यह पूरी तरह से एक अलग कहानी है। सत्तानशीनों से परेशान और भयभीत, रॉय दंपत्ति पुराने सीबीआई मामलों से संबंधित अपने खिलाफ एलओसी (लुक आउट सर्कुलर) की बदनामी के साथ जी रहे थे। हाल ही में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2024 की क्लोजर रिपोर्ट के बाद एलओसी को रद्द कर दिया, जिससे रॉय को अपने डिजिटल चैनल डीकोडर के लिए अपने मोबाइल फोन पर नागरिकों का साक्षात्कार लेने का मौका मिला ।
इस सब के बीच, टीएमसी प्रवक्ता और सांसद सागरिका घोष को सुनना अच्छा लगता है क्योंकि वह नरेंद्र मोदी की भीड़ को लुभाने वाली रणनीति पर अपना गुस्सा व्यक्त करती हैं – पीएम पर बांग्ला विरोधी होने का आरोप लगाते हुए, जो कि 'गहरी परंपरा' के साथ एक समृद्ध संस्कृति पर 'अपमान' का आरोप लगाते हैं, जिसके बारे में वह कुछ भी नहीं जानते हैं।
बहरहाल, सभी की निगाहें पश्चिम बंगाल के नाटकीय और अक्सर क्रूर चुनावों पर हैं, जहां दीदी के अस्तित्व के अलावा बहुत कुछ दांव पर है।

रंगीन दौर मे ब्लैक एंड व्हाइट बनाई गई थी फिल्म खामोशी

इस फिल्म के 57 साल पूरे हो गए। ये फिल्म असित सेन ने डायरेक्ट की थी। खामोशी भी इतनी शानदार फिल्म बनी है।इस फिल्म के बारे मे एक और बड़ी रोचक बात है जो ज्यादातर लोग नहीं जानते। वो यह कि इस फिल्म में धर्मेंद्र होकर भी नहीं थे। जी हां, इस फिल्म में धर्मेंद्र ने काम किया है। लेकिन वो आपको आसानी से इस फिल्म में दिखाई नहीं देंगे। फिल्म में एक गीत है जिसके बोल हैं 'तुम पुकार लो तुम्हार इंतज़ार है।' उसमें धर्मेंद्र जी का साइड पोज़ नज़र आता है। और कोई सीन धरम जी का इस फिल्म में नहीं है। वैसे, फिल्म के क्रेडिट्स में धरम जी का नाम जरूर दिया गया है।
अगर आप ये फिल्म देखेंगे तो नोटिस करेंगे कि ये फिल्म ब्लैक एंड व्हाइट है। जबकी उस वक्त तक कलर फिल्में शूट करने की टैक्नोलोजी आ चुकी थी। तो फिर इसे क्यों ब्लैक एंड व्हाइट में शूट किया गया? ज़ाहिर है ये सवाल आपके मन में उठ रहा होगा। तो इसका जवाब ये है कि फिल्म की हीरोइन वहीदा रहमान ने डायरेक्टर असित सेन को सलाह दी थी कि इस फिल्म की कहानी के मुताबिक जिस तरह के शेड्स और लाइट्स चाहिए, उस हिसाब से तो इसे ब्लैक एंड व्हाइट में फिल्माया जाना चाहिए। असित सेन को भी वहीदा रहमान का ये आईडिया पसंद आया। और इस तरह खामोशी ब्लैक एंड व्हाइट में शूट हुई।
इस फिल्म का संगीत तैयार किया था हेमंत कुमार जी ने। और सभी गीत लिखे थे गुलज़ार साहब ने। इस फिल्म का गीत 'हमने देखी है इन आंखों की महकती खुशबू' बहुत पसंद किया गया था। ये गीत लता जी ने गाया था। फिल्म के मुख्य कलाकारों की बात करें तो नज़ीर हुसैन, ललिता पवार, इफ्तेख़ार, अनवल, स्नेहलता और देवेन वर्मा इस फिल्म में अहम भूमिकाओं में नज़र आए हैं। वहीदा रहमान जी को इस फिल्म में उनके शानदार काम के लिए फिल्मफेयर बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड का नॉमिनेशन मिला था। उस साल खिलौना फिल्म के लिए मुमताज़ को बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड मिला था। यूं तो उसी साल राजेश खन्ना को भी बेस्ट एक्टर अवॉर्ड दिया गया था। लेकिन खामोशी के लिए नहीं, बल्कि सच्चा झूठा के लिए। हालांकि खामोशी की सिनेमैटोग्राफी के लिए कमल बोस जी को फिल्मफेयर बेस्ट सिनेमैटोग्राफी अवॉर्ड ज़रूर दिया गया था।
डायरेक्टर असित सेन चाहते थे कि वो इस फिल्म में देवानंद को कास्ट करें। लेकिन वहीदा रहमान नए लड़के राजेश खन्ना की काफी तारीफें सुन रही थी। उन्होंने असित सेन से गुज़ारिश कि राजेश खन्ना को इस फिल्म में कास्ट किया जाए। असित सेन जी ने वहीदा रहमान की बात मान ली। जबकी उस वक्त तक राजेश खन्ना की फिल्में बहुत अच्छा परफॉर्म नहीं कर रही थी। बस यही से राजेश खन्ना को लोगों ने नोटिस करना शुरू कर दिया। खामोशी ने राजेश खन्ना को एक संजीदा अभिनेता के रूप मे पहचान दिलाई ।

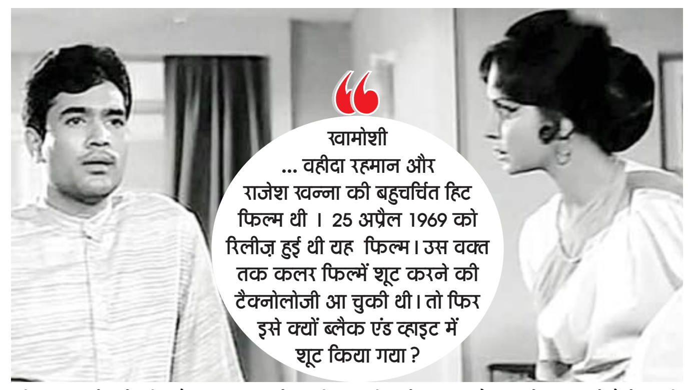

“ खामोशी
... वहीदा रहमान और राजेश खन्ना की बहुचर्चित हिट फिल्म थी । 25 अप्रैल 1969 को रिलीज़ हुई थी यह फिल्म। उस वक्त तक कलर फिल्में शूट करने की टैक्नोलोजी आ चुकी थी। तो फिर इसे क्यों ब्लैक एंड व्हाइट में शूट किया गया?

कोशिकाओं में छिपा लंबी जिंदगी का रहस्य

• डाना जी स्मिथ •

पिछली गर्मियों में एक मशहूर व्यक्ति ने कहा था कि वह किसी व्यक्ति को देखकर बता सकते हैं कि उसे माइटोकॉन्ड्रिया संबंधी समस्याएं हैं। लंबी उम्र के लिए बाजार में उपलब्ध कई सप्लीमेंट्स के बारे में कहा जाता है कि वे माइटोकॉन्ड्रिया को बेहतर बनाते हैं। माइटोकॉन्ड्रिया का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिक इससे हैरान होने के साथ उत्साहित भी हैं। आखिर माइटोकॉन्ड्रिया है क्या और क्या सचमुच उन्हें स्वस्थ बनाना और इस प्रक्रिया में अपनी जीवन-अवधि बढ़ाना संभव है?
दरअसल, माइटोकॉन्ड्रिया कोशिका के शक्तिगृह (पावर हाउस) होते हैं। वे खाए गए भोजन को एडेनोसिन ट्राइफॉस्फेट (एटीपी) में बदलते हैं, जो कोशिकीय ऊर्जा का प्राथमिक रूप है। वैज्ञानिकों के अनुसार, माइटोकॉन्ड्रिया शरीर की दूसरी बुनियादी प्रक्रियाओं में भी शामिल होते हैं और प्रतिरक्षा तंत्र (इम्यून सिस्टम) के कामकाज में मदद करते हैं। ये ऐसे पेप्टाइड बनाते हैं, जो अंगों के बीच संदेश पहुंचाते हैं, और कोशिकाओं की साफ-सफाई के लिए भी जरूरी होते हैं।
उम्र बढ़ने के साथ, हमारी कोशिकाओं में माइटोकॉन्ड्रिया की संख्या और कार्यक्षमता कम होती जाती है। इसकी वजह यह है कि ऊर्जा बनाने की प्रक्रिया के दौरान, माइटोकॉन्ड्रिया एक विषैला सह-उत्पाद बनाते हैं, जिसे 'रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज' (आरओएस) कहा जाता है। यह माइटोकॉन्ड्रिया और कोशिका के अन्य हिस्सों को नुकसान पहुंचा सकता है। उम्र बढ़ने के साथ आरओएस बनने की मात्रा भी बढ़ती जाती है। साथ ही, कोशिका का रीसाइक्लिंग सिस्टम (जो आरओएस से होने वाले नुकसान को ठीक करता और उसे हटाता है) कम असरदार हो जाता है।

“ माइटोकॉन्ड्रिया को कोशिकाओं का पावर हाउस यों ही नहीं कहा जाता। यह जागते और सोते वक्त भी हमारे शरीर को स्वस्थ बनाए रखने की जंग लड़ता रहता है। पर्याप्त नींद माइटोकॉन्ड्रिया की सफाई के लिए बेहद जरूरी है, क्योंकि सोते वक्त ही माइटोकॉन्ड्रिया क्षतिग्रस्त हुए हिस्से को हटा पाते हैं।

व्यवहार का असर माइटोकॉन्ड्रिया पर

विशेषज्ञों का कहना है कि आपका व्यवहार माइटोकॉन्ड्रिया और आपकी सेहत पर असर डालता है। कसरत करने से माइटोकॉन्ड्रिया का काम बेहतर होता है। आहार भी इसमें एक प्रमुख कारक है, क्योंकि हम जो खाना खाते हैं, वह एटीपी में बदल जाता है। इसलिए, फाइबर से भरपूर कार्बोहाइड्रेट और अच्छी गुणवत्ता वाले वसायुक्त आहार को प्राथमिकता दें-जैसे फलियां, साबुत अनाज, एवोकैडो और मछली आदि। कुछ सूक्ष्म पोषक तत्व, विशेष रूप से विटामिन बी और एंटीऑक्सीडेंट भी महत्वपूर्ण हैं। पर्याप्त नींद (रात में सात से आठ घंटे) माइटोकॉन्ड्रिया की सफाई के लिए बेहद जरूरी है, क्योंकि सोते वक्त ही माइटोकॉन्ड्रिया क्षतिग्रस्त हुए हिस्से को हटा पाते हैं।

क्या बॉलीवुड के 'राम' शम्बूक को नजरअंदाज कर रहे हैं ?

“ ब्राह्मणों की रक्षा करने के लिए राम की प्रशंसा की जाती है। राजा का कर्तव्य धर्म की रक्षा करना है, और धर्म वर्ण व्यवस्था से निकटता से जुड़ा हुआ है।

• देवदत्त पटनायक •

लगभग 2000 साल पहले रामायण और महाभारत का अंतिम लेखन पूर्ण हुआ था । ठीक उसी समय जब धर्म-शास्त्र को आकार दिया जा रहा था। महाभारत के अंदर एक रामायण है, जिसे रामोपाख्यान के नाम से जाना जाता है, जिसे मार्कंडेय ऋषि ने पांडवों को सुनाया था। इस कहानी में ब्राह्मण शिक्षकों की भूमिका सीमित है। राम की यह कहानी एक राजा और योद्धा के रूप में अधिक केंद्रित है, ब्राह्मणवादी व्यवस्था के रक्षक के रूप में कम।
लेकिन इसके कुछ समय बाद रचित वाल्मिकी रामायण में ब्राह्मण केंद्र में हैं। राम का जीवन ऋषियों द्वारा आकार दिया गया है: विश्वामित्र उन्हें अयोध्या से जंगल में ले जाते हैं, वशिष्ठ शाही पुजारी हैं, अगस्त्य उन्हें दिव्य हथियार प्रदान करते हैं, गौतम और अत्रि महाकाव्य के परिदृश्य में दिखाई देते हैं। ब्राह्मणों की रक्षा करने और उनकी जीवनशैली को कायम रखने के लिए राम की बार-बार प्रशंसा की जाती है। राजा का कर्तव्य धर्म की रक्षा करना है, और धर्म वर्ण व्यवस्था से निकटता से जुड़ा हुआ है।
सबसे अधिक परेशान करने वाला प्रसंग अंतिम ग्रंथ उत्तर रामायण में आता है। एक ब्राह्मण दुःखी होकर राम के पास आता है। उनके जवान बेटे की असामयिक मृत्यु हो गई है. वे कहते हैं, ऐसी मृत्यु तभी हो सकती है जब धर्म का उल्लंघन हो। एक राजा ब्रह्मांडीय व्यवस्था के लिए जिम्मेदार होता है। यदि कुछ अप्राकृतिक घटित हुआ है तो दोष शासक का है।
नारद ने राम को सूचित किया कि इसका कारण शम्बूक नाम का एक शूद्र है जो तपस्या कर रहा है। वर्ण आश्रम व्यवस्था में कहा जाता है कि कठोर तपस्या करना ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य का ही अधिकार है। यहाँ एक शूद्र संन्यासी बनने का प्रयास कर रहा है, वह सीमाएं लांघ रहा है। शूद्र के तप करने से व्यवस्था भंग हो सकती है।

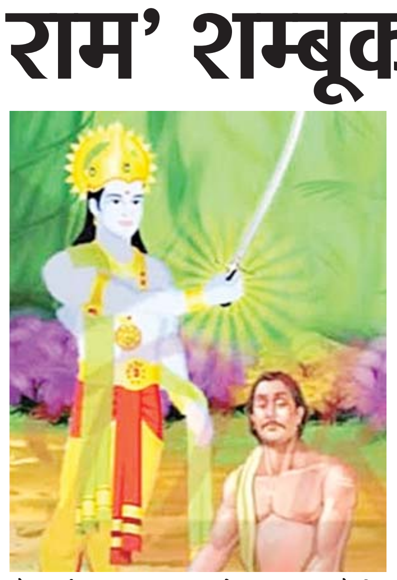

हमें भगवद गीता की पंक्तियाँ याद आती हैं जिनमें कहा गया है कि दूसरे के कर्तव्य को अच्छी तरह से निभाने की तुलना में अपने स्वयं के कर्तव्य को अपूर्णता से निभाना बेहतर है।
राम जंगल में जाते हैं, शम्बूक को तपस्या करते हुए पाते हैं और उसका सिर काट देते हैं। उसी क्षण, मृत ब्राह्मण लड़का जीवित हो उठता है। इस हिंसा से ब्रह्मांडीय संतुलन बहाल होता है। संदेश स्पष्ट है: सामाजिक वर्ण व्यवस्था ब्रह्मांड को कायम रखती है।
जैन कवि विमलसूरी ने अपने पौमचरिया (300 ई.पू.) में कहानी को एक नया रूप दिया है। इसमे बताया गया है कि शम्बूक शूर्पणखा का पुत्र है। वह रावण को मारने के लिए विशेष शक्तिशाली तलवार प्राप्त करने के लिए तपस्या कर रहा है। लक्ष्मण को तलवार मिल जाती है, वह उसे लापरवाही से घुमाते हैं और गलती से शम्बूक को मार देते हैं। राम सीधे तौर पर जिम्मेदार नहीं हैं. जैन संस्करण मे इस विचार को स्थान नहीं दिया गया कि जाति का उल्लंघन ब्रह्मांडीय अव्यवस्था का कारण बनता है। मूल कहानी संस्कृत साहित्य में भी कायम है। लगभग 400 ई.पू. में रचित कालिदास के रघुवंश में, इस प्रसंग को दोबारा बताया गया है, धर्म-शास्त्र के अनुसार, जब कोई राजा किसी व्यक्ति पर प्रहार करता है, तो वह शुद्ध हो जाता है और स्वर्ग चला जाता है।
भवभूति के 8वीं शताब्दी के नाटक उत्तर रामचरित में कहानी अधिक परतों वाली हो जाती है। राम शंबूक की तलाश में जंगल में भटकते हैं। यह वही जंगल है जहां निर्वासित और गर्भवती सीता, वाल्मिकी के आश्रम में रहती हैं। सिर काटे जाने के बाद, शम्बूक एक दिव्य प्राणी के रूप में फिर से प्रकट होता है जो परिष्कृत संस्कृत बोलता है। वह राम और सीता के भावनात्मक पुनर्मिलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता हैं। यहाँ फिर से, मृत्यु आध्यात्मिक उत्थान में बदल जाती है।
पिछले हज़ार वर्षों में रचित कई क्षेत्रीय रामायणों में, इसे या तो सौम्य कर दिया गया है, या छोड़ दिया गया है, जैसा कि कंबन (1200 ईस्वी) और तुलसीदास (1500 ईस्वी) की रचनाओं में है। लोकरुचि अक्सर अधिक दयालु राम को पसंद करती हैं। 16वीं शताब्दी तक, आनंद रामायण में, कथा भक्ति धर्मशास्त्र में स्थानांतरित हो गई। शम्बूक का तर्क है कि वह मुक्ति चाहता है। राम ने उत्तर दिया कि आने वाले युग में मुक्ति जाति कर्तव्य पर निर्भर नहीं होगी। राम का नाम जपने से शूद्रों को भी मोक्ष मिल जायेगा। नागपुर के पास रामटेक में इसी प्रसंग से जुड़ा एक शिव मंदिर है। ऐसा कहा जाता है कि मारे जाने के बाद शम्बूक एक लिंग बन गया, जिसे धुएँ का देवता धूमेश्वर कहा गया। राम मंदिर के लिए पहाड़ी पर चढ़ने से पहले तीर्थयात्री पारंपरिक रूप से इस मंदिर के दर्शन करते हैं। आधुनिक लेखक सिनेमाई कहानियों मे शम्बूक प्रकरण से बचते हैं। टेलीविजन और सिनेमा पर रामायणों ने परंपरागत रूप से इस कहानी को नजरअंदाज कर दिया है। हालाँकि, कई प्रयासों के बावजूद, शम्बूक ने अनदेखा, अनसुना रहने से इंकार कर दिया। उनकी कहानी ख़त्म नहीं होगी, किसी न किसी रूप मे सामने आती रहेगी।

डेढ़ लाख के क्लब से 'राजाभोज' बाहर पिछले साल से 11 हजार यात्री कम

एयरपोर्ट पर कम दर्ज किए जा रहे प्रतिदिन 80 से 100 यात्री

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। ईरान के इजराइल एवं अमेरिका के साथ युद्ध के चलते न केवल पेट्रोलियम पदार्थों सहित हर चीज के मामले में भारत के लोगों को जूझना पड़ रहा है, और दो दिन पूर्व ही व्यवसायिक रसाई गैस के दाम एक हजार बढ़ा दिए जाने से चारों तरफ कोटल एवं ढाबा मालिकों से लेकर ठेलों पर चाय बनाने वालों में हाहाकार मचा है, वही युद्ध के काले बादल एयरपार्ट की यात्री संख्या को भी बुरी तरह से प्रभावित कर रहे हैं। मार्च की तरह अप्रैल में भी राजा भोज एयरपोर्ट 1.50 लाख सदस्यता वाले क्लब से बाहर ही रहा। मार्च 2025 में जहां यात्रियों का आवागमन 150571 तक जा पहुंचा था, वहीं मार्च 2026 यह संख्या घटकर 143621 पर ठहर गई अगर बात की जाए अप्रैल 2026 की तो मार्च की तुलना में लगभग 11 हजार यात्री कम रिकार्ड किए गए। अप्रैल माह के जारी आंकड़ो के अनुसार इस दौरान केवल 130024 यात्रियों का ही आवागमन हुआ। अप्रैल 26 में आने वाले यात्रियों की संख्या 66178 एवं जाने वाले यात्रियों का आंकड़ा 63846 रिकार्ड किया गया। इस तरह अप्रैल 26 ने मार्च 26 से भी अधिक निराश किया। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार भोपाल से विदेशों को जाने वाले प्रतिदिन यात्रियों की संख्या 80 से 100 रिकार्ड की जाती रही है, लेकिन 28 फरवरी से ईरान के इजराइल और अमेरिका से युद्ध के चलते लोगों ने विदेश जाना एक प्रकार से छोड ही दिया है। जिन यात्रियों की दिसम्बर 26 से लेकर फरवरी 26 तक अबुधाबी, दुबई, शारजहां, मस्कत आदि मुल्कों के लिए एडवासं बुकिंग थी, 28 फरवरी को युद्ध शुरू होते ही उन्होंने भी अपनी टिकिट रद्द करवा ली, जिसका यात्रियों की आवागमन संख्या पर बहुत ही बुरा असर पड़ा है। वर्तमान में भोपाल से देश के प्रमुख शहरों के लिए बेहतर हवाई संपर्क उपलब्ध है। एयरपोर्ट से प्रतिदिन लगभग 34 से 36 निर्धारित उड़ान संचालन है जिसमें दिल्ली 6 से 7, मुम्बई 4, बैंगलुरू 2, हैदराबाद 2 के अलावा रायपुर पुणे, अहमदाबाद के लिए प्रतिदिन एक एक उड़ान संचालित की जा रही है। यहां डिजी यात्रा सुविधा सफलतापूर्वक संचालित हो रही है, जिसमें लगभग 30 प्रतिशत यात्रियों द्वारा फेस.आधारित निर्बाध यात्रा सुविधा का उपयोग किया जा रहा है। जिससे यात्रियों को तेज, सुरक्षित एवं संपर्क रहित अनुभव प्राप्त हो रहा है। एयरपोर्ट प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधाए बेहतर कनेक्टिविटी तथा सुव्यवस्थित संचालन के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। यह वृद्धि क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के सुदृढ़ होने तथा यात्रियों की बढती मांग को दर्शाती है। एयरपोर्ट प्रबंधन भविष्य में भी यात्रियों को सुरक्षित सुविधाजनक सेवाएं प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है।

बंद हो गई गोवा उड़ान

इधर एक तरफ तो ईरान इजराइल व अमेरिका के साथ युद्ध उस पर पिछले साल की तरह इस बार भी विंटर सीजन में भोपाल से गोवा के लिए जो उड़ान प्रारंभ की गई थी, उस पर 28 मार्च को ब्रेक लग गया। हालांकि लोगों ने इसका खूब विरोध किया लेकिन इंडिगो की कान पर जूं तक नहीं रेंगी। जानकारी के अनुसार भोपाल एवं गोवा के बीच इंडिगो एयर बस चला रहा था और उसमें प्रति दिन 350 से लेकर 400 यात्रियों का आवागमन हो रहा था। इस तरह अप्रैल माह में प्रतिदिन का लगभग 400 यात्रियों का भी नुकसान हुआ, जिस कारण भी राजा भोज एयरपोर्ट 1.50 लाख सदस्यता क्लब से दूर ही रहा है। इधर एयरपोर्ट की जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि राजा भोज एयरपोर्ट में यात्री आवागमन में निरंतर वृद्धि दर्ज की जा रही है। अप्रैल 2026 के दौरान एयरपोर्ट ने वृद्धि के साथ बेहतर परिचालन प्रदर्शन किया है। एक से लेकर 30 अप्रैल तक कुल 512 उड़ाने रही, कुल प्रस्थान 511 का रहा। 70541 आगमन एवं प्रस्थान 67519 रिकार्ड किया गया। एयरपोर्ट अर्थारिटी का कहना है कि अप्रैल 2026 में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग 6 हजार की वृद्धि दर्ज की गई है।

"हां यह सही है कि ईरान के इजराइल तथा अमेरिका युद्ध का असर यात्रियों की संख्या पर भी पड़ा है। भोपाल से प्रतिदिन जो 80 से 100 यात्री विदेश जाते थे, उन पर ब्रेक लग गया है।

- रामजी अवस्थी, एयरपोर्ट डायरेक्टर

अस्वस्थ मनुष्य कुछ भी नहीं कर सकता है: संत सिद्व भाऊ

दस दिवसीय प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का समापन

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग संस्थान की तरफ से आरोग्य केन्द्र में आयोजित दस दिवसीय प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग शिविर का समापन हुआ। इस अवसर पर सत सिद्ध भाऊ ने कहा कि अस्वस्थ मनुष्य किसी काम का नहीं होता, वह कुछकाम नहीं कर सकता इसलिए हमेशा स्वस्थ रहना ही असल जीवन है और इसके लिए जरूरी है कि प्राकृतिक नियमों का पालन किया जाए और प्राकृतिक चिकित्सा ली जाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. गुलाब टेवानी की विशेष उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में संत सिद्ध भाऊ ने साधकों से कहा कि आप लोगों को जीवन जीने का सही रास्ता मिला है। पहला सुख निरोगी काया बड़े भाग्यशाली है जो सब को जीवन जीने की कला सिखाते है। इस दुर्बल मनुष्य जीवन का लाभ हमे तब मिलेगा जब हम स्वस्थ होगें स्वस्थ आदमी सब कर सकता है। और इसी तरह हमेशा के लिए स्वस्थ रहे, उत्साह बना रहे, और आनंद में रहे। प्रभू स्मरण भी आप तभी कर पाएंगे जब आपका शरीर स्वस्थ होगा।

88 साधक आए

इस मौके पर डा. गुलाब टेवानी ने बताया कि इस शिविर में देशभर से 88 साधकों ने न केवल प्राकृतिक चिकित्सा का लाभ लिया बल्कि उसका प्रशिक्षण भी उन्हें दिया गया ताकि जरूरत पड़ने पर वे दूसरों को भी इसका लाभ दें। प्रभु परमात्मा ने मौका दिया है कि हम सब स्वास्थय का खजाना लूट सके और सब को अच्छे से अच्छा स्वास्थय चिकित्सा दिया जाए। प्राकृतिक तरीके से हमारे जो भारतीय चिकित्सा पद्धति है उसके माध्यम से कैसे हम पूर्णतः स्वास्थय रहे वो स्वस्थ जीवन जीने की कला आपको यहां सीखाई जाती है। यहां डायबिटीज, हायपोथायरायडिज्म, कब्ज, ऑस्टियोआर्थराइट्सि, हाइपरटेशन, मोटापा, पॉजीटिव प्रमोशन इन हेल्थ, गैस्ट्राइटिस, इनसोमनिया, माइग्रेन, हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया, अस्थमा, लम्बर स्पॉन्डिलाइटिस, साइटिका, फोजन शोल्डर से चिकित्सा की गई। इसके अ लावा प्रातः जागरण एवं नित्यकर्म, नियमित योगाभ्यास, यौगिक क्रियाएँ, प्रातः कालीन व सायंकालीन व्याख्यान सत्र एवं शंका समाधान, प्राकृतिक चिकित्सा, प्राकृतिक आहार, ध्यानात्मक क्रियाएँ एवं आनंद मेला भी लगा। डा. लता टेवानी ने आभार माना।

भाभा यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

भोपाल। भाभा यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने राज्यस्तरीय आयोजन अभ्युदय भारत 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम गौरवान्वित किया। यह कार्यक्रम एलएनसीटी यूनिवर्सिटी द्वारा मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। प्रदेश की 56 निजी विश्वविद्यालयों में से 19 विश्वविद्यालयों की भागीदारी वाले इस आयोजन में भाभा यूनिवर्सिटी ने दो प्रमुख श्रेणियों में द्वितीय उपविजेता रहे। विद्यार्थियों ने नाटक प्रतियोगिता (विषय- नशा मुक्ति एवं पारिवारिक मूल्य) एवं चित्रकला प्रतियोगिता (विषय- स्वदेशी) में प्रभावशाली प्रस्तुति देकर निर्णायकों और दर्शकों को प्रभावित किया। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से सामाजिक संदेशों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया, जो उनकी प्रतिभा एवं सामाजिक जागरूकता को दर्शाता है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी विजेताओं, प्रतिभागियों एवं मार्गदर्शक शिक्षकों को इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

मंडीदीप में तेज आंधी और बारिश से राहत भी, परेशानी भी

मंडीदीप। नगर में शनिवार दोपहर मौसम ने अचानक करवट ली और तेज हवाओं के साथ जोरदार बारिश ने पूरे शहर का माहौल बदल दिया। भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को जहां इस बेमौसम बारिश ने राहत दी, वहीं शहर के कई हिस्सों में जलभराव और अव्यवस्था ने जनजीवन प्रभावित कर दिया। दोपहर तक तेज धूप और चिपचिपी गर्मी से लोग बेहाल थे, लेकिन कुछ ही देर में आसमान पर काले बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश इतनी तेज थी कि मुख्य सड़कों, बाजार क्षेत्रों और निचले इलाकों में पानी जमा हो गया। कई दुकानों के सामने पानी भरने लगा, जबकि कुछ दुकानों के भीतर भी पानी पहुंच गया। व्यापारियों को जल्दबाजी में बाहर रखा सामान समेटना पड़ा। सबसे च्यादा असर गेहूं खरीदी केंद्रों पर देखने को मिला। खुले मैदानों और अस्थायी तुलाई केंद्रों पर रखा गेहूं अचानक हुई बारिश की चपेट में आ गया। बारिश शुरू होते ही किसानों, हम्मालों और व्यापारियों के बीच अनाज को बचाने की होड़ मच गई। कई जगह तुलाई का काम तत्काल रोकना पड़ा। यदि भीगा हुआ गेहूं समय पर सुरक्षित नहीं किया गया तो किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। बारिश के साथ तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों ने कुछ राहत महसूस की। इस अचानक बदलाव ने स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। सिविल अस्पताल प्रभारी डॉ. शलभ तिवारी ने नागरिकों से सावधानी बरतने, धूप और उमस से बचने तथा पर्याप्त पानी पीने की अपील की है।

धाकड़ संघ अध्यक्ष को मातृशोक

जागरण औबेदुल्लागंज। अखिल भारतीय श्री धाकड़ युवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष रजनीश पटेल की पूज्य माताजी फूलवती नागर के इकलामा के निधन से समाजजनों में शोक व्याप्त है उनकी अंत्येष्टि शनिवार को इकलामा विश्राम घाट पर धार्मिक रीती रिवाज से संपन्न हुई। इस दुःखद अवसर पर समाज के वरिष्ठजन विजय धाकड़, नारायण सिंह पटेल, कालूराम मोहन पटेल, गौरीशंकर नागर, परेश नागर, भूपेंद्र नागर, संजीव नागर (तामोट) सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

SUDOKU 24

	2			4			1	
3		1	6		9	5		8
	8			7			3	
			4		3			
	7						4	3
4		3	8					9
	3			8		7	9	
8			7		5			4
	6			9		3		

SOLUTIONS 23

2	6	3	8	1	5	4	9	7
1	4	9	3	6	7	8	5	2
5	8	7	2	9	4	1	3	6
7	2	4	1	3	8	5	6	9
3	5	8	6	4	9	7	2	1
9	1	6	7	5	2	3	4	8
6	3	2	5	8	1	9	7	4
4	7	1	9	2	3	6	8	5
8	9	5	4	7	6	2	1	3

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज किस्मत आपके साथ खड़ी है, बस आपको कदम बढ़ाना है। व्यापार में सफलता के संकेत साफ दिख रहे हैं और नौकरी वालों के लिए प्रमोशन की चर्चा हवा में है।

वृषभ : ननिहाल पक्ष से धन लाभ आपके चेहरे पर मुस्कान लाएगा। रुके हुए सरकारी काम भी अब गति पकड़ेंगे प्रतिष्ठा और मान-सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन : नई शुरुआत का संकेत है। लेकिन जल्दबाजी नहीं, समझदारी जरूरी है। परिवार के साथ खास पल बिताने का मौका मिलेगा।

कर्क : दिन सामान्य है, लेकिन अपनों का साथ इसे खास बना देगा। कानूनी मामलों में थोड़ा सतर्क रहें। लापरवाही भारी पड़ सकती है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

सिंह : आज आपका दिन चमकने वाला है। नए लोगों से मुलाकात आपके लिए नए रास्ते खोल सकती है। परिवार और दोस्तों का पूरा साथ मिलेगा। कला और हुनर में निखार आएगा।

कन्या : आपकी मीठी वाणी आज आपका सबसे बड़ा हथियार बनेगी। लोग खुद-ब-खुद आपकी ओर आकर्षित होंगे। छात्रों के लिए दिन शानदार है।

तुला : आज पैसा और आत्मविश्वास दोनों आपके साथ हैं। रचनात्मकता आपको नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है। पार्टनरशिप वाले काम में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक : आज आपका आकर्षण लोगों को आपकी ओर खींचेगा। मेहनत का पूरा फल मिलेगा और मन की चिंता भी दूर होगी। लेकिन पिताजी की सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी जरूरी है।

धनु : आज का दिन मिलाजुला है। कुछ खुशी, कुछ सीख। पुराने निवेश से फायदा मिलेगा और संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी।

मकर : दोस्तों के साथ अच्छा समय बीतेगा और दिल की कोई इच्छा पूरी हो सकती है। रुके हुए कामों पर ध्यान देने का समय है।

कुंभ : नई नौकरी या नया अवसर आपके दरवाजे पर दस्तक दे सकता है। आप अपने बॉस का दिल जीतने में सफल रहेंगे।

मीन : आज गुस्से पर काबू रखना ही आपकी सबसे बड़ी जीत है। वाणी में संयम रखें, वरना बात बिगड़ सकती है। मेहनत का फल जरूर मिलेगा, लेकिन धैर्य जरूरी है।

आज का पंचांग: 03 मई रविवार 2026। **दिशाशूल :** पश्चिम दिशा में रहेगा। **विशेष :** देवर्षि नारद जयंती। उत्तरगोल, वसंत ऋतु ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष की द्वितीया 27 घंटे 03 मिनट तक, तत्पश्चात तृतीया, विशाखा नक्षत्र 07 घंटे 10 मिनट तक तत्पश्चात अनुराधा नक्षत्र, वरियान योग 22 घंटे 28 मिनट तक, तत्पश्चात परिघ योग, वृश्चिक में चंद्रमा। **राहुकाल :** शाम 05:18 से 06:57 बजे तक।

चिरायु के सहयोग से निःशुल्क मेडीकल शिविर आज

डॉ. अजय गोयनका और सुखदेव शाण्डिल्य महाराज होंगे शामिल

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। चिरायु हास्पीटल एवं मेडीकल कालेज के सहयोग से ईदगा हिल्स के प्रभुनगर स्थिति सिंधी कम्युनिटी हाल में रविवार को सुबह 9.30 से 1.30 बजे तक विशाल मेगा मेडीकल कैम्प का आयोजन किया गया है। इसमें चिरायु मेडकल कालेज एवं चिरायु अस्पताल के अनेक विभिन्न बीमारियों के विशेषज्ञ अपनी सेवाएं देने के लिए वहां मौजूद रहेंगे। चिरायु अस्पताल के प्रबंध संचालक डा. अजय गोयनिका खुद यहां पहुंच कर आने वाले मरीजों को किस तरह से शिविर का लाभ मिल सके, इसके लिए डाक्टरों को दिशा निर्देश प्रदान करेंगे। चिरायु मेडीकल कालेज के प्रोफेसर डा. सुरेश भंभानी ने बताया कि यह शिविर चिरायु अस्पताल के सहयोग से जाने माने समाज सेवी स्व. जेठानंद लालचंदानी की स्मृति में लगाया जा रहा है।

डा. अजय गोयनका

इन बीमारियों की जांच: डा. सुरेश भंभानी ने बताया कि शिविर में मेडीसर कैंसर रोग, ह्रदय रोग, हड्डी रोग टेस्ट टयूब विधि द्वारा किस तरह से बच्चा पैदा किया जा सकता है, स्त्रियों में पाए जाने वाले विभिन्न रोगों, छाती एवं श्वासं रोग, नाक, कान गला रोग, शिशुओं में पाई जाने वाली हर प्रकार की बीमारी, आंखों की विभिन्न बीमारियां, चर्म रोग के अलावा दांतों की बीमारियों की जांच व इलाज किया जाएगा। इसके साथ ही पेट रोग, किडनी एवं मूल रोग, मधुमेह आदि के लिए ईसीजी, सोनोग्राफी, पीएफटी आदि की सुविधा भी मरीजों को पूरी तरह से निःशुल्क प्रदान की जाएगी। शिविर का अवलोकन करने एवं इलाज कराने वालों को आशीर्वाद देने के लिए से सुदेश शाण्डिल्य जी महाराज उपस्थित होंगे। डॉ अजय गोयनिका एवं डा. सुरेश भंभानी के अलावा समाज सेवी जयकिशन लालचंदानी ने सभी जरूरतमंद रोगियों से लाभ उठाने की अपील की है।

कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ श्री राम-जानकी प्राण-प्रतिष्ठा महायज्ञ

जागरण, कलारा। ग्राम जूनापानी में आयोजित सप्त दिवसीय श्री राम-जानकी प्राण-प्रतिष्ठा महायज्ञ एवं श्रीराम कथा का शनिवार को भव्य कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चारण और विधि-विधानपूर्वक कलश पूजन के साथ हुई। 101 कलशों का पूजन विद्वान पंडितों द्वारा कराया गया। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। सुबह 10 बजे यज्ञ स्थल से निकली यात्रा पूरे ग्राम में भ्रमण करते हुए पुनः यज्ञ स्थल पहुंची। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा लगाए गए जय श्रीराम के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। आचार्यगणों द्वारा विधिवत पूजन एवं मंत्रोच्चार के साथ कलशों की स्थापना यज्ञ मंडप में कराई गई। पंडित राधेश्याम शास्त्री ने बताया कि यज्ञ में हवन, पूजन और परिक्रमा करने से श्रद्धालुओं के सभी मनोरथ पूर्ण होते हैं तथा क्षेत्र में सुख-समृद्धि बनी रहती है। ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और जनकल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है।

बैरसिया में परीक्षा केंद्र बनाने की मांग तेज

जागरण, कलारा। हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी द्वितीय परीक्षा 2026 के लिए परीक्षा केंद्र बैरसिया में बनाए जाने की मांग को लेकर प्रायवेट स्कूल एसोसियेशन, जिला भोपाल ग्रामीण के प्रतिनिधिमंडल ने बैरसिया विधायक विष्णु खत्री से भेंट कर विद्यार्थियों की समस्याओं से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि बैरसिया विकासखंड के लगभग 20 निजी विद्यालयों के कुल 1628 छात्र-छात्राओं को हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी द्वितीय परीक्षा में शामिल होने के लिए 50 से 60 किलोमीटर दूर भोपाल जाना पड़ रहा है। इतनी लंबी दूरी तय करने से विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को आर्थिक बोझ, समय की बर्बादी तथा आवागमन संबंधी कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए यह स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि परीक्षा जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर लंबी दूरी तय करने से विद्यार्थियों के मानसिक तनाव में भी वृद्धि होती है, जिसका सीधा असर उनके प्रदर्शन पर पड़ सकता है।

फंदा में विशाल भंडारे के साथ महायज्ञ का समापन

खजूरी सड़क। भोपाल सीहोर रोड पर स्थित ग्राम फंदा कला के प्रसिद्ध प्राचीन श्री हरिहर मठ के जीर्णोद्धार के उपरांत नवनिर्मित भव्य मंदिर में गादी स्थापना के अवसर पर विश्व कल्याण अर्थ 51 कुण्डीय श्री हरिहर महायज्ञ तथा गादी स्थापना महोत्सव आयोजन किया गया। यहां पूर्ण आस्था और श्रद्धा के साथ एक हफ्ता चले इस महोत्सव में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम हुए इसमें प्रतिदिन यज्ञशाला में विद्वान पंडितो द्वारा यजमानों से मंत्र उच्चारणके बीच हवन करवाया गया। प्रतिदिन दोपहर में संगीतमय श्री राम कथा तथा रात्रि को श्री देवनारायण कथा का संगीत मय वाचन किया गया। कथाओं के बीच-बीच में भजनों पर भक्त जमकर नाचते दिखे।

विद्युत वितरण कंपनी बदलेगी 162 ट्रांसफार्मर

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ने कड़े निर्देश दिए हैं कि वितरण ट्रांसफार्मरों का सुधार कार्य किया जाए तथा खराब ट्रांसफार्मरों को बदला जाए। ट्रांसफार्मरों की रिकंडीशनिंग और लोड बैलेंसिंग के साथ ही पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में अभियान चलाकर यह कार्य एक सप्ताह में पूरा किया जाए।

भारतीय गुणवत्ता परिषद्
QUALITY COUNCIL OF INDIA
QCI Creating an Ecosystem for Quality

भारतीय गुणवत्ता परिषद् (क्यूसीआई), भारत सरकार द्वारा स्थापित एक प्रमुख स्वायत्त निकाय है। क्यूसीआई का दायित्व, गुणवत्तापूर्ण सोच विकसित करना है और हमारी परिकल्पना यह सुनिश्चित करने की है कि हर नागरिक तक पहुंचने वाले उत्पाद और सेवाएं गुणवत्तापूर्ण हों। एक स्वतंत्र और स्वायत्त निकाय के रूप में क्यूसीआई, अपने घटक बोर्डों और प्रभागों के माध्यम से अपनी गतिविधियों का समन्वय करते हुए उत्पादों, सेवाओं और प्रक्रियाओं के स्वतंत्र अन्य-पक्षकार आकलन का तंत्र स्थापित करती है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय का उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) क्यूसीआई के लिए नोडल प्वाइंट के रूप में कार्य करता है।

क्यूसीआई **"Engagement of an implementation agency for Setting Up Chemical & Microbiology section of Food Testing Laboratory on turn-key basis"** के लिए प्रस्ताव आमंत्रित करता है।

अपेक्षाओं के विस्तृत विवरण के साथ **Request for Proposal (RFP), क्यूसीआई की वेबसाइट: www.qcin.org** पर निविदा खंड **(https://qcin.org/work-with-us/#tenders)** के अंतर्गत देखा जा सकता है।

इच्छुक पक्ष RFP दस्तावेज़ में दिए गए प्रस्तुति दिशानिर्देशों के अनुसार अपना प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं।

QCI'S BOARDS AND DIVISIONS
NABCB NABH NABL NABET NBQP PADD PPID NDIE Strategy & Policy ONDC

Quality Council of India, World Trade Center, J-200, Block J, Narouji Nagar, Safdarjung Enclave, New Delhi- 110029
@QualityCouncilofIndia @QualityCouncil qualitycouncilofindia quality-council-of-india-qci- info@qcin.org

परिशिष्ट B- संख्यांक 13
जिला एवं सत्र न्यायालय भोपाल
मैक ट्रिब्यूनल, भोपाल भोपाल
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
एमएसीसी/2195/2023
कैलाश बनाम अरबाज खान
NEXT DATE: 08-05-2026
प्रेषिती-
(1) सिराजु खान s/o हुरी खान
पता-धोलपुर थाना धोलपुर राजस्थान
(2) अरबाज खान s/o जाकिर खान
पता-ग्राम नगला कानपुर गुलावद जिला पलवल हरियाणा

यह कि प्रार्थी कैलाश ने आपके विरूद्ध एमएसीसी/2195/2023 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 09-03-2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा
स्वयं प्रकाश दुबे
मैक ट्रिब्यूनल, भोपाल
इक्कीसवें मोटर दुर्घटना दावा प्राधिकरण भोपाल म.प्र.
कृपया ध्यान दें : 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जावेगा।

न्यायालय नायब तहसीलदार
नजूल वृत्त टी.टी. नगर भोपाल
प्रकरण क्रमांक 0098/अ-6/2026-2027
// इश्तहार //

आवेदक श्री राम प्रसाद सेठी आ. स्व. श्री बिहारी लाल सेठी निवासी-ग्राम बोदरा तहसील गैरतगंज, पोस्ट गढ़ी जिला रायसेन म.प्र. द्वारा माननीय न्यायालय उन्नीसवें व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड भोपाल का प्रकरण क्रमांक आर.सी.एस.ए./228/2022 आदेश दिनांक 30/07/2025 के आधार पर ग्राम सेवनिया गौंड़ स्थित भूमि खसरा नंबर 102 रकबा 0.30 एकड़ अर्थात 0.121 हेक्टेयर भूमि के 1/4 हिस्से रकबा 0.075 एकड़ अर्थात 0.030 हेक्टेयर भूमि का नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अत: सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि इस संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति 15 दिवस में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30/4/126 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
टी.टी. नगर वृत्त भोपाल

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने श्री राधेकिशन मीना आत्मज श्री रामप्रसाद मीना आयु-वयस्क निवासी-म.नं.-50, ग्राम चौपड़ाकला विदिशा रोड, तहसील हुजूर जिला भोपाल म.प्र. के स्वत्व स्वामित्व एवं मालिकाने हक का एक किता भूखण्ड क्रमांक-13, क्षेत्रफल 55×80=4400 वर्गफिट जिसका खसरा नं. 48/1/1/5 (S) का अंशभाग होकर स्थित ग्राम चौपड़ाकलां पटवारी हल्का नं. पुराना/नया 16/29, राजस्व निरीक्षक मण्डल पुराना/नया 02/03 विकास खण्ड फंदा, तहसील हुजूर जिला भोपाल बतौर टोकन अनुबंध पत्र नोटरी वकील से सत्यापित कर बयाना राशि अदा की गई है। उक्त भूखण्ड के संबंध में किसी भी पारिवारिक व अन्य व्यक्ति, संस्था, सोसायटी, बीडीए, निजी साहूकार, बैंक या अन्य किसी शासकीय, अशासकीय, अर्द्धशासकीय, संस्था निगम इत्यादि का कोई वाद-विवाद लेनदारी या अन्य प्रकार का प्रभार व किसी भी प्रकार का स्वामित्व संबंधी विवाद आदि विद्यमान हो या उक्त भूखण्ड के संबंध में कोई विक्रय अनुबंध पत्र निष्पादित किया गया हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिन (पन्द्रह) दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में लिखित रूप से वैधानिक आपत्ति प्रस्तुत करें। अवधि व्यतीत होने पर मेरे पक्षकार पर कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी और मेरे पक्षकार उपरोक्त भूखण्ड क्र.-13 का विक्रय पत्र (रजिस्ट्री) पंजीयन अपने पक्ष में कराने में स्वतंत्र रहेंगे।

उत्तम पाण्डेय अधिवक्ता
कार्यालयः-वार्ड क्रमांक 85 पपलिया कुंजनगढ़ बंगरसिया भोपाल (म.प्र.)
मो.- 6265414997

भोपाल में ग्रीन टेक्नोलॉजी की नई शुरुआत

एल्गी ट्री लॉन्च: 25 पेड़ों जितना असर, 1.5 टन कार्बन डाइ ऑक्साइड सोखने की क्षमता

जागरण, भोपाल। बढ़ते प्रदूषण और गर्मी के बीच पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। शहर में माइक्रोएल्गी आधारित 'एल्गी ट्री' तकनीक की शुरुआत की गई, जिसका उद्घाटन मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने किया। यह तकनीक शहरी क्षेत्रों में कार्बन उत्सर्जन कम करने और ऑक्सीजन बढ़ाने के लिए एक अभिनव समाधान के रूप में सामने आई है। इस प्रोजेक्ट को मशरूम वर्ल्ड ग्रुप ने विकसित किया है, जिसमें चेयरमैन विजय सागर, डायरेक्टर समीर सागर और शक्ति सागर सहित पूरी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। तकनीकी विकास में हेड रिसर्च साइंटिस्ट नरेश बाबू और रिसर्च साइंटिस्ट तनुप्रिया पटेल का विशेष योगदान रहा। कंपनी के अनुसार, इस तकनीक को विकसित करने में करीब दो साल का समय लगा और 50 से अधिक विशेषज्ञों ने मिलकर इस पर काम किया।

क्या है एल्गी ट्री तकनीक

यह तकनीक माइक्रोएल्गी पर आधारित है, जो हवा से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर ऑक्सीजन छोड़ती है। एक एल्गी ट्री सालाना करीब 1.5 टन कार्बन डाइऑक्साइड को सोख सकता है और लगभग 1 टन ऑक्सीजन प्रदान करने में सक्षम है। इसकी खास बात यह है कि यह कम जगह में काम करता है और लगभग 25 वयस्क पेड़ों के बराबर असर दिखाता है।

शहरी क्षेत्रों के लिए क्यों जरूरी

तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण हरियाली कम होती जा रही है। ऐसे में जहां पेड़ लगाना संभव नहीं होता, वहां यह तकनीक एक सपोर्ट सिस्टम के रूप में काम करती है। हालांकि, इसे पेड़ों का विकल्प नहीं माना जा रहा, बल्कि यह पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायक है।

देश के लिए नया ग्रीन मॉडल

इस तकनीक को सार्वजनिक रूप से अपनाने वाला देश का पहला शहर बन गया है। बदलते मौसम और बढ़ते कार्बन स्तर के बीच, यह पहल भविष्य के लिए एक नए ग्रीन मॉडल का संकेत देती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि इस तरह की तकनीकों को बड़े स्तर पर अपनाया जाए, तो शहरों में प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में ठोस बदलाव संभव है।

5 श्रेष्ठ कलाकारों को मलेशिया में प्रस्तुति का अवसर, 120 प्रतिभागी सम्मानित

जुगलबंदी में सजी सुरों की शाम, नेक्स्ट जेन टैलेंट समिट में दिखी युवा प्रतिभा

जागरण, भोपाल। संगीत की गूंज, नृत्य की लय और भावों की अभिव्यक्ति 'नेक्स्ट जेन टैलेंट समिट 2026' में शनिवार को कुछ ऐसा ही माहौल देखने को मिला, जहां मंच पर परंपरा और आधुनिकता का खूबसूरत संगम साकार हुआ। हिंदुस्थान आर्ट एंड म्यूजिक सोसायटी के इस आयोजन में युवा कलाकारों ने अपनी प्रतिभा से संस्कृति को जीवंत कर दिया। दिनभर प्रतियोगिताओं के बाद शाम का सत्र जैसे सुरों का उत्सव बन गया। अंतरराष्ट्रीय तबला वादक प्रोसेनजीत पोद्दार और पद्मश्री डॉ. तरुण भट्टाचार्य की संतूर-तबला जुगलबंदी ने माहौल में जादू घोल दिया। राग किरवानी की गहराई में उतरती यह प्रस्तुति छपताल की धीमी लय से शुरू होकर तीनताल की मध्यम गति तक पहुंची।

संतूर की मींड और गमक के साथ तबले की लयकारी, तिहाइयों और सम पर सटीक आगमन ने दर्शकों को हर पल बांधे रखा।

शास्त्रीय गायन में पं. कैवल्य कुमार गुरु ने राग मधुवंती के माध्यम से भाव और तकनीक का सुंदर संतुलन प्रस्तुत किया। उनकी तानों की स्पष्टता और स्वर विस्तार ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

नृत्य में ओडिसी की 'मानउद्धारण' और 'अर्धनारीश्वर' प्रस्तुतियां मानो कथाओं को जीवंत करती नजर आईं। गुरु डॉ. गजेंद्र कुमार पंडा के निर्देशन में कलाकारों ने अभिनय, मुखाभिनय और हस्त-मुद्राओं के जरिए पौराणिक प्रसंगों को सजीव बना दिया। 'अर्धनारीश्वर' में शिव के तांडव और पार्वती के लास्य का संतुलन दर्शकों के लिए खास अनुभव रहा।

भजन, समूह भरतनाट्यम और वाद्य प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को और रंगीन बनाया। समापन पर 120 प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया, जबकि पांच उत्कृष्ट कलाकारों को जून में मलेशिया में अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुति देने का अवसर मिलेगा।

ऊर्जा, एकाग्रता और रचनात्मकता से भरी रही चिल्ड्रेन थिएटर वर्कशॉप

'स्वप्नयान' में खेल, लय और सृजन से निखर रही बच्चों की अभिव्यक्ति

जागरण, भोपाल। विहान ड्रामा वर्क्स की चिल्ड्रेन थिएटर विंग 'स्वप्नयान' में शनिवार का दिन बच्चों के लिए रचनात्मकता और सीख से भरपूर रहा। वॉर्म-अप सत्र में 'कहोन' की बीट्स पर मूवमेंट के जरिए बच्चों ने शरीर और लय के तालमेल को समझा। इसके बाद 'ग्लास कंसंट्रेशन गेम' ने उनकी एकाग्रता और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को परखा, जिसमें खेल के दौरान सजगता और टीम भावना नजर आई।

क्राफ्ट सत्र में श्वेता केतकर के मार्गदर्शन में बच्चों ने वेस्ट मैटेरियल जैसे गत्ता, कपड़े, अखबार और रंगीन शीट्स से मास्क और आकृतियां तैयार कीं। इस प्रक्रिया में उन्होंने साधारण वस्तुओं में छिपी सृजनात्मक संभावनाओं को पहचाना। प्रशिक्षकों के अनुसार खेल, मूवमेंट और क्राफ्ट जैसी गतिविधियां बच्चों को धीरे-धीरे नाट्य प्रक्रिया से जोड़ रही हैं। कार्यशाला में बच्चों की सक्रिय भागीदारी उनकी सीखने की प्रक्रिया को मजबूत बना रही है। यह कार्यशाला संस्कृति मंत्रालय और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के सहयोग से संचालित हो रही है।

मूवी रिव्यू
एक दिन

कास्ट जुनैद खान, साई पल्लवी, कुणाल कपूर, केविन डेव
श्रेणी हिंदी, रोमांस
डायरेक्टर सुनील पांडे
अवधि 2 घंटे 5 मिनट
क्रिटिक रेटिंग 2.5/5

कहां देखें- थिएटर्स

'एक दिन' में उमर भर की मोहब्बत

आज के तेज और विकल्पों से भरे दौर में, जहां रिश्ते अक्सर एक क्लिक में बनते और टूटते हैं, 'एक दिन' ठहरकर प्यार को महसूस करने की कोशिश करती है। यह फिल्म किसी बड़े ड्रामे या चौंकाने वाले मोड़ों पर नहीं, बल्कि भावनाओं की धीमी परतों पर चलती है। इसकी सबसे बड़ी खूबी इसकी सादगी है, जो कहानी को जमीन से जोड़े रखती है। हालांकि, यही सादगी कई जगहों पर गहराई की कमी भी महसूस कराती है। फिल्म एक ऐसे एहसास को पकड़ने की कोशिश करती है, जहां प्यार कहे बिना भी मौजूद होता है और एक दिन की सीमित दुनिया में पूरी जिंदगी का अर्थ खोजता है।

अभिनय

अभिनय के स्तर पर फिल्म मजबूत नजर आती है। जुनैद खान ने अपने किरदार को बेहद सहजता और ईमानदारी के साथ निभाया है। एक साधारण, संकोची और अंदर ही अंदर जीने वाले लड़के की झिझक को उन्होंने बखूबी पकड़ा है। उनका अभिनय ओवरड्रामेटिक नहीं लगता, बल्कि किरदार के अनुरूप सादा और वास्तविक है। साई पल्लवी फिल्म की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरती हैं। उनका नैचुरल अभिनय और बिना बनावटीपन का अंदाज मीरा के किरदार को जीवंत बनाता है। वह अपने हाव-भाव और आंखों के जरिए भावनाओं को प्रभावी ढंग से व्यक्त करती हैं। हालांकि, स्क्रिप्ट में और गहराई होती तो उनके किरदार का प्रभाव और भी ज्यादा उभर सकता था। सहायक कलाकारों ने भी अपनी भूमिका के अनुसार संतुलित प्रदर्शन दिया है, लेकिन कहानी में उनके हिस्से सीमित ही रहते हैं।

कहानी

फिल्म की कहानी दिनेश उर्फ डीनो (जुनैद खान) और मीरा (साई पल्लवी) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक ही ऑफिस में काम करते हैं, लेकिन उनकी दुनिया बिल्कुल अलग है। दिनेश एक शांत, संकोची और लगभग अदृश्य-सा लड़का है, जिसे लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। वह मीरा से बेइंतहा प्यार करता है, लेकिन अपने भीतर के डर और असुरक्षा के कारण कभी अपने जज्बात जाहिर नहीं कर पाता। दूसरी ओर, मीरा एक खुले स्वभाव की लड़की है, जो अपने बॉस नकुल के झूठे प्यार में उलझी रहती है। उसे लगता है कि नकुल अपनी असफल शादी से निकलकर उसके साथ नई जिंदगी शुरू करेगा, लेकिन सच्चाई इसके बिल्कुल उलट होती है। जापान ट्रिप के दौरान जब यह सच सामने आता है कि नकुल की शादीशुदा जिंदगी सामान्य है, मीरा का दिल बुरी तरह टूट जाता है। इसी भावनात्मक उथल-पुथल के बीच उसका एक्सीडेंट हो जाता है, जिसके बाद उसे 'ट्रांसिएंट ग्लोबल एम्नेशिया' हो जाता है एक ऐसी स्थिति, जिसमें वह हर दिन अपनी पिछली यादें भूल जाती है। यहीं से कहानी एक नए मोड़ पर पहुंचती है। दिनेश के लिए यह एक अवसर बन जाता है मीरा के साथ वह 'एक दिन' जीने का, जिसे वह हमेशा महसूस करना चाहता था। हर दिन एक नई शुरुआत और हर रात एक अंत बन जाती है। इन पलों में दोनों के बीच एक ऐसा रिश्ता बनता है, जो असलियत और भूलने की सीमा के बीच झूलता रहता है। फिल्म इसी भावनात्मक द्वंद्व को सादगी से प्रस्तुत करती है।

क्यों देखें

'एक दिन' कोई बड़ी या यादगार प्रेम कहानी नहीं बन पाती, लेकिन अपनी सादगी और हल्के इमोशन्स के साथ एक नरम अहसास जरूर छोड़ जाती है। अगर आप शोर से दूर, धीमी और सिंपल लव स्टोरी देखना चाहते हैं, तो यह फिल्म एक बार देखी जा सकती है।

हास्य, वीर और श्रृंगार रस से सजी काव्य संध्या

सोनागिरी चौराहे पर सजी काव्य की महफिल, शब्दों में जज्बात का दरिया

जागरण, भोपाल। मजदूर दिवस की शाम इस बार कुछ अलग थी- सोनागिरी चौराहा सिर्फ ट्रैफिक का नहीं, बल्कि शब्दों, भावनाओं और ठहाकों का संगम बन गया। श्रमश्री सेवा संस्था द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में कविता ने मंच संभाला और श्रोताओं ने दिल खोलकर उसका स्वागत किया। इस काव्य संध्या में देशभर से आए कवियों ने अपने-अपने अंदाज में रंग भरे। संचालन करते हुए शशिकांत यादव ने ओजपूर्ण पंक्तियों से माहौल में जोश भर दिया। हास्य कवि हीरामणि वैष्णव ने मोबाइल युग पर चुटीले व्यंग्य से दर्शकों को हंसी से लोटपोट कर दिया। वहीं शिवांगी शर्मा प्रेरणा और नंदिनी श्रीवास्तव की रचनाओं ने संवेदनाओं को छुआ। सुमित ओरछा की वीर रस कविताओं ने देशभक्ति की ऊर्जा जगाई, तो चंदन राय के गीतों ने माहौल को भावुक कर दिया। जब मंच पर शंभू शिखर आए, तो ठहाकों की गूंज देर तक थमती नहीं दिखी। रात 8 बजे से शुरू हुई यह महफिल मध्यरात्रि तक शब्दों की रोशनी बिखेरती रही, जिसमें बड़ी संख्या में शहरवासी डूबे नजर आए।

संडे प्लानर

लेट्स वॉच
मूवी
थिएटर्स
एक दिन
राजा शिवाजी
पंख होते तो उड़ जाते

मंच एण्ड फन
कॉर्न चीज फ्राइड
पेरी पेरी मोमोज
ओह वॉव मोमोस,
7 नंबर स्टॉप
120 रुपए

वर्कशॉप
पिछवाई आर्ट वर्कशॉप
हैंडक्राफ्टेड कैफे अरेरा कॉलोनी
सुबह 10 बजे

रिलेक्सिंग डे
ओपन माइक
सुपरिच कैफे,
कोलार रोड
दोपहर 12 बजे

द्वितीय पुण्यतिथि पर सेवा और समर्पण को किया गया याद

प्रदीप सेवा सम्मान समारोह में स्व. खाण्डेकर को श्रद्धांजलि

जागरण, भोपाल। स्वर्गीय भालचन्द्र विष्णु खाण्डेकर (प्रदीप) की द्वितीय पुण्यतिथि पर 'प्रदीप सेवा सम्मान समारोह' का आयोजन लिंक रोड नम्बर 3 स्थित सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के सभागृह में किया गया। कार्यक्रम सादगी और श्रद्धा के साथ सम्पन्न हुआ। अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, मध्यभारत प्रांत के प्रांत संघचालक अशोक पांडे ने कहा कि खाण्डेकर जी का जीवन सेवा और समर्पण का प्रेरक उदाहरण है, जो समाज के लिए मार्गदर्शक है। मुख्य वक्ता सेवा भारती के क्षेत्र सेवा प्रमुख ओमप्रकाश सिसौदिया ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि पंडित किरण सदाशिव देशपांडे ने उनके जीवन को सादगी और निष्ठा का प्रतीक बताया। कार्यक्रम का संयोजन स्मिता शर्मा ने किया। अंत में सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

'सिनेकारी' में जागी रचनात्मकता की नई लहर

जागरण, भोपाल। कला, सिनेमा और साहित्य के संगम का मंच बने 'सिनेकारी' सीजन-8 का आगाज शुक्रवार शाम एलायंस फ्रांसेज में हुआ। पहले दिन फिल्म प्रदर्शन, बहुभाषी कविता पाठ और रचनात्मक संवाद ने कला प्रेमियों को बांधे रखा। सुदीप सोहनी फिल्म्स और एलायंस फ्रांसेज डी भोपाल के सहयोग से आयोजित मल्टी-आर्ट फेस्टिवल 'सिनेकारी' के आठवें संस्करण की शुरुआत उत्साहपूर्ण माहौल में हुई। कार्यक्रम में शहर के सिनेप्रेमियों, युवा रचनाकारों और कला प्रेमियों की उल्लेखनीय मौजूदगी रही। पहले दिन का मुख्य आकर्षण निर्देशक सुदीप सोहनी की फिल्म 'जग्गू और मागाहारी' का प्रदर्शन रहा। वर्ष 2025 में बनी इस फिल्म में वरिष्ठ अभिनेता वीरेंद्र सक्सेना और बाल कलाकार लावण्या राठौर ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई हैं। फिल्म को फ्रेंच सबटाइटल्स के साथ प्रदर्शित किया गया, जिसने भारत-फ्रांस सांस्कृतिक साझेदारी को रेखांकित किया। प्रदर्शन के बाद दर्शकों के साथ संवाद सत्र भी हुआ, जिसमें फिल्म की विषयवस्तु और निर्माण प्रक्रिया पर चर्चा की गई।

हैंडलूम एक्सपो में दिखी शिल्प की खूबसूरती

जागरण, भोपाल। गौहर महल में आयोजित स्टेट हैंडलूम एक्सपो-2026 इन दिनों पारंपरिक बुनाई और लोककलाओं का जीवंत संगम बना हुआ है। 10 मई तक चलने वाले इस एक्सपो में देशभर से आए 60 से अधिक बुनकर अपने हुनर का प्रदर्शन कर रहे हैं, जिससे शहरवासियों को विविध शिल्प परंपराओं को करीब से देखने का अवसर मिल रहा है। यहां चंदेरी, महेश्वरी, भागलपुरी और बनारसी वस्त्रों की खास रेंज के साथ कलमकारी और मधुबनी कला लोगों को आकर्षित कर रही है। आंध्रप्रदेश के कारीगर पेन कलमकारी में प्राकृतिक रंगों से कपड़ों पर बारीक डिजाइन उकेर रहे हैं, वहीं भागलपुर के शिल्पकार मधुबनी शैली की साड़ियां तैयार कर रहे हैं, जिन्हें बनाने में करीब 40 दिन का समय लगता है। वाराणसी से आए बुनकरों के मुताबिक एक बनारसी साड़ी को तैयार करने में लगभग 45 दिन लगते हैं।

32 कलाकारों की 50 कृतियों में दिखा प्रेम, समर्पण और स्नेह

जब कैनवास पर उतरी मां की ममता

जागरण, भोपाल। मां एक ऐसा शब्द, जो सिर्फ रिश्ते का नाम नहीं, बल्कि जीवन की पहली अनुभूति, पहला स्पर्श और अनंत सुरक्षा का एहसास है। जब यही भावना रंगों में ढलती है, तो कैनवास सिर्फ चित्र नहीं रह जाता, वह एक जीवंत अनुभव बन जाता है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में आयोजित 'मां: अ हार्टबीट ऑफ एवरी होम' प्रदर्शनी इसी अनकही भावनाओं को आकार देती नजर आई। यह आयोजन सिर्फ मदर्स डे से जुड़ा एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मां के उस अस्तित्व को समझने की कोशिश है, जो सृजन, त्याग, संघर्ष और संरक्षण सभी रूपों में एक साथ जीवित रहता है। 1 से 3 मई तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में 32 कलाकारों की करीब 50 कृतियां मां के विभिन्न आयामों को बेहद संवेदनात्मक और विचारोत्तेजक ढंग से सामने लाती हैं।

मेरी पेंटिंग में मां के गर्भ को शंख के आकार में दिखाया गया है, जिसके भीतर एक लड़की पल रही है। जिसे मैंने कमल के फूल से दर्शाया है, जो नारी शक्ति का प्रतीक है। यह सिर्फ एक सुंदर चित्र नहीं, बल्कि भ्रूण हत्या के खिलाफ एक साफ और संवेदनशील संदेश भी देती है। पेंटिंग के बाहरी हिस्से में भगवान विष्णु से जुड़ा संकेत दिया गया है, जो स्त्री के संरक्षण और सृजन की निरंतरता को दर्शाता है। थ्री-लेयर एक्रेलिक तकनीक से बनी यह पेंटिंग मेरे वैष्णव धर्म पर किए गए सात वर्षों के अध्ययन से प्रभावित है, जिससे इसमें आध्यात्मिक गहराई आती है। मेरी पेंटिंग देश-विदेश तक पहुंच चुकी है। मैं दुबई, हॉन्गकॉन्ग और मॉस्को जैसे शहरों में भी अपनी पेंटिंग प्रदर्शित कर चुका हूं। अब मेरा फोकस भारतीय कला शैलियों को पहचान दिलाने पर है। **-धर्मेंद्र मेवाड़े, आर्टिस्ट**

मेरी पेंटिंग 'नारी शक्ति' तीन स्तरों में स्त्री जीवन की पूरी यात्रा को दर्शाती है। सबसे नीचे कांच के टुकड़ों पर उभरे खून से सने पांव संघर्ष, दर्द और उन कठिन रास्तों का प्रतीक हैं, जिनसे हर महिला गुजरती है। मध्य भाग में मां अपने बच्चे को गोद में थामे हुए है-यह उसकी ममता, सुरक्षा और हर परिस्थिति में ढाल बन जाने वाले रूप को सामने लाता है। वहीं ऊपरी हिस्से में मां काली का रूप है, जो बताता है कि जब संतान पर संकट आता है, तो वही मां शक्ति बनकर हर खतरे से लड़ जाती है। यह 15 लेयर में तैयार की गई ऑयल पेंटिंग है, जिसमें भावों को केंद्र में रखकर अभिव्यक्ति दी गई है। पिछले 12 वर्षों से मैं पेंटिंग कर रहा हूं और चारकोल व ऑयल मेरी प्रमुख विधाएं रही हैं। मेरी कला में मां और ईश्वर बार-बार उभरते हैं, क्योंकि मेरे लिए भावनाएं ही सबसे बड़ी प्रेरणा हैं। **-जयेश सोनी, आर्टिस्ट**

मेरी इस पेंटिंग में मैंने मां और बेटी के रिश्ते को एक ही फ्रेम में समेटने की कोशिश की है। यहां मां अपनी बेटी को स्नेह से थामे हुए उसकी चुनरी संवार रही है। ये पेंटिंग यह बताती है कि कैसे एक मां बेटी के जन्म से ही उसकी विदाई तैयारियां शुरू कर देती है। मां की बनाई यह चुनरी सिर्फ एक कपड़ा नहीं जो सजाती हो, बल्कि मां के प्यार, स्नेह और आशीर्वाद का प्रतीक है। विदाई के समय यही चुनरी मां-बेटी के उस गहरे और अटूट रिश्ते को और भी भावुक बना देती है, जिसे शब्दों में पूरी तरह व्यक्त करना मुश्किल होता है। **-शुभा मड़वैया, आर्टिस्ट**

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

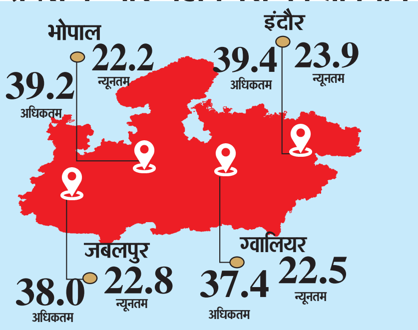

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
भोपाल	39.2	22.2
इंदौर	39.4	23.9
जबलपुर	38.0	22.8
ग्वालियर	37.4	22.5

देश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	36.4	22.8
मुंबई	34.3	27.8
चेन्नई	42.4	22.5
कोलकाता	29.2	19.8

सूर्यास्त 6:48 PM | चन्द्रोदय 6.37 PM
सूर्योदय 5:47 AM | चन्द्रास्त 5:10 AM

रायसेन में वेयरहाउस की छत उड़ी, सीहोर में फसल भीगी

जागरण, रायसेन/ सीहोर। रायसेन जिले के कई गांवों में तेज आंधी चली। छुछार गांव में हरशिव वेयरहाउस की टीन की छत उड़ गई। पांच हजार मीट्रिक टन क्षमता वाले इस वेयरहाउस में सरकारी मूंग रखी है। बरेली और बाड़ी में किसानों का अनाज भीगने से सरकारी खरीदी प्रभावित हुई है। इसके अलावा सीहोर के इछावर, बोरदी, झालकी और भाऊखेड़ी में आंधी के साथ पानी गिरा। बोरदी में विनायक वेयरहाउस पर 2 किलोमीटर तक खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में रखी फसल भीग गई। सीहोर में श्यामपुर रोड पर जाखाखेड़ी में पेड़ सड़क पर गिरा। हरदा में आंधी से कई घरों के टीन उड़ गए, पेड़ सड़कों पर गिर गए। नए बस स्टैंड पर बन रही 10 करोड़ रुपए की बिल्डिंग की टीन की बाउंड्री वॉल भी उखड़ गई। विक्रमपुर गांव में खेत में लगी आग हवा से दो झोपड़ियों तक पहुंच गई। गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया।

शिवपुरी में आंधी से छत से गिरी महिला और किशोरी

जागरण, शिवपुरी। जिले के फतेहपुर में अचानक आई आंधी से छत पर खड़ी 16 साल की अनुरती और रामदेवी लोधी नीचे गिरकर घायल हो गईं। शहर के पोलो ग्राउंड की दीवार के नीचे दबकर बृजेंद्र उर्फ गोलू, गिरजेश चंद्र आचार्य और एक अन्य युवक घायल हो गए। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। बस स्टैंड पर बादल आदिवासी के सिर में उड़कर आई किसी वस्तु के लगने से चोट आई है। माधव चौक पर नीम का पेड़ गिरने से दो बाइक और एक स्कूटी क्षतिग्रस्त हो गईं। इसके अलावा इंडस्ट्रियल एरिया में पेड़ कार पर गिर गया। वहीं बैतूल जिले के बर्राढाना गांव में आंधी से खाना बनाते समय उठी चिंगारी भड़क गई। आग इतनी तेजी से फैली कि 15 से अधिक मकान जल गए। हादसे में कई मवेशियों और दोपहिया वाहनों के जलने की भी सूचना है।

खुले में रखी किसानों की हजारों क्विंटल उपज भीगी

जागरण, कुरवाई। विदिशा जिले के कुरवाई क्षेत्र में दोपहर करीब 2 बजे अचानक बदले मौसम ने किसानों और प्रशासन दोनों को मुश्किल में डाल दिया। तेज आंधी-तूफान के साथ हुई हल्की बारिश ने उपार्जन केंद्रों पर किए गए इंतजामों की हकीकत सामने ला दी। गेहूं, चना और मसूर उपार्जन केंद्रों पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सबसे अधिक खराब स्थिति उन चना और मसूर उपार्जन केंद्रों पर देखने को मिली, जो खुले खेतों में संचालित हो रहे हैं। परिवहन की धीमी व्यवस्था के कारण यहां बड़ी मात्रा में उपज का स्टॉक जमा है। समय पर वाहनों की उपलब्धता न होने से किसानों की उपज खुले आसमान के नीचे पड़ी रही, जो हल्की बारिश में भीग गई। किसानों का कहना है कि यदि समय पर माल का उठाव हो जाता, तो उन्हें इस नुकसान का सामना नहीं करना पड़ता। कई स्थानों पर पर्याप्त तिरपाल उपलब्ध नहीं थे और जहां थे भीए वे तेज आंधी के सामने टिक नहीं सके। तेज हवाओं के कारण तिरपाल उड़ गए या फट गए, जिससे अनाज असुरक्षित हो गया और बारिश में भीग गया। इस दौरान किसानों को अपनी फसल बचाने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ी। तेज हवा के बीच तिरपाल संभालते और अनाज को ढकने की कोशिश करते किसान परेशान नजर आए।

चिटफंड कंपनी केएमजे की 35 कंपनियां होंगी नीलाम, 55 करोड़ की सरकारी कीमत तय

रकम दोगुनी करने के नाम पर कई जिलों में ठगी, दर्ज हैं 110 एफआईआर

जागरण, ग्वालियर। वित्तीय गड़बड़ियों के चलते 14 साल पहले चिटफंड कंपनी कैला माई की जय (केएमजे) पर ग्वालियर अंचल के हजारों निवेशकों से ठगी के आरोप में कार्रवाई की गई। निवेशकों को पैसा वापस दिलाने के लिए प्रशासन ने कंपनी की 35 संपत्तियों की नीलामी प्रक्रिया शुरू कर दी है। झांसी रोड क्षेत्र में एसडीएम ने नीलामी के आदेश जारी कर दिए हैं, जबकि अन्य क्षेत्रों में भी जल्द सूचना प्रकाशित की जाएगी। कंपनी ने ग्वालियर, अशोकनगर, शिवपुरी, गुना, टीकमगढ़, छतरपुर, दमोह आदि जिलों में रकम दोगुनी करने का झांसा देकर बड़ी संख्या में लोगों से निवेश कराया था। कंपनी के खिलाफ विभिन्न जिलों में 110 से अधिक एफआईआर दर्ज हैं। आंकड़ों के मुताबिक भोले-भाले लोगों से करीब 300 से 400 करोड़ की ठगी की गई थी। कंपनी की संपत्तियों की अनुमानित सरकारी कीमत करीब 55 करोड़ रुपए आंकी गई है, लेकिन बाजार जानकारों के अनुसार खुली बोली में यह 70 से 75 करोड़ तक जा सकती है। नीलामी से मिलने वाली राशि प्रभावित निवेशकों को लौटाने में उपयोग की जाएगी।

परिवार डेयरी के निवेशकों के लिए भी राहत की उम्मीद

इस बीच परिवार डेयरी चिटफंड से जुड़े निवेशकों को भी राहत मिलने की संभावना बनी है। मप्र हाईकोर्ट ने अपने अवलोकन में माना कि लोक अदालत स्तर पर तथ्यों की सही व्याख्या नहीं हो सकी थी। अदालत ने स्पष्ट किया कि चेन्नई हाईकोर्ट के निर्देश पर तमिलनाडु सरकार ने केवल बैंक खातों को फ्रीज किया था, जबकि ग्वालियर स्थित अचल संपत्तियों पर कोई प्रतिबंध लागू नहीं था। ऐसे में अब इन खातों को खोलने और संपत्तियों के उपयोग को लेकर सुनवाई होगी।

मंजूरी मिलने से संपत्तियों की बिक्री का रास्ता साफ

वर्ष 2011 के आसपास मैच्योरिटी अवधि पूरी होने पर कंपनी संचालक अचानक दफ्तर बंद कर फरार हो गए थे। इसके बाद निवेशकों को न्याय पाने के लिए वर्षों तक कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी। अब जिला न्यायालय की मंजूरी मिलने के बाद संपत्तियों की बिक्री का रास्ता साफ हो गया है।

निवेशकों की देनदारी और सरकारी दावों का पेंच

नीलामी से मिलने वाले धन पर आयकर विभाग और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन का प्राथमिक दावा हो सकता है। यदि इन विभागों की देनदारी अधिक रही, तो निवेशकों को मिलने वाली राशि प्रभावित हो सकती है। चिटफंड कंपनियों के झांसे में आने वाले अधिकांश लोग निम्न और मध्यम आय वर्ग से जुड़े रहे हैं। कई परिवारों ने जीवनभर की बचत निवेश की थी।

हरदा : खेत में महिला ने खुद प्रसव की कोशिश की, पड़ी भारी

नवजात का धड़ बाहर आया गर्भ में फंसकर सिर अलग

जागरण, हरदा। प्रदेश के हरदा जिले में हंडिया तहसील के मांगरुल गांव में एक बेहद गंभीर और दुर्भाग्यपूर्ण घटना सामने आई। खेत में काम कर रही 19 साल की गर्भवती महिला को अचानक प्रसव पीड़ा हुई। अस्पताल पहुंचने के बजाय महिला ने वहीं प्रसव कराने की कोशिश की जो भारी पड़ गई। ग्राम मैदा की अंजू अपने पति जितेंद्र बछान्या के साथ खेत में काम कर रही थीं। शाम करीब पांच बजे उसे तेज दर्द शुरू हुआ। इसी दौरान उन्होंने खुद ही बच्चे को बाहर निकालने की कोशिश की। इस दौरान नवजात का धड़ बाहर आ गया, जबकि सिर गर्भ में ही फंस गया। स्थिति को देखकर परिजन घबरा गए। वे नवजात के धड़ को पन्नी में रखकर महिला को तुरंत हरदा जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में महिला डॉक्टरों ने तत्परता दिखाते हुए सुरक्षित तरीके से गर्भ में फंसे बच्चे के सिर को बाहर निकाला और महिला की जान बचा ली। डॉक्टरों के अनुसार बच्चा लगभग 24 सप्ताह का था और यह प्री-मैच्योर डिलीवरी का मामला है। महिला की हालत अब स्थिर बताई जा रही है। इससे पहले भी महिला को समय से पहले प्रसव हुआ था, जिसमें नवजात की मौत हो गई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नवजात का पीएम कराया जा रहा है और पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच जारी है। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी स्थिति में तुरंत अस्पताल पहुंचना बेहद जरूरी है। घर या खेत में खुद प्रसव कराने की कोशिश जानलेवा साबित हो सकती है।

नशे में धुत पुलिसकर्मी ने दो आरक्षकों को कार से उड़ाया, एक गंभीर घायल

राजेंद्र नगर थाने का मामला, ड्यूटी के दौरान हुआ हादसा

जागरण, इंदौर। शहर में देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया, जिसमें राजेंद्र नगर थाने के दो आरक्षक घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और उन्होंने तुरंत घायल पुलिसकर्मियों की मदद की। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची। जांच में सामने आया कि कार चालक विजय चौहान, जो डीआरपी लाइन में पदस्थ पुलिसकर्मी है, नशे में था। उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है।घटना उस समय हुई जब दोनों पुलिसकर्मी ड्यूटी के दौरान गश्त कर रहे थे। तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे एक आरक्षक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, आरक्षक प्रमोद त्यागी और भूरालाल जामले की ड्यूटी रात 10 बजे से सुबह 8 बजे तक बीट बिजलपुर क्षेत्र में लगी थी। दोनों बाइक से गश्त करते हुए दुर्गानगर एबी रोड के पास खड़े थे। इसी दौरान तेज गति से आ रही एक स्विफ्ट कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों आरक्षक उछलकर दूर जा गिरे। हादसे में भूरालाल जामले को पेट, सिर और पैरों में गंभीर चोटें आई है और उसकी हालत नाजुक है, जबकि प्रमोद त्यागी के पैरों में चोट लगी है।

कंटेनर में घुसी कार, सेना के लांस नायक की मौत

जागरण, उज्जैन। प्रदेश के उज्जैन में एक हृदयविदारक सड़क हादसा हो गया। गरौठ-उज्जैन हाईवे पर पदमा खोरिया गांव के पास एक तेज रफ्तार सेल्टोस कार आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से जा घुसी। टक्क र इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया और कंटेनर के नीचे फंस गया। इस दुर्घटना में कार चला रहे भारतीय सेना के लांस नायक रामचंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, 32 वर्षीय रामचंद्र मूल रूप से कर्नाटक के निवासी थे और सेना में लांस नायक के पद पर तैनात थे। वे अपने ससुर गोविंद पाटिल (49) के साथ अपनी निजी कार से अंबाला से अपने गृह राज्य कर्नाटक की ओर जा रहे थे। सफर के दौरान जैसे ही उनकी कार पदमा खोरिया गांव के समीप पहुंची, तभी आगे चल रहे कंटेनर (एचआर 55 बीबी 6454) के चालक ने अचानक इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए। रफ्तार तेज होने के कारण रामचंद्र कार पर नियंत्रण नहीं रख पाए और वाहन सीधे कंटेनर के पिछले हिस्से में जा घुसा।

कुलबहरा नदी में मिले दो सगे भाइयों के शव, मां ने जताया हत्या का शक

जागरण, छिंदवाड़ा। शहर के कोतवाली थाना अंतर्गत शिकारपुर क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई, जब कुलबहरा नदी में दो नाबालिग बच्चों के शव तैरते मिले। मृतकों की पहचान 12 वर्षीय समर प्रजापति और 9 वर्षीय राजेश प्रजापति के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुँची पुलिस ने रेस्क्यू कर शवों को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। घटना के बाद बच्चों की मां, अनीता प्रजापति ने पुलिस कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बच्चों के पैरों में बंधे धागों से उनकी पहचान की और कुछ संदिग्धों पर हत्या की आशंका जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। कोतवाली थाना प्रभारी आशीष कुमार के अनुसार, पुलिस मामले की हर पहलू से बारीकी से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों द्वारा बताए गए संदिग्धों के बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का दावा है कि जल्द ही मौत के असली कारणों का खुलासा कर दिया जाएगा।

बाइक और स्मार्टफोन की चाह में दामाद ने सास को पीटा, मौत

जागरण, पन्ना। रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली वारदात प्रदेश के पन्ना जिले से सामने आई है। यहां के बृजपुर थाना क्षेत्र के ऊड़की गांव में एक कलयुगी दामाद ने दहेज की खातिर अपनी ही सास की क्रिकेट बैट से पीट-पीटकर निर्मम हत्या कर दी। आरोपी संदीप विश्वास (28) अपनी पत्नी के मायके वालों से लंबे समय से बाइक और स्मार्टफोन की मांग कर रहा था। मांग पूरी न होने के कारण शुक्रवार रात करीब 9:30 बजे उसने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। मृतका की पहचान 50 वर्षीय रीता राय के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, रीता की छोटी बेटी खुशी की शादी पिछले साल मई में सतना निवासी संदीप से हुई थी। परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष खुशी को दहेज के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। शुक्रवार सुबह भी आरोपी ने इसी बात को लेकर घर में विवाद किया था और अपनी सास को जान से मारने की धमकी दी थी।

बैट से मरते दम तक पीटा बचाने आई गर्भवती पत्नी को धक्का देकर गिराया

खाना बनाते समय हमला : वारदात उस वक्त हुई जब रीता राय रसोई में रात का खाना बना रही थीं। आरोपी संदीप अचानक लकड़ी का बैट लेकर वहाँ पहुँचा और अपनी सास के सिर पर ताबड़तोड़ हमले शुरू कर दिए। बीच-बचाव करने आई उसकी गर्भवती पत्नी खुशी को भी आरोपी ने बेरहमी से धक्का देकर गिरा दिया। चश्मदीदों के अनुसार, हमला इतना घातक था कि सिर पर तीन वार लगते ही रीता राय ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

अनूपपुर में हाथियों के मूवमेंट पर ड्रोन से रखी जा रही नजर

5 मौतों के बाद जागा विभाग रात में जंगल में रहे अफसर

जागरण, अनूपपुर। जिले में पिछले चार माह में हाथियों के हमले में पांच लोगों की मौत के बाद वन विभाग अलर्ट मोड पर है, उसने अपनी रणनीति भी बदली है। अब वन मंडल के अधिकारी हाथियों के मूवमेंट पर दिन और रात दोनों समय ड्रोन से नजर रख रहे हैं, ताकि उन्हें रिहायशी इलाकों से दूर रखा जा सके और जनहानि को रोका जा सके। इस नई रणनीति के तहत, वन विभाग के आला अफसर भी अब सीधे फील्ड पर उतर आए हैं। ड्रोन की मदद से हाथियों की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। यदि हाथी किसी संभावित गांव की ओर बढ़ते दिखते हैं, तो ग्रामीणों को सतर्क किया जाता है या हाथियों को जंगल की ओर वापस मोड़ा जाता है। वन मंडलाधिकारी अनूपपुर, डेविड चेन्नाप ने बताया कि यह रणनीति वर्तमान में सफल हो रही है।

युवक ने थाने में खाया जहर, पुलिस पर पैसे मांगने का आरोप

रीवा के चाकघाट का मामला, प्रेम प्रसंग में युवती ने दर्ज कराई थी शिकायत

जागरण, रीवा। जिले के चाकघाट थाना परिसर में युवक ने थाने के अंदर जहर खा लिया। पुलिस युवक को पूछताछ के लिए थाने लेकर गई थी। इसके बाद पुलिस ने युवक को उपचार के लिए नजदीकी निजी अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है इलाज जारी है। युवक की पहचान पुष्पराज मांझी (25) निवासी ग्राम सेंगरवार सतपुड़ा के रूप में हुई है। मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, युवक की कथित प्रेमिका की शादी हो जाने के बाद भी वह उससे संपर्क कर रहा था और फोटो वायरल करने की धमकी देने का आरोप है। इस संबंध में युवती ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने युवक को पूछताछ के लिए बुलाया था। इसी दौरान थाने परिसर के भीतर ही युवक ने जहर खा लिया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

रिश्वत मांगने का आरोप : युवक के परिजनों ने पुलिस पर आरोप लगया है कि पुलिस द्वारा युवक से रिश्वत की मांग की जा रही थी, जिससे परेशान होकर उसने यह कदम उठाया।

तूफान गाड़ी पलटी, दो मासूम समेत 7 घायल

जागरण, नीमच। जिले में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया, जिसमें मन्नत मांगकर लौट रहे एक परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं। नीमच-झालावाड़ मार्ग पर एक तेज रफ्तार 'तूफान' वाहन बेकाबू होकर पलट गया। इस भीषण दुर्घटना में वाहन चालक और एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो मासूमों समेत सात लोग घायल हो गए। भानपुरा के ग्राम अंतरालिया निवासी गायरी गुर्जर समाज के लोग मनासा के सावन कुंड गांव में एक मन्नत कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। वापसी के दौरान बैंसला घाट स्थित पटेल श्री होटल के पास अचानक वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना दिनांक : 29.04.2026

वरिष्ठ मंडल सिगनल व दूरसंचार अभियंता उत्तर मध्य रेल झांसी भारत के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या : JHS-N-W-45-26	कार्य लागत लगभग : Rs. 6550467.53/-
कार्य का नाम : प्रोविजन ऑफ़ S&T वर्क इन कनेक्शन विथ बलास्ट लेस ट्रैक ऑन पीएफ नं. 1 (लाइन नं. 2) एंड पीएफ नं. 7 (लाइन नं. 1) एट VGLJ स्टेशन.	
धरोहर राशि : Rs. 131000.00/-	निविदा प्रपत्र का मूल्य : Nil
निविदा खुलने की तिथि : 21.05.2026 Time 15:00	
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधि : 12 माह	

• निविदा दिनांक 21.05.2026 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in (NORTH CENTRAL RLY/JHANSI DIVISION-S AND T) पर देखें। 955/26 (D)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

कार्यालय सेनानी 7वीं वाहिनी विसबल, भोपाल

ई-मेलः- co7bn_saf@mppolice.gov.in

क्रमांक- 7वीं वाहिनी/विसबल./QM/901/2026 दिनांक 29/04/2026

:: ई-निविदा सूचना ::

वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत 7वीं वाहिनी विसबल भोपाल के अंतर्गत संचालित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम, पुलिस भर्ती एवं अन्य शासकीय आयोजनों के समय भोजन एवं स्वल्पाहार व्यवस्था हेतु खाद्य सामग्री की दरें प्राप्त करने हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती हैं:-

क्र.	विवरण	धरोहर राशि रु. (ईएमडी)	टेण्डर शुल्क रु.
01	7वीं वाहिनी विसबल भोपाल के अंतर्गत संचालित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम, पुलिस भर्ती एवं अन्य शासकीय आयोजनों के समय भोजन एवं स्वल्पाहार व्यवस्था हेतु खाद्य सामग्री की दरें प्राप्त करने हेतु	1,20,000	2000.00

निविदा प्रपत्र व निविदा की विस्तृत शर्ते वेबसाईट http://www.mptenders.gov.in/ तथा www.mppolice.gov.in पर उपलब्ध हैं, ई-निविदा प्रकाशन उपरांत निविदा में कोई संशोधन व परिवर्तन किया जाता है तो वह मात्र उपरोक्त उल्लेखित ई-टेण्डर पोर्टल पर ही उपलब्ध रहेगा, इस हेतु ई-निविदा पोर्टल पर अद्यतन रहें।

सेनानी
7वीं वाहिनी विसबल
भोपाल

जी-12354/26 बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल

पूर्व मध्य रेल

एसी इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के सहायक मोटर के लिए ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरीय मंडल विद्युत अभियंता, टी.आर.एस., पूर्व मध्य रेलवे, गोमो सुयोग्य एवं अनुभवी प्रतिष्ठानों या ठेकेदारों से ई. निविदा ELS_401_AM-OH_25-26_10 हेतु खुला ई.निविदा आमंत्रित करती है। विवरण निम्नलिखित है। **1. कार्य का नाम तथा स्थान :** ईसीआर के इलेक्ट्रिक लोको शेड में ए.सी. इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के WAP-7 और WAG-9 प्रकार के सहायक मोटरों का पुनर्वास, एओएच/आईओएच निरीक्षण या नवीनतम के अंतर्गत। स्थान: विद्युत लोको शेड, गोमो। **2. कार्य का अनुमानित लागत :** रू. 2,19,26,257.32 (दो करोड़ उन्नीस लाख छब्बीस हजार दो सौ सतावन रुपये और बत्तीय पैसे मात्र), **3. अग्रधन राशि :** रू. 4,38,500.00 (चार लाख अड़तीस हजार पांच सौ रुपये मात्र), **4. निविदा जमा करने तथा बंद होने की तिथि तथा समय :** 08/05/2026 से 22/05/2026 को 11:30 बजे निविदा बंद होने तक। **5. वेबसाइट का विवरण जहां निविदा दस्तावेज उपलब्ध है : जेम वेबसाइट** www.gem.gov.in। निविदा भरने वाले उनका मूल या परिशोधित बिड (निविदा प्रस्ताव) केवल इसी वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के तहत मैनुअल (हस्तनिर्मित) निविदा प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। **सम्पूर्ण विस्तृत निविदा देखने के लिए सूचना पट्ट की स्थिति :** विद्युत लोको शेड, गोमो का सूचना पट्ट।

सहायक मंडल विद्युत अभियंता
क० च० स्टॉक/पूर्व मध्य रेलवे, गोमो
पीआर/0159/ईएलएस जीओएमओ/डीआरएम/टीआरएस/टी/26-27/44

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक! | pnb punjab national bank ...the name you can BANK upon! | **ई-नीलामी विक्रय सूचना**

मंडल कार्यालय, अरेरा हिल्स, भोपाल,फोन नं. 0755-2550020

चल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

आम जनता और विशेष रूप से उधारकर्ता(ओं) और गारंटर(ओं) को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित चल संपत्ति, जो सुरक्षित ऋणदाता के पास गिरवी रखी गई है और जिसका भौतिक कब्जा सुरक्षित ऋणदाता बैंक के हस्ताक्षरकर्ता द्वारा ले लिया गया है, बैंक/सुरक्षित ऋणदाता को संबंधित उधारकर्ता(ओं) और गारंटर(ओं) से देय राशि की वसूली के लिए नीचे दी गई तालिका में उल्लिखित तिथि को ''जैसी है, जहां है'', ''जैसी है, जो है'' और ''जो भी उपलब्ध है'' के आधार पर बेची जाएगी। आरक्षित मूल्य और बयाना राशि संबंधित संपत्तियों के लिए नीचे दी गई तालिका में उल्लिखित हैं। नीचे दी गई तालिका में उल्लिखित आरक्षित मूल्य में जीएसटी शामिल नहीं है। एच1 बोली राशि पर जीएसटी (सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार) लागू होगा।

सुरक्षित परिसंपत्तियों की अनुसूची

ई नीलामी दिनांक : 08.05.2026 (ई-नीलामी का समय : प्रात: 11.00 बजे से दोपहर 5.00 बजे तक प्रत्येक 10 मिनिट के असिमित विस्तार के साथ)
ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि : 07.05.2026 रात्रि 11.00 बजे तक

खाते का नाम	गिरवी रखी गई चल संपत्तियों का विवरण / स्वामी का नाम	बकाया राशि	ए) आरक्षित मूल्य (लाख रुपये में) (जीएसटी को छोड़कर) बी) ईएमडी सी) बोली वृद्धि राशि
श्रीमती ज्योति राय पता : मकान नं.46, गली नं.3, जैन कॉलेज के पीछे, हरिपुरा, विदिशा, म.प्र-464001	निर्माता : Mahindra & Mahindra रजिस्ट्रेशन नं. : MP04-ZY7392 इंजन नं. : ZSR4E83085 चेसिस नं. : MA1NE2ZSAR6E39862 मालिक का नाम : ज्योति राय	रु. 17,12,000/- +ब्याज एवं अन्य खर्चे	रु. 16,00,000/- रु. 1,60,000/- रु. 25,000/-

नियम एवं शर्तें : यह बिक्री निम्नलिखित नियमों और शर्तों के अधीन होगी :
1) संपत्तियां ''जैसी है, जहां है'' और ''जैसी है, जो है'' के आधार पर बेची जा रही हैं।
2) ऊपर दी गई अनुसूची में निर्दिष्ट सुरक्षित संपत्तियों का विवरण अधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार दिया गया है, लेकिन इस घोषणा में किसी भी त्रुटि, गलत कथन या चूक के लिए अधिकृत अधिकारी उत्तरदायी नहीं होगा।
3) बोली जमा करने से पहले संपत्ति और उसके विवरण का निरीक्षण करना और स्वयं को संतुष्ट करना बोलीदाताओं की जिम्मेदारी होगी। नीलामी में रखी गई संपत्ति का निरीक्षण इच्छुक बोलीदाताओं को प्रकाशन की तिथि से दस्तावेज और ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि तक स्थल पर करने की अनुमति होगी। बैंक को ज्ञात कोई अन्य भार ज्ञात नहीं है। अधिकृत अधिकारी या बैंक, ई-नीलामी के माध्यम से बेची गई संपत्तियों के संबंध में सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को देय किसी भी शुल्क, ग्रहणाधिकार, भार या अन्य बकाया राशि के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। इच्छुक बोलीदाता को चल संपति पर लगे भारों, जिनमें वैधानिक देनदारियां, संपत्ति कर का बकाया, बिजली बिल आदि शामिल हैं, के संबंध में स्वयं स्वतंत्र जांच करने की सलाह दी जाती है।
4) बिक्री अधोहस्ताक्षरी द्वारा वेबसाइट https://etender.pnbnet.in पर उपलब्ध ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से की जाएगी।
5) बिक्री के विस्तृत नियम और शर्तों के लिए, कृपया www.etender.pnbnet.in और www.pnbindia.in देखें।
6) बोली जमा करने और ई-नीलामी की कार्यवाही में भाग लेने से पहले ई-नीलामी बिक्री के विस्तृत नियम और शर्तों के लिए, कृपया श्री बिनित कुमार से 9557822211 पर संपर्क करें।

दिनांक: 02/05/2026, स्थान: भोपाल | सुरक्षित ऋणदाता, पंजाब नैशनल बैंक

चेन्नई ने दूसरी बार मुंबई इंडियंस को दी शिकस्त प्लेऑफ से बाहर होने के कगार पर टीम हार्दिक

प्लेयर ऑफ द मैच रितुराज
67* रन
48 गेंद
05 चौके
02 छक्के

चेन्नई, जेएनएन। आईपीएल 2026 के 44वें मैच में मुंबई इंडियंस को चेन्नई सुपर किंग्स ने 8 विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस की टीम 7 विकेट खोकर सिर्फ 159 रन बना पाई। टारगेट का पीछा करने में सीएसके की टीम को कोई खासी दिक्कत नहीं आई और उन्होंने 18.1 ओवर्स में आसानी से इसे चेज कर लिया। इस सीजन सीएसके की ये मुंबई के ऊपर दूसरी जीत है। वहीं मुंबई ने 9 मैचों में अपना 7वां मुकाबला गंवाया है, जिसके बाद उनके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद अब लगभग खत्म हो चुकी है।

159 रन पर रोका मुंबई को

मुंबई इंडियंस ने शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ जीत के लिए 160 रन का टारगेट रखा था। मुंबई ने निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 159 रन बनाए। इस टीम को 1.2 ओवर में ही पहला झटका लगा। विल जैक्स (1) उस समय अपना विकेट गंवा बैठे जब टीम के खाते में सिर्फ 1 ही रन जुड़ सका था।

सूर्य कुमार रहे फेल

सूर्या 12 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद कप्तान पंड्या ने मोर्चा संभालने की कोशिश की, उन्होंने छोटी-छोटी साझेदारियां करते हुए टीम को 150 के पार पहुंचाया, लेकिन खुद 23 गेंदों में 18 रन से ज्यादा नहीं बना सके। नमन ने 37 गेंदों में 3 छक्कों और 4 चौकों के साथ 57 रन की पारी खेली। चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से अंशुल कंबोज ने 32 रन देकर 3 विकेट निकाले, जबकि नूर अहमद ने 2 विकेट हासिल किए। रामकृष्ण घोष और जेमी ओवरटन ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

जीत के हीरो रहे रितुराज और कार्तिक शर्मा

चेन्नई सुपर किंग्स की इस जीत के हीरो रहे कप्तान रुतुराज गायकवाड़ और कार्तिक शर्मा। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 75 गेंद में नाबाद 98 रन की साझेदारी की। कार्तिक शर्मा ने अपने आईपीएल करियर का पहला अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 40 गेंद में नाबाद 54 रन की पारी खेली।

गायकवाड़ ने खेली मैच जिताऊ पारी

इस मैच में सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने एक मैच जिताऊ पारी खेली। उनके बल्ले से 67 रन निकले, जिसमें 5 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। वहीं कार्तिक शर्मा ने भी नाबाद 54 रन की पारी खेली। इसके अलावा 24 रन उर्विल पटेल और 11 रन की पारी संजू सैमसन ने खेली। मुंबई के लिए जसप्रीत बुमराह और अल्लाह गजनफर ने 1-1 विकेट लिया।

चेन्नई को प्लेऑफ के लिए 5 में से 4 मैच जीतना जरूरी

चेन्नई सुपर किंग्स के अब 5 मुकाबले बचे हैं और प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उसे 16 अंक तक पहुंचने होंगे। इसके लिए चेन्नई को बाकी बचे 5 मैच में 4 मुकाबले जीतना होगा। अगर चेन्नई ऐसा करने में कामयाब होती है तो उसे प्लेऑफ में पहुंचने से कोई नहीं रोक पाएगा।

मुंबई इंडियंस के लिए दरवाजे लगभग बंद

इस हार ने मुंबई के लिए प्लेऑफ के दरवाजे लगभग बंद कर दिए हैं। अब अगर मुंबई बाकी बचे 5 मैच जीत भी लेती है, तब भी उसके 14 अंक ही होंगे और इसके साथ प्लेऑफ में पहुंचना आसान नहीं होगा।

केकेआर पर जीत का सिलसिला जारी रखने उतरेगी सनराइजर्स

हैदराबाद, जेएनएन। अपने बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन से खिताब के दावेदारों में शामिल हुई सनराइजर्स हैदराबाद की टीम कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखने के लिए किसी तरह की कसर नहीं छोड़ेगी। सनराइजर्स की टीम लगातार पांच मैच जीत चुकी है और अंकतालिका में नौ मैचों में 12 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। उसने अब तक छह मैच जीते हैं जबकि तीन मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा है। दूसरी ओर अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में केकेआर की टीम अभी तक संघर्ष करती रही है, लेकिन उसने अपने आखिरी दो मैच जीते हैं। दस टीमों के इस टूर्नामेंट में वह आठवें स्थान पर है। सनराइजर्स के पास टूर्नामेंट में अभी तक सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे और तीसरे स्थान पर काबिज अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन हैं। ईशान किशन के रूप में सनराइजर्स के पास एक और विस्फोटक बल्लेबाज है जो किसी भी दिन अपने दम पर मैच का रुख बदल सकता है और उन्होंने इस सत्र में इसे साबित भी किया है। ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने भी सनराइजर्स के पिछले मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 76 रन बनाकर फॉर्म में शानदार वापसी की। उनकी इस पारी की बदौलत सनराइजर्स ने 18.4 ओवर में छह विकेट शेष रहते 243 रन का विशाल लक्ष्य हासिल कर दिया। नीतीश कुमार रेड्डी और सलिल अरोड़ा ने जरूरत पड़ने पर बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है। सनराइजर्स की मजबूत बल्लेबाजी को देखते हुए केकेआर कि गेंदबाजों को उन पर अंकुश लगाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। सनराइजर्स की गेंदबाजी की बात करें तो कप्तान पैट कमिंस की वापसी से उसे मजबूती मिली है। उनके अलावा प्रफुल्ल हिंगे, ईशान मलिंगा, रेड्डी और साकिब हुसैन भी अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा रहे हैं। सनराइजर्स ने इन दोनों टीम के बीच खेले गए पिछले मैच में 65 रन से जीत हासिल की थी।

केकेआर में एंट्री का रचिन को है इंतजार

केकेआर ने 2025 में निराशाजनक अभियान के बावजूद रहाणे को कप्तान बनाए रखा लेकिन यह बल्लेबाज अभी तक टीम को प्रेरित करने में नाकाम रहा है। उन्होंने एक बल्लेबाज के रूप में टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन कप्तान के रूप में उनके कुछ फैसले संदिग्ध रहे हैं। यह देखना बाकी है कि क्या केकेआर आखिरकार रचिन रविंद्र को टीम में शामिल करता है या नहीं, क्योंकि वह काफी समय से बेंच पर बैठे हैं।

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

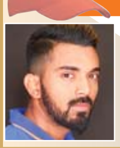

केएल राहुल (दिल्ली)	433
अभिषेक (हैदराबाद)	425
क्लासैन (हैदराबाद)	414

पर्पल कैप (गेंदबाज)

भुवनेश्वर (बेंगलुरू)	17
अंशुल कंबोज (चैन्नई)	17
इशान मलिंगा (हैदराबाद)	15

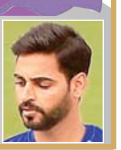

बाउंड्री मीटर

807 छक्के
1377 चौके
87 अर्धशतक

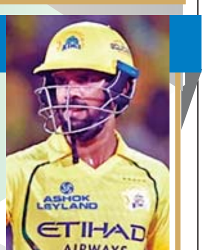

सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने एक मैच जिताऊ पारी खेली। उनके बल्ले से 67 रन निकले, जिसमें 5 चौके और 2 छक्के शामिल रहे।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
पंजाब	8	6	1	13	1.043
बेंगलुरु	9	6	3	12	1.420
हैदराबाद	9	6	3	12	0.832
राजस्थान	10	6	4	12	0.510
गुजरात	9	5	4	10	-0.192
चेन्नई	9	4	5	8	-0.005
दिल्ली	9	4	5	8	-0.895
कोलकाता	8	2	5	5	-0.751
मुंबई	9	2	7	4	0.803
लखनऊ	8	2	6	4	-1.106

विमेंस टी-20 वर्ल्डकप के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान, कमान हरमानप्रीत कौर के हाथ

वनडे वर्ल्डकप जिताने वाली टीम की 11 खिलाड़ी फिर उतरेंगी टी-20वर्ल्डकप में

नई दिल्ली, जेएनएन। बीसीसीआई ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान कर दिया है। पिछले साल वनडे वर्ल्डकप जिताने वालीं कप्तान हरमनप्रीत कौर को ही टीम की कप्तानी सौंपी गई है, जबकि स्मृति मंधाना को ही वाइस कैप्टन बनाया गया है। शनिवार को जारी इस टीम में पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली 11 खिलाड़ियों को जगह मिली है। पंजाब की नंदनी शर्मा को पहली बार वर्ल्ड कप में चुना गया है। टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 12 जून से इंग्लैंड में होगी। भारत अपने अभियान की शुरुआत पाकिस्तान के खिलाफ 14 जून को बर्मिंघम में करेगा। अनुभवी तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर को पेस अटैक की जिम्मेदारी दी गई है। क्रांति गौड़ और अरुंधति रेड्डी उनका साथ देंगी। वहीं, स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को स्पिनर डिपार्टमेंट की जिम्मेदारी मिली है। श्रेयांका पाटिल और एन श्रीचरणी भी अहम भूमिका निभएंगी।

टूर्नामेंट में 12 टीमें लेंगी हिस्सा

टूर्नामेंट में 12 टीमें हिस्सा लेंगी। आईसीसी ने 12 टीमों को 6-6 टीमों के 2 ग्रुप में बांटा है। इन दोनों ग्रुप की टॉप पर रहने वाली दो-दो टीमें सेमीफाइनल में क्वॉलिफाई करेंगी। भारत को ग्रुप ए में पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, बांग्लादेश और नीदरलैंड के साथ रखा गया है।

ऑस्ट्रेलिया सबसे सफल टीम रही

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में ऑस्ट्रेलिया सबसे सफल टीम रही है। ऑस्ट्रेलिया ने अब तक रिकॉर्ड छह बार खिताब अपने नाम किया है और कई बार फाइनल तक पहुंचकर अपनी बादशाहत साबित की है। इसके अलावा इंग्लैंड ने 2009 में पहला एडिशन जीतकर इतिहास रचा।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम-हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, यस्तिका भाटिया, नंदनी शर्मा, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, श्रेयांका पाटिल और राधा यादव।

जैनिक सिनर ने दर्ज की अपने करियर की 350वीं जीत

मैड्रिड, जेएनएन। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अपने करियर की 350वीं जीत हासिल की और पहली बार मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। सिनर ने आर्थर फिल्स को 6-2, 6-4 से हराकर अपनी जीत का सिलसिला 22 मैच तक बढ़ा दिया। सिनर लगातार पांचवें मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में दुनिया में तीसरे नंबर के खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज़्वेरेव का सामना करेंगे। जर्मन खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में बेल्जियम के एलेक्जेंडर ब्लॉकक्स को 6-2, 7-5 से हराया। सिनर लगातार पांच मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बनने की कोशिश करेंगे। उन्होंने इससे पहले पेरिस, इंडियन वेल्स, मियामी और मोंटे कार्लो में खिताब जीते थे।

सिनर ने जीते हैं 350 मैच

सिनर 2000 के दशक में जन्में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने अपने करियर में 350 मैच जीते हैं। यही नहीं सिनर एक विशिष्ट सूची में भी शामिल हो गए हैं। वह रोजर फेडरर, नोवाक जोकोविच और राफेल नडाल के बाद सभी नौ मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले चौथे और सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी हैं। महिला वर्ग के फाइनल में मीरा एंड्रीवा का सामना मार्टा कोस्त्युक से होगा।

वैभव को आंख दिखाई, काइल को एक डिमैरिट अंक का दंड

जयपुर, जेएनएन। दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच के दौरान राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आउट करने के बाद उनके प्रति आक्रामक अंदाज अपनाने के लिए एक डिमैरिट अंक का दंड दिया गया है। आईपीएल ने बयान में कहा, काइल जैमीसन ने जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच के दौरान खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए आईपीएल की आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन किया जिसके लिए उन्हें एक डिमैरिट अंक दिया गया और उन्हें चेतावनी भी दी गई।

पंजाब को हराकर जीत की हैट्रिक लगाना चाहेगी गुजरात टाइटंस

अहमदाबाद, जेएनएन। पिछले मैच में पंजाब किंग्स का जीत का सिलसिला टूट गया और वह लगातार तीसरी जीत हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध गुजरात टाइटंस के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश करेगा। राजस्थान रॉयल्स ने इस सप्ताह के शुरू में पंजाब किंग्स के अजेय अभियान पर रोक लगा दी थी। हालांकि पंजाब किंग्स की टीम आठ मैचों में 13 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है, लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स उससे सिर्फ एक अंक पीछे हैं।

पंजाब की गेंदबाजी चिंताजनक

लगातार छह जीत हासिल करके शुरुआती बढ़त बनाने वाली पंजाब किंग्स की गेंदबाजी विभाग को लेकर कुछ चिंताएं हैं। पंजाब के बल्लेबाजों की तरह उसके गेंदबाज अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं बना पाए हैं। उसके बल्लेबाजों के अच्छे प्रदर्शन के कारण गेंदबाजों की कमियां खुलकर सामने नहीं आई हैं लेकिन टूर्नामेंट अब महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच चुका है और ऐसे में कोई कमजोरी टीम पर भारी पड़ सकती है। गेंदबाजों की असफलता के कारण पंजाब के बल्लेबाजों पर दबाव पड़ रहा है।

राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के चयन ट्रायल स्थगित

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) द्वारा राष्ट्रीय शिविर के लिए जारी स्वीकृति पत्र से बाहर किए जाने के बाद लगभग 40 मुक्केबाजों के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडराने लग गए हैं और उनके इस साल होने वाले राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेने को लेकर आशंका बन गई है। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) की चयन नीति के अनुसार, 30 मार्च से पांच अप्रैल तक आयोजित किए गए चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ कप (सीओएएस) में 20 भार वर्गों (पुरुष और महिला वर्गों में 10-10) में शीर्ष दो स्थान हासिल करने वालों को राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया जाना था, जो 25 अप्रैल से शुरू होने वाला था। पिछले साल दिसंबर में जारी की गई नीति में कहा गया है कि ये 40 मुक्केबाज मूल्यांकन परीक्षणों के लिए पात्र होंगे।

खेल एक नजर

पाक कप्तान सलमान आगा बोले-प्रेस कॉन्फ्रेंस और फोटोशूट में हैंडशेक हुआ था

नई दिल्ली, जेएनएन। क्रिकेट ग्राउंड पर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के हाथ न मिलाने से पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा अब भी नाराज हैं। पाकिस्तानी मीडिया को दिए इंटरव्यू में आगा ने कहा-एशिया कप से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस और ट्रॉफी फोटोशूट के दौरान दोनों कप्तानों ने हाथ मिलाया था। मैं टॉस के लिए बिल्कुल सामान्य होकर गया था। मुझे अंदाजा था कि हालात पूरी तरह सामान्य नहीं हैं, लेकिन यह नहीं सोचा था कि बात हाथ न मिलाने तक पहुंच जाएगी। आगा के अनुसार, टॉस से ठीक पहले मैच रेफरी ने उन्हें एक तरफ ले जाकर कहा था कि भारतीय टीम हाथ नहीं मिलाएगी। इस पर मैंने ने जवाब दिया था कि वे हाथ मिलाने के लिए बेताब (डेस्परेट) नहीं हैं और अगर वे ऐसा करना चाहते हैं तो ठीक है।

पहलगाम हमले के विरोध में भारत नहीं मिलाया हाथ: पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की जान गई थी। इसके विरोध में भारतीय कप्तान सूर्या ने पाकिस्तानी कप्तान से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था। भारत ने यह रुख न केवल टॉस के समय, बल्कि एशिया कप टूर्नामेंट के सभी तीन मैचों (फाइनल में भी) के बाद भी बरकरार रखा था।

कभी सिगरेट कंपनियां थीं स्पान्सर, महकता था ड्रेसिंग रूम

आईपीएल 2026: चर्चा में रियान पराग का ड्रेसिंग रूम में वेपिंग मामला

नई दिल्ली, जेएनएन। धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, ये तो हम सब जानते हैं। लेकिन बात करते हैं उस वीडियो की, जिसमें राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग को ड्रेसिंग रूम में वेप करते देखा गया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इसे खेल की इज्जत कम करने वाला काम बताया और उन पर सख्त कार्रवाई की। अब सवाल यह उठता है कि जो बात कल तक सामान्य मानी जाती थी, वही आज अचानक इतना बड़ा स्कैंडल क्यों बन गई?

1983 विश्वकप जीतने के बाद श्रीकांत फूंक रहे थे सिगरेट

1983 विश्व कप जीतने के बाद लॉर्ड्स की बालकनी में कपिल देव के पास खड़े कृष्णमाचारी श्रीकांत सिगरेट फूंक रहे थे। टीवी पर किसी ने लाल घेरा नहीं लगाया, न ही किसी ने कहा कि गेम की इज्जत गिर गई। उस समय सिगरेट को तनाव कम करने का ज़रिया माना जाता था।

1996 विश्वकप की आईटीसी विल्स थी स्पॉन्सर

1996 विश्व कप भारत, पाक और श्रीलंका ने मिलकर आयोजित किया था। तब इंडियन टोबैको कंपनी आईटीसी विल्स ने स्पॉन्सरशिप की थी तब क्रिकेट की कमाई आसमान छू गई। इसका असर ये हुआ कि ग्रामीण भारत में लोग बिड़ी से सिगरेट की ओर शिफ्ट हो गए। खेल तो बढ़ावा पा रहा था, लेकिन खेल अनहेल्दी आदत को भी प्रमोट कर रहा था।

वॉर्न ने किताब में खोले कई राज

दुनिया भर में यही स्थिति थी। ब्राजील के महान फुटबॉलर सॉक्रेटिस क्यूबा के क्रांतिकारी नेता चे ग्वेरा और फिदेल कास्त्रो की तरह सिगरेट छोड़ते ही नहीं थे। डच फुटबॉलर जोहान क्रूइफ हाफ टाइम में सिगरेट जलाते, शावर लेते और मैच की दूसरी हाफ शुरू होने से पहले दूसरी सुलगा लेते। ऑस्ट्रेलिया के महान स्पिनर शेन वॉर्न ने अपनी किताब में कई ऐसे खुलासे किए हैं। उन्होंने खुलकर लिखा कि ऑस्ट्रेलियाई ड्रेसिंग रूम में आधे खिलाड़ी नियमित रूप से स्मोक करते थे। ड्रेसिंग रूम सिगरेट की बदबू से भरा रहता था। अपनी बायोग्राफी माई स्पिन में वॉर्न ने उन दिनों को याद किया जब बेन्सन एंड हेजेस ऑस्ट्रेलियाई टीम को स्पॉन्सर करती थी। वॉर्न लिखते हैं, वैसे, टीम के आधे खिलाड़ी रेगुलर सिगरेट पीते थे। बूनी, जेफ मार्श, ब्रूस रीड, ग्रेग मैथ्यूज, मैं और फिजियो एरॉल एल्कोट, हम सब सिगरेट पीते थे। यह कुछ हद तक उस समय का कल्चर था और कुछ हद तक स्पॉन्सर की वजह से सिगरेट आसानी से मिल जाती थी।

आईपीएल 2026

हर 100 में से 20 कैच छूटे, 9 में से 5 खिलाड़ियों के शतक

नई दिल्ली, जेएनएन। आईपीएल 2026 में कैच छोड़ने वाली ज्यादातर टीमों को मैच गंवाने पड़ रहे हैं। इस बार हर 100 में से करीब 20 कैच छूट रहे हैं। नतीजा यह है कि बल्लेबाजों को मिले 'जीवनदान' सीधे मैच का रुख बदल रहे हैं। अब तक लगे 9 शतकों में से 5 ऐसे बल्लेबाजों ने बनाए हैं, जिन्हें कम से कम एक बार कैच छोड़कर मौका दिया गया।

जीवनदान के बाद 78 प्रतिशत मैच हारीं टीमें: कैच टपकाने का खामियाजा टीमों को हार के रूप में चुकाना पड़ रहा है। मौजूदा सीजन में 18 पारियां ऐसी रही हैं, जहां जीवनदान पाने वाले बल्लेबाज ने 40+ रन बनाए। इनमें से 14 मैचों में (लगभग 78 प्रतिशत) फील्डिंग करने वाली टीम को शिकस्त झेलनी पड़ी। यह आंकड़ा पिछले नौ आईपीएल सीजनों में सबसे खराब है। दिल्ली को 5 में से 3 हार तब मिलीं, जब उन्होंने किसी का कैच छोड़ा और उसने मैच जिताऊ प्रदर्शन किया।

एक दिन में रिकॉर्ड 16 कैच छूटे

25 अप्रैल को सीजन के सातवें डबल हेडर के दो मैचों में रिकॉर्ड 16 कैच छोड़े गए थे। इसका आलम यह रहा कि दोनों मुकाबले मिलाकर कुल 986 रन बने, जो आईपीएल इतिहास में एक दिन में सबसे ज्यादा हैं।

3 मौके जब टीमों को कैच छोड़ना भारी पड़ा

- विराट कोहली को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में वॉशिंगटन सुंदर ने शून्य के स्कोर पर जीवनदान दिया। उन्होंने 44 गेंदों में 81 रन की पारी खेलकर आरसीबी को एकतरफा जीत दिलाई।
- पंजाब किंग्स के शशांक सिंह ने महज 12 रन पर केएल राहुल का कैच छोड़ा। राहुल ने 67 गेंदों में 152* रन की बतौर भारतीय सबसे बड़ी पारी खेल दी। उनकी टीम हार गई।
- दिल्ली ने प्रभसिमरन सिंह (76) को 6 रन और अय्यर (71*) को 28 रन पर आउट करने का मौका गंवाया। दोनों ने मैच जिताऊ पारियां खेलीं। पंजाब ने 265 रन का आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज कर दिया।

राधानगर बीच पर समुद्र के भीतर फहराया दुनिया का सबसे बड़ा तिरंगा

श्री विजय पुरम, जेएनएन। अंडमान निकोबार प्रशासन ने शनिवार को राधानगर बीच पर पानी के भीतर दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर नया 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' बनाया। यह विशाल तिरंगा स्वराज द्वीप (हैवलॉक द्वीप) में समुद्र के भीतर एक जटिल और सटीक समन्वित अभियान के तहत फहराया गया, जिसमें कई एजेंसियों और प्रशिक्षित गोताखोरों ने भाग लिया। इस तिरंगे की लंबाई 60 मीटर है।

चांसलर की टिप्पणी से भड़के ट्रंप जर्मनी से बुलाए 5000 सैनिक

फ्रेडरिक ने कहा था- ईरान ने अमेरिका की बेइज्जती की, अमेरिका की प्लानिंग बेकार

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिका ने जर्मनी से करीब 5,000 सैनिक हटाने का फैसला किया है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह प्रक्रिया अगले 6 से 12 महीनों में पूरी होगी। यह कदम सीधे तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के बीच बयानबाजी के बाद सामने आया है।

मर्ज ने पिछले महीने एक कार्यक्रम में कहा था कि अमेरिका के पास कोई अच्छी प्लानिंग नहीं है। उसे पता ही नहीं है कि वह इस जंग से बाहर कैसे निकलेगा। उन्होंने कहा कि ईरान बातचीत को टालने में माहिर है और अमेरिका को बिना नतीजे के इस्लामाबाद तक आना-जाना पड़ा। इससे अमेरिका को ईरान के सामने अपमानित होना पड़ा। इससे ट्रंप नाराज हो गए थे। उन्होंने मर्ज को लेकर कहा कि वे बहुत खराब काम कर रहे हैं। उनको लगता है कि ईरान के पास परमाणु हथियार होना अच्छी बात है। उन्हें हकीकत की समझ नहीं है।

पहले भी सैनिक हटाने की कोशिश कर चुके ट्रंप: राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इससे पहले भी जर्मनी से सैनिक हटाने की बात कर चुके हैं। तब उन्होंने जर्मनी को दिवालिया कहा था क्योंकि वह नाटो के तय 2 प्रतिशत रक्षा खर्च लक्ष्य से पीछे था। तब उन्होंने 12,000 सैनिकों को हटाने की योजना बनाई थी, लेकिन अमेरिकी संसद के विरोध के कारण यह लागू नहीं हो पाई।

जापान के बाद जर्मनी में तैनात हैं सबसे ज्यादा अमेरिकी सैनिक

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिसंबर तक जर्मनी में 36,000 से ज्यादा अमेरिकी सैनिक तैनात थे। यह संख्या जापान के बाद दूसरी सबसे बड़ी तैनाती है, जहां करीब 55,000 अमेरिकी सैनिक मौजूद हैं। इसके अलावा इटली में करीब 12,000 और ब्रिटेन में लगभग 10,000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। जर्मनी में अमेरिकी सैन्य ठिकाने लंबे समय से यूरोप में अमेरिका की रणनीतिक मौजूदगी का अहम हिस्सा रहे हैं। हालांकि, अमेरिका और यूरोपीय देशों के बीच ईरान को लेकर तनाव बढ़ा हुआ है। यूरोपीय देशों ने ईरान जंग में ट्रम्प का साथ देने के लिए कई बार इनकार किया है। जिसके बाद ट्रम्प आरोप लगाते आए है कि यूरोपीय देश केवल कागजी शेर है क्योंकि समय पर वह कभी काम नहीं आते। इसी बीच ट्रम्प ने इटली और स्पेन से भी सैनिक हटाने का संकेत दिया है। उनका कहना है कि ये देश ईरान के खिलाफ अमेरिका का साथ नहीं दे रहे हैं, जिससे नाटो के भीतर मतभेद बढ़ते दिख रहे हैं।

पेंटागन का बड़ा दावा

नाकाबंदी से ईरान को 4.8 अरब डॉलर का नुकसान

नई दिल्ली, जेएनएन। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, ओमान की खाड़ी और आसपास के समुद्री मार्गों पर अमेरिका की नाकाबंदी ने ईरान की कमर तोड़ दी है। अमेरिकी नौसेना ने ईरान के तेल निर्यात नेटवर्क को पूरी तरह से काट दिया है। चीन जैसे बड़े खरीदारों तक ईरानी तेल पहुंचाना नामुमकिन हो गया। ऐसे में ईरान को बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ा है।

अमेरिका नाकाबंदी के जरिए ईरान के समुद्री व्यापार और ऊर्जा निर्यात को रोकना चाहता था और वो ऐसा करने में कामयाब भी होता दिख रहा है। 'एक्सियोस' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पेंटागन ने दावा किया है अमेरिकी नाकाबंदी की वजह से ईरान को तेल राजस्व में लगभग 4.8 अरब डॉलर का भारी नुकसान हुआ है। पेंटागन के युद्ध विभाग के मूल्यांकन के मुताबिक, अमेरिकी प्रवर्तन अभियानों की वजह से ईरान को करीब 5 अरब डॉलर की कमाई से वंचित होना पड़ा है। पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता सीन पार्नेल ने कार्यवाहक प्रेस सचिव जोएल वाल्डेज के हवाले से कहा कि ये ऑपरेशन तेहरान पर निरंतर आर्थिक दबाव बनाए रखने के लिए है।

नेशनल सैंपल सर्वे: दक्षिण भारत में प्रसव सबसे महंगा

निजी अस्पतालों पर निर्भरता ने बिगाड़ा बजट

नई दिल्ली, जेएनएन। नेशनल सैंपल सर्वे (एनएसएस 80वें दौर 2025) की हालिया रिपोर्ट 'घरेलू सामाजिक उपभोग: स्वास्थ्य' ने देश में प्रसव से जुड़े खर्चों को लेकर चौंकाने वाले आंकड़े पेश किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण भारतीय राज्यों-केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में प्रसव संबंधी खर्च देश में सबसे अधिक है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत में एक प्रसव का औसत चिकित्सा खर्च 14,775 रुपये है। जहां सरकारी अस्पताल में औसतन खर्च मात्र 2,299 रुपये आता है, वहीं निजी अस्पतालों में यह बढ़कर 37,630 रुपये तक पहुंच जाता है। शहरी इलाकों में 50.8 प्रतिशत प्रसव निजी संस्थानों में हो रहे हैं, जो जेब पर भारी पड़ रहे हैं।

केरल और तमिलनाडु में सबसे महंगी डिलीवरी: दक्षिण भारत में केरल सबसे महंगा राज्य है, जहां एक प्रसव का औसत खर्च 39,893 रुपये है। केरल में शहरी क्षेत्रों के 80.3 प्रतिशत प्रसव निजी अस्पतालों में होते हैं। तमिलनाडु दूसरे स्थान पर है जहां औसत खर्च 29,682 रुपये है। यहां के सरकारी अस्पताल में प्रसव का खर्च मात्र 1,412 रुपये है।

तेलंगाना और कर्नाटक का हाल

तेलंगाना में औसत खर्च 24,269 और कर्नाटक में 21,924 रुपये है। तेलंगाना में मातृ स्वास्थ्य के संकेतक बेहद मजबूत हैं और वहां 100 प्रतिशत प्रसव संस्थानों (अस्पतालों) में होते हैं, लेकिन निजी अस्पतालों का खर्च (औसतन 53,355 रुपये) परिवारों के लिए चिंता का विषय है।

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी मानहानि केस वॉइस सैंपल की मांग रद्द

सुल्तानपुर, जेएनएन। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर स्थित एमपी-एमएलए कोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से जुड़े मानहानि मामले में महत्वपूर्ण आदेश देते हुए उनकी आवाज का नमूना (वॉइस सैंपल) लेने की याचिका खारिज कर दी है। यह याचिका भाजपा नेता विजय मिश्रा की ओर से दाखिल की गई थी। वादी पक्ष के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 311 के तहत आवेदन देकर मांग की थी कि केस डायरी में मौजूद एक सीडी से आवाज का मिलान करने के लिए राहुल गांधी का वॉइस सैंपल लिया जाए और उसे फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जाए। हालांकि, अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद इस मांग को अस्वीकार कर दिया। राहुल गांधी की ओर से उनके अधिवक्ता काशी शुक्ला ने अदालत में पक्ष रखा। मामले में अगली सुनवाई के लिए 11 मई की तारीख तय की गई है।

चेक भुगतान में देरी सेवा में कमी: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसले में कहा है कि यदि बैंक ग्राहक द्वारा जमा किए गए चेक को उसकी वैधता अवधि के भीतर बिना उचित कारण पेश नहीं करता, तो यह उपभोक्ता संरक्षण कानून के तहत 'सेवा में कमी' मानी जाएगी। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने बैंक की लापरवाही को बरकरार रखते हुए कहा कि बैंक, ग्राहक के एजेंट के रूप में, चेक की समयबद्ध प्रस्तुति के लिए बाध्य है। मामला एक ग्राहक से जुड़ा था, जिसने 29 मई 2018 को अपने खाते में दो उच्च मूल्य के चेक जमा किए थे। इन चेकों की कुल राशि 1,06,10,768 रुपये थी। चेक 3 मार्च 2018 के थे और उनकी वैधता 2 जून 2018 तक थी। ग्राहक के अनुसार, चेक पहले प्रोसेस कर क्रेडिट किए गए, लेकिन बाद में 'ऑनलाइन चेक रिटर्न' टिप्पणी के साथ वापस कर दिए गए। बाद में चेक 'स्टेल' हो चुके थे और बैंक ने उन्हें अस्वीकार कर दिया।

टीसीएस केस की निदा को अग्रिम जमानत नहीं

नासिक, जेएनएन। नासिक कोर्ट ने शनिवार को टीसीएस की नासिक यूनिट से जुड़े सेक्सुअल हैरेसमेंट और जबरन धर्म परिवर्तन के मामले में आरोपी निदा खान की एंटीसिपेटरी बेल याचिका खारिज कर दी। प्रॉसिक्यूशन ने कोर्ट में कहा कि आरोप गंभीर हैं और उनसे कस्टडी में पूछताछ जरूरी है। निदा अब तक फरार है। पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अजय मिसर ने बताया कि निदा खान इस केस की मुख्य आरोपियों में से एक हैं। इसी आधार पर कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया। एफआईआर के अनुसार, निदा खान पर आरोप है कि उन्होंने महिला कर्मचारियों को बुर्का पहनने की सलाह दी थी। यह मामला कंपनी के अंदर कथित धार्मिक दबाव और उत्पीड़न से जुड़ा बताया गया है। इसी मामले में एसआईटी जांच कर रही है। टीम ने अब तक 9 एफआईआर दर्ज की हैं, जो महिला कर्मचारियों के साथ कथित यौन उत्पीड़न से जुड़ी हैं।

भाजपा ज्वॉइन करने वाले पाठक पर दो एफआईआर

सांसद को गिरफ्तार करने पहुंची पंजाब पुलिस

नई दिल्ली, जेएनएन। आप छोड़कर भाजपा में शामिल हुए पंजाब से राज्यसभा सांसद संदीप पाठक के खिलाफ पंजाब में दो एफआईआर दर्ज हुईं है। यह केस भ्रष्टाचार और शोषण से जुड़े हुए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गैर-जमानती धाराओं में केस दर्ज हुआ है। संदीप पाठक केस दर्ज होने की खबर बाहर आने से पहले दिल्ली स्थित अपने घर के पिछले दरवाजे से निकल गए। दावा किया जा रहा है कि जिस गाड़ी में बैठकर संदीप निकले, वह राज्यसभा सदस्य अशोक मित्तल के नाम पर रजिस्टर्ड है। गाड़ी पर नंबर भी जालंधर का है।

पाठक की गिरफ्तारी के लिए पंजाब पुलिस दिल्ली स्थित उनके घर पहुंच गई है और कभी भी उनकी गिरफ्तारी हो सकती है। हालांकि, पंजाब पुलिस या सरकारी प्रवक्ता की तरफ से इसको लेकर अभी कोई रिएक्शन नहीं आया है। वहीं संदीप पाठक ने कहा- मेरे खिलाफ किसी भी एफआईआर की मुझे कोई जानकारी नहीं है। इसी बीच दिल्ली पुलिस ने सांसद संदीप पाठक के दिल्ली स्थित घर के बाहर बैरिकेडिंग कर दी है। इससे पंजाब पुलिस की गिरफ्तारी की कोशिश करने पर दिल्ली पुलिस के साथ टकराव की नौबत आ सकती है। संदीप पाठक से पहले आप सरकार प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के जरिए पार्टी छोड़ने वाले दूसरे सांसद राजिंदर गुप्ता की ट्राइडेंट फैक्ट्री में भी रेड करा चुकी है। डॉ. संदीप पाठक 25 अप्रैल को राघव चड्ढा और अशोक मित्तल के साथ भाजपा में शामिल हुए थे। इसके अलावा राघव चड्ढा और हरभजन सिंह भज्जी की सिक्योरिटी भी आप सरकार छीन चुकी है।

दिल्ली: कड़कड़डूमा कोर्ट के जज ने की खुदकुशी

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली में एक जज ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी है। यह घटना दिल्ली के सफदरजंग इलाके में हुई। खुदकुशी करने वाले जज अमन कुमार शर्मा कड़कड़डूमा कोर्ट में कार्यरत थे। उनका आवास ग्रीन पार्क में था। पुलिस ने बताया कि सफदरजंग इलाके में दिल्ली न्यायिक सेवा के एक अधिकारी ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जांच के अनुसार, मृतक की पहचान अमन कुमार शर्मा के रूप में हुई है। फिलहाल, फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला लग रहा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने जांच कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आगे की जांच जारी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। संबंधित व्यक्तियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

पुणे में 4 साल की बच्ची से रेप के बाद हत्या, 65 साल का आरोपी गिरफ्तार

पुणे, जेएनएन। महाराष्ट्र के पुणे में शुक्रवार को एक व्यक्ति ने 4 साल की बच्ची से रेप के बाद पत्थर से कुचलकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने 65 साल के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि बच्ची पुणे के भोर तहसील में रहने वाली अपनी नानी के यहां गर्मी की छुट्टियां बिताने आई थी। भीमराव कांबले (आरोपी) शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने घर के पास बने तबेले में ले गया। वहां बच्ची से रेप करने के बाद उसकी हत्या कर दी। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री और एनसीपी (एसपी) नेता अनिल देशमुख ने मामले में आरोपी के लिए फांसी और मामला की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराने की मांग की थी। इसके बाद महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सरकार इस मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराएगी और अपराधी के लिए फांसी की मांग करेगी। देर तक बच्ची घर नहीं लौटी, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। कुछ लोगों ने तबेले में तलाशा तो उसका शव बरामद हुआ।

सीएम बोले- सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी

गुस्साए ग्रामीणों ने पुणे-बेंगलुरु हाईवे किया बंद

पुणे के नसरापुर में चार साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद पत्थर से हत्या की घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने पुणे-बेंगलुरु हाईवे जाम कर दिया। पिछले करीब दो घंटों से हाईवे पूरी तरह से बाधित है, जिससे यातायात पर बड़ा असर पड़ा है। आक्रोशित नागरिकों की मांग है कि आरोपी के खिलाफ तुरंत और सख्त कार्रवाई की जाए। लोगों का कहना है कि इस मामले में सिर्फ आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस निर्णय लिया जाना चाहिए। स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री को मौके पर बुलाने की भी मांग की है, ताकि वे खुद स्थिति का जायजा लें।

देश को जल्द मिलेंगी हाइपरसोनिक मिसाइलें

नई दिल्ली। भारत ने युद्धों की बदलती रणनीति को देखते हुए अत्याधुनिक 'हाइपरसोनिक' मिसाइल तकनीक पर काम तेज कर दिया है। डीआरडीओ प्रमुख समीर वी. कामत ने एक कार्यक्रम में बताया है कि देश जल्द 'हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल' और 'हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल' से लैस होगा। इनकी रफ्तार सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइल से दोगुनी होगी। इसकी खासियतों की वजह से दुनिया का कोई डिफेंस सिस्टम इन्हें रोक नहीं पाएगा। डीआरडीओ प्रमुख के अनुसार, ग्लाइड मिसाइल का पहला परीक्षण जल्द संभव है। स्क्रैमजेट इंजन पर आधारित क्रूज मिसाइल को लेकर भी बड़ी कामयाबी मिली है। हाल ही में स्क्रैमजेट प्रोपल्शन का 1,000 सेकंड से ज्यादा समय तक परीक्षण सफल रहा है। औपचारिक मंजूरी मिलने के 5 साल में इस मिसाइल प्रणाली को सेना के बेड़े में शामिल करने का लक्ष्य है।

त्रिशाला दत्त बॉलीवुड में आना चाहती है पर बतौर एक्टर नहीं

संजय दत्त की बेटी, त्रिशाला दत्त ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपने जीवन के एक ऐसे दौर के बारे में बात की, जब उन्होंने अपने पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए बॉलीवुड में कदम रखने के बारे में सोचा था। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि उनका यह फैसला अभिनय के प्रति जुनून की वजह से नहीं, बल्कि अपने पिता के और करीब आने की एक बेहद निजी चाहत के कारण था। ज्यादातर लोगों की नजरों से दूर रहते हुए, उन्होंने जान-बूझकर खुद को बॉलीवुड की चकाचौंध से दूर रखा। इन सालों में, उन्होंने अपनी शर्तों पर अपना जीवन और करियर बनाया है, और अमेरिका में एक सफल साइकेट्रिस्ट के तौर पर अपनी पहचान बनाई है, जहां उनका मुख्य जोर शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने पर है। हाल ही में 'इनसाइड थॉट्स आउट लाउड' पॉडकास्ट में शामिल होते हुए, त्रिशाला दत्त ने बताया कि एक समय में उन्होंने बॉलीवुड में एंट्री करने के बारे में सोचा था। लेकिन एक्टर बनने की इच्छा नहीं थी। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह कभी इस इंडस्ट्री का हिस्सा बनना चाहती थीं, तो उन्होंने कहा, 'जब मैं छोटी थी, तो मैंने इस बारे में सोचा था। मैं यह नहीं सोच रही थी कि मैं एक एक्टर बनना चाहती हूं। मैं बस अपने पिता के करीब रहना चाहती थी।'

जब वह अपने करियर के विकल्पों पर विचार कर रही थीं, तब उनके पिता संजय दत्त ने आगे बढ़कर उनका गाइड किया और उन्हें इस बात पर खुलकर बात करने के लिए प्रोत्साहित किया कि वह असल में क्या चाहती हैं। बॉलीवुड के उतार-चढ़ाव, दोनों को करीब से देखने के कारण उनकी राय का काफी महत्व था—जिस वजह से सलाह के लिए उनसे बेहतर कोई और नहीं हो सकता था।

छग में आईईडी डिप्यूज करते समय ब्लास्ट, 4 जवान शहीद

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के कांकेर-नारायणपुर बॉर्डर पर शनिवार को आईईडी ब्लास्ट में 4 जवान शहीद हो गए। फोर्स शनिवार सुबह कोरोसकोडा के जंगल में सर्च ऑपरेशन पर निकली थी। इसी दौरान नक्सलियों की बिछाई गई आईईडी को डिप्यूज करते समय अचानक जोरदार धमाका हुआ। मामला छोटेबेठिया थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि धमाका इतना तेज था कि मौके पर मौजूद जवानों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे में घायल जवानों का तुरंत रेस्क्यू किया गया, इनमें इंस्पेक्टर सुखराम वट्टी, कांस्टेबल कृष्णा कोमरा और कांस्टेबल संजय गढ़पाले ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। चौथे जवान कांस्टेबल परमानंद कोर्राम को एयरलिफ्ट करके रायपुर ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान वो भी शहीद हो गए। इस घटना पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने सरकार पर सवाल उठाए, कहा कि नक्सलवाद के खत्म होने के राजनीतिक नारे से काम नहीं चलेगा। वहीं बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी. ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि, सर्च के दौरान सुरक्षाबलों को एक नक्सली डंप भी मिला है। सरेंडर कर चुके नक्सलियों से मिले इनपुट के आधार पर आईईडी बरामदगी का अभियान चलाया जा रहा है।

रिपोर्ट पिछले साल के मुकाबले दोगुने छापे पर गिरफ्तारी में 27 प्रतिशत की कमी

ईडी ने 2025-26 में सबसे ज्यादा 2,892 छापे मारे

81 हजार करोड़ की संपत्ति अटैच 32 हजार करोड़ लौटाए

नई दिल्ली, जेएनएन। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने साल 2025-26 में इतिहास में सबसे ज्यादा छापेमारी की। एजेंसी ने कुल 2,892 छापे मारे, जो पिछले साल 1,491 के मुकाबले लगभग दोगुने हैं। ईडी की सालाना रिपोर्ट 2025-26 के मुताबिक मनी लॉन्ड्रिंग के तहत गिरफ्तारियों में कमी आई। वहीं संपत्ति अटैचमेंट और पीड़ितों को पैसे लौटाने के मामलों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई।

ईडी ने 712 प्रोविजनल अटैचमेंट ऑर्डर जारी कर 81,422 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की। यह पिछले साल के 30,036 करोड़ रुपए के मुकाबले 171 प्रतिशत ज्यादा है। ये अटैचमेंट की एडजुडिकेटिंग अथॉरिटी से पुष्टि के बाद स्थायी होते हैं।

ईडी की गिरफ्तारियों में करीब 27 प्रतिशत की कमी आई है। ईडी ने 156 लोगों को गिरफ्तार किया, जबकि पिछले साल यह संख्या 214 और इससे पहले 272 थी। एजेंसी के मुताबिक अब वह टारगेटेड और सबूत आधारित जांच पर ज्यादा फोकस कर रही है।

पीड़ितों को 32 हजार करोड़ लौटाए: रिपोर्ट की सबसे बड़ी उपलब्धि फ्रॉड पीड़ितों को संपत्ति लौटाना रही। वर्ष 26 में ईडी ने 32,678 करोड़ रुपए की संपत्ति निवेशकों, होमबॉयर्स और बैंकों को वापस दिलाई, जो पिछले साल 15,263 करोड़ रुपए थी। इसमें पीएसीएल पोंजी स्कैम केस का बड़ा योगदान रहा, जहां अकेले 15,582 करोड़ रुपए लौटाए गए।

केस रजिस्ट्रेशन और चार्जशीट में भी रिकॉर्ड: केस रजिस्ट्रेशन 39 प्रतिशत बढ़कर 1,080 हो गए हैं। वहीं इस साल 812 चार्जशीट दाखिल की गईं जो पिछले साल 457 थीं। एजेंसी का दावा है कि अब केस की जांच अवधि 3-4 साल से घटकर 1-1.5 साल रह गई है।

विदेशों से कानूनी सहयोग बढ़ा

मनी लॉन्ड्रिंग जांच में अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी बढ़ा है। वहीं भारत को विदेशों से 246 रिक्वेस्ट मिले, जिनमें सबसे ज्यादा यूके (79) से हैं। 31 मार्च 2026 तक 353 एमएलएटी/एलआर रिक्वेस्ट लंबित हैं, जिनमें सबसे ज्यादा:

- यूएई : 69
- सिंगापुर : 55
- यूके : 39
- हांगकांग : 36
- अमेरिका : 26

प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत ईडी को गिरफ्तारी, तलाशी, जब्ती और संपत्ति अटैच करने के व्यापक अधिकार हैं। इस कानून के तहत जमानत मिलना भी मुश्किल होता है।

दैनिक जागरण वर्गीकृत

जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/- संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें 9826065324
डिस्प्ले क्लासीफाइड ₹50/- per sqcm.
Email : advtbhopaljagran@gmail.com

अण्डा
BHOPAL EGG RATE 515/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

गजरथ यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, पंचकल्याणक का समापन

जागरण, टीकमगढ़। शहर की श्रीजी कॉलोनी के पारसनाथ जैन मंदिर में चल रहे पंचकल्याणक महोत्सव का शनिवार को भव्य गजरथ यात्रा के साथ समापन हो गया। महोत्सव के अंतिम दिन को मोक्ष कल्याणक के रूप में मनाया, जिसमें मुनि समत्व सागर महाराज ससंघ शामिल हुए। गजरथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा। लोगों ने उत्साहपूर्वक भगवान के रथ की परिक्रमा की और धर्म लाभ लिया।

धार-इंदौर मुख्य मार्ग पर पांच दिन से अंधेरा

जागरण, धार। शहर को इंदौर से जोड़ने वाले इंदौर नाका से जेतपुरा तक के मुख्य मार्ग पर पिछले 4-5 दिनों से स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं। शाम ढलते ही इस व्यस्त मार्ग पर घना अंधेरा छा जाता है, जिससे प्रतिदिन यहां से गुजरने वाले हजारों छोटे-बड़े वाहन चालकों, विशेषकर बाइक सवारों और पैदल चलने वालों के लिए हादसों का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों ने सुरक्षित आवागमन के लिए जल्द से जल्द स्थायी समाधान निकालने की मांग की है।

"ट्वीट ऑफ द डे"

ममता बनर्जी
सीएम प.बंगाल

टीएमसी स्पष्ट बहुमत के साथ जीत दर्ज करेगी। हम जीत रहे हैं और 200 से ज्यादा सीटों के साथ जीत रहे हैं। एग्जिट पोल के आंकड़े लोगों को गुमराह करने दिखाए जाते हैं। इसका इस्तेमाल स्टॉक मार्केट को प्रभावित करने के लिए होता है। चुनाव के दौरान टीएमसी कार्यकर्ताओं के साथ सख्ती और ज्यादती की गई, जिन कार्यकर्ताओं ने इस दौरान मुश्किलें झेली हैं पार्टी उन्हें सम्मानित करेगी।

माफिया के आगे बेबस नहीं होगा वन अमला गिरफ्तारी, एफआईआर से पूर्व मंजूरी जरूरी

पीएचक्यू ने जारी किया नया आदेश, सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान के बाद जागी पुलिस

मुख्य संवाददाता, भोपाल। वन व रेत माफियाओं और शिकारियों के खिलाफ मौके पर कार्रवाई के दौरान वनकर्मियों को अब अपनी चिंता करने की जरूरत नहीं है। जंगल या घटना स्थल पर जवाब के तौर पर लिये गए एक्शन का वन कर्मियों के कैरियर पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। आरोपी चाहकर भी अव्वल तो वन अधिकारी-कर्मचारियों के खिलाफ सीधी एफआईआर दर्ज नहीं करा सकेंगे, यदि पुलिस एफआईआर दर्ज भी कर लेती है तो वन कर्मियों की गिरफ्तारी अब आसान नहीं होगी। मैदानी पुलिस को वन कर्मियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के लिए भी वरिष्ठ अधिकारियों से अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में रेत माफियाओं द्वारा वन रक्षक हरकेश गुर्जर की ट्रैक्टर से कुचलकर की गई हत्या पर सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान लेने के बाद एमपी पुलिस जागी है। इस मामले में अदालत द्वारा चंबल अभयारण्य में बढ़ते अवैध रेत खनन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर लगाई फटकार के बाद पीएचक्यू के अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने वन विभाग के मैदानी अमले की सुरक्षा के लिए नए निर्देश जारी किए हैं। स्पेशल डीजी पंकज श्रीवास्तव द्वारा सभी एसपी और पुलिस कमिश्नरों को जारी आदेश के मुताबिक, अब ड्यूटी के दौरान वन रक्षकों, वनपालों और उप वन क्षेत्रपालों पर किसी भी अपराध में एफआईआर दर्ज करने या अभियोजन चलाने से पहले राज्य सरकार की अनुमति लेना अनिवार्य होगा। यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि वन कर्मी बिना किसी डर के माफियाओं और शिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर सकें।

8 अप्रैल की घटना के बाद सुप्रीम कोर्ट ने शुरू की सुनवाई

8 अप्रैल को मुरैना के दिमनी इलाके में हुई घटना ने देशभर में वन कर्मियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए थे। यहां रेत माफिया ने अवैध रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोकने की कोशिश कर रहे ड्यूटी पर तैनात वनकर्मी हरकेश गुर्जर की ट्रैक्टर से कुचलकर जान ले ली थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सरकारों को चेतावनी दी थी कि यदि चंबल में अवैध खनन नहीं रुका तो वहाँ अर्धसैनिक बलों की तैनाती कर दी जाएगी। अदालत ने साफ शब्दों में कहा था कि अगर सरकार अपने अधिकारियों की रक्षा नहीं कर सकती, तो मशीनरी का कोई मतलब नहीं रह जाता। इसके बाद पीएचक्यू ने यह नया सर्कुलर जारी किया है।

बगैर पुख्ता सबूत के नहीं होगी वनकर्मी पर कार्रवाई

पीएचक्यू ने निर्देश में साफ किया है कि चंबल जैसे संवेदनशील इलाकों में अवैध खनन रोकने और वन्य प्राणियों के संरक्षण में लगे वन कर्मियों को बीएनएसएस 2023 की धारा 218 के तहत सुरक्षा दी जाएगी। यदि किसी वन कर्मी की गिरफ्तारी की नौबत आती है, तो भी पुलिस को बेहद सतर्कता बरतनी होगी। नए प्रावधानों के तहत अब किसी वन कर्मी को तब तक गिरफ्तार नहीं किया जा सकेगा, जब तक पुलिस के पास पुख्ता विश्वास करने का कारण न हो। पुलिस को गिरफ्तारी का लिखित आधार भी बताना होगा, जिससे वन अमले को झूठे मुकदमों में फंसाए जाने का खतरा कम होगा। पीएचक्यू ने पुराने आदेशों का भी हवाला दिया है, जिसके तहत वन रक्षकों और उच्च अधिकारियों को आत्मरक्षा के लिए हथियार इस्तेमाल करने की छूट दी है। वनों और वन उपज की सुरक्षा के लिए तैनात कर्मचारी अब संबंधित वन मंडलाधिकारी की सिफारिश पर बंदूक के लाइसेंस ले सकेंगे। अवैध खनन रोकने या आत्मरक्षा में वन कर्मी गोली चलाते हैं, तो भी पुलिस सीधे एफआईआर दर्ज नहीं करेगी। ऐसे मामलों में पुलिस केवल तभी संज्ञान ले सकेगी जब कलेक्टर द्वारा कराई गई मजिस्ट्रियल जांच में यह साबित हो जाए कि हथियार का उपयोग अनावश्यक था।

फॉगिंग से महाकाल मंदिर में गर्मी से भक्तों को दे रहे राहत

जागरण, उज्जैन। देश विदेश के श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र बाबा महाकाल के दरबार में भीषण गर्मी में भी श्रद्धालुओं का जमावड़ा है। बीते एक सप्ताह से उज्जैन में तापमान 40 डिग्री के ऊपर बना हुआ है। ऐसे में लोग जरूरी कामों के लिए ही घरों से निकल रहे हैं। हालांकि, हीट वेव के बाद भी महाकाल के भक्तों का उत्साह बना हुआ है। रोजाना एक लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। इन भक्तों को गर्मी से बचाने के लिए महाकाल मंदिर समिति ने पहली बार महाकाल लोक में फॉगिंग सिस्टम लगाया है। फिलहाल इसे मानसरोवर से त्रिनेत्र तक डेमो के रूप में इंस्टाल कराया गया है। अगर ये कारगर रहा तो पूरे महाकाल लोक और मंदिर परिसर में भी इसे लगाने की योजना है। दरअसल त्रिवेणी से मानसरोवर तक करीब 900 मीटर तक भीषण गर्मी में श्रद्धालुओं को पैदल चलना पड़ता है। इसके लिए मंदिर समिति ने पहले से मेट, धूप से बचने के लिए शामियाने और पेयजल के लिए वाटर कूलर की व्यवस्था तो की है, लेकिन इसके बाद भी गर्मी को देखते हुए श्रद्धालुओं को ठंडक देने के लिए फॉगिंग की व्यवस्था की गई है। अब श्रद्धालुओं के ऊपर पानी की बौछार पड़ रही हैं, जिससे उन्हें ठंडक मिल रही है। श्रद्धालु मंदिर की इस व्यवस्था से खुश भी नजर आए। महाकाल मंदिर के सहायक प्रशासक आशीष पलवड़िया ने बताया कि टेंट, पेयजल और कारपेट की व्यवस्था पहले से थी। अब डेमो के रूप में फॉगिंग सिस्टम शुरू किया है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो इसे बढ़ाकर पूरे महाकाल लोक में इंस्टाल कराया जाएगा।

मान सरोवर से त्रिनेत्र तक इंस्टाल किया सिस्टम, रोज पहुंच रहे एक लाख भक्त

संक्षिप्त खबरें

बिल्डर से कुकृत्य करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जागरण, ग्वालियर। प्रदेश के ग्वालियर में गोला का मंदिर इलाके में रहने वाले एक बिल्डर के अपहरण और उसके साथ कुकृत्य मामले में पुलिस ने एक इनामी आरोपी को गौरी यादव को गिरफ्तार किया है, जबकि तीन अन्य आरोपी अब भी फरार हैं। चारों आरोपियों पर पुलिस ने 10-10 हजार का इनाम घोषित किया था। जानकारी के अनुसार, 15 अप्रैल की शाम ओमकार सिकरवार, जितेंद्र सिकरवार, गौरव उर्फ गौरी यादव और इंद्रपाल सिंह तोमर ने मिलकर बिल्डर का अपहरण किया था। बिल्डर, ओमकार सिकरवार उर्फ भूरे सिकरवार के दुश्मन का साझेदार था, जिसके चलते उसे निशाना बनाया। अपहरण के बाद आरोपियों ने बिल्डर के साथ कुकृत्य किया और कट्टा अड़ाकर उससे 10-10 लाख रुपए के तीन चेक पर जबरन हस्ताक्षर करा लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। पुलिस ने पकड़ाए गए आरोपी का मोबाइल जब्त कर लिया है।

वन स्टॉप सेंटर से भागी किशोरी कटनी में मिली

जागरण, सतना। सतना में वन स्टॉप सेंटर की खिड़की तोड़कर 26 अप्रैल की रात भागीं तीन नाबालिग किशोरियों में से एक को सिटी कोतवाली पुलिस ने कटनी से सकुशल बरामद कर लिया है। शुक्रवार देर रात पुलिस ने किशोरी को वापस वन स्टॉप सेंटर के सुपुर्द किया, जबकि शेष दो किशोरियों की तलाश के लिए पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक नीता श्रीवास्तव ने 27 अप्रैल को कोतवाली थाने में दर्ज शिकायत में बताया था कि सेंटर की खिड़की तोड़कर तीन नाबालिग बालिकाएं फरार हुई हैं। पुलिस ने इन्हें ढूंढने तीन विशेष टीमें गठित कीं, जिन्होंने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से एक बालिका को कटनी से सुरक्षित दस्तयाब कर लिया। भागने के बाद तीनों लड़कियां रात डेढ़ बजे पैदल रेलवे स्टेशन पहुंचीं। वहां जो पहली ट्रेन मिली, वे उसमें बैठ गईं। एक लड़की मैहर में उतरी, जबकि दो जबलपुर चली गईं। जबलपुर पहुंचने के बाद एक किशोरी ने दूसरी ट्रेन पकड़ी और वापस लौटकर कटनी उतर गई।

दुष्कर्म मामले की समानांतर जांच पर पुलिस को फटकारा

जागरण, जबलपुर। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति जीएस अहलूवालिया की एकलपीठ ने दो पुलिस अधिकारियों को फटकारा, जिनमें नर्मदापुरम जिले के एसपी भी शामिल हैं। इन अधिकारियों ने दुष्कर्म मामले की समानांतर जांच की थी। कोर्ट ने कहा कि यह चौंकाने वाली बात है कि एसपीए और डीएसपी रैंक के पुलिस अधिकारियों को कानून की बुनियादी जानकारी नहीं है। यह समानांतर जांच इटारसी शहर के सब-डिवीजनल पुलिस अधिकारी एसडीपीओ, जो डीएसपी रैंक के बराबर होते हैं, उन्होंने एसपी के कहने पर की थी। यह जांच आरोपित के पिता द्वारा दिए गए आवेदन के बाद शुरू की गई थी, जिसमें कहा गया था कि दुष्कर्म की शिकायत झूठी है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि इस आदेश की एक प्रति राच्य के डीजीपी को भेजी जानी चाहिए, ताकि उन्हें इस बात से अवगत कराया जा सके कि नर्मदापुरम में पुलिस द्वारा दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराधों से किस तरह निपटा जा रहा है। आरोपित की जमानत अर्जी पर सुनवाई करते हुए पाया कि दोनों में से किसी भी पुलिस अधिकारी को यह पता नहीं था कि किसी जांच के चलते हुए समानांतर जांच करना मान्य नहीं है। आरोपित ने जमानत मांगी थी कि उसे झूठा फंसाया गया है, और अपने दावे के समर्थन में उसने समानांतर जांच की रिपोर्ट का हवाला दिया था।

कानून की अज्ञानता पर जताया आश्चर्य, डीजीपी को भी आदेश की प्रति भेजने के निर्देश

मंडी में आग से सौंफ जली

जागरण, बड़वानी। कृषि उपज मंडी में शनिवार रात आग से 4-5 व्यापारियों की दुकानों में रखा लाखों का माल राख हो गया। व्यापारियों के अनुसार आगजनी में करीब 15 से 20 लाख का नुकसान हुआ है। व्यापारियों की 4 से 5 क्विंटल सौंफ जली है और करीब 20 क्विंटल सौंफ आग बुझाने के दौरान भीग गई। अब ये सौंफ भी खराब हो जाएगी। आग कैसे लगी, इसका सही कारण पता नहीं चला है, लेकिन शक जताया जा रहा है कि किसी की सिगरेट की चिंगारी से यह हादसा हुआ होगा। आग बुझाने फायर ब्रिगेड मौके पहुंची, लेकिन माल खराब होने के डर से उसका ज्यादा इस्तेमाल नहीं करने दिया।

SARDAR AJEET SINGH MEMORIAL COLLEGE, BHOPAL
(Approved by NCTE, New Delhi and Affiliated to MPBSE Bhopal)
Gram: Adampur Chhawani, Raisen Road, Bhopal-462022
RECRUITMENT
Applicants are invited for various Teaching positions in the institute. Interested candidates are requested to send their applications with CV and all Testimonial within 7 Days via email.

S.	Faculty	Qualification	Vacant Post
1	HOD	As per NCTE Norms	01
2	Lecturer (Science)		02
3	Lecturer (Social Science)		02
4	Lecturer Language (Hindi+English)		1+1
5	Lecturer (Mathematics)		01
6	Lecturer (Fine Art & Performing Arts)		01
7	Lecturer (Music)		01
8	Lecturer (Physical & Health Education)		01

Adress: SAM Central Campus, Gram-Adampur Chhawani, Kolua, Raisen Road, Bhopal-462022
E-mail: sameducationcollege@gmail.com | Contact: 94256 07373, 6260380242

अपनी सल्तनत के लिए एक-दूसरे के खून के प्यासे हो रहे टाइगर

मां से अलग होते ही हो जाते हैं हमलावर, 9 साल में 9 की मौत

सवाई माधोपुर, जेएनएन। राजस्थान के रणथंभौर टाइगर रिजर्व में अब बाघों के लिए 'घर' छोटा पड़ने लगा है। अपनी सल्तनत (टेरिटरी) कायम करने की होड में बाघ एक-दूसरे के खून के प्यासे हो रहे हैं। आलम यह है कि पिछले 9 साल में आपसी भिड़त के कारण 9 बाघ अपनी जान गंवा चुके हैं। नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) ने भी इस बढ़ते संघर्ष पर चिंता जताई है। 1980 में नेशनल पार्क का दर्जा मिला देश में टाइगर प्रोजेक्ट की शुरुआत साल 1973 में हुई थी। इसी साल रणथम्भौर राजस्थान का पहला टाइगर रिजर्व बना। साल 1980 में रणथम्भौर टाइगर रिजर्व को नेशनल पार्क का दर्जा मिला। एनटीसीए की गाइडलाइन कहती है कि एक टाइगर को 40 से 50 वर्ग किमी का इलाका चाहिए।

क्षमता से ज्यादा बाघ, कुनबा बढ़ा तो सिमट गया इलाकाः वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की 2015-16 की रिपोर्ट के मुताबिक, रणथंभौर का क्षेत्रफल और ग्रासलैंड अधिकतम 45 से 55 बाघों के लिए उपयुक्त है। वर्तमान में यहां 77 बाघ, बाघिन और शावक मौजूद हैं।

जंगल में एक ही फंदे पर लटके मिले 2 शव

जागरण, झाबुआ। जिले के कालीदेवी इलाके के सदावा जंगल में शनिवार को एक ही फंदे पर एक युवक और युवती की लाश लटकी मिली। मृतकों की पहचान सदावा की रहने वाली कलावती और छोटी दूधी के रहने वाले नग्गु के रूप में हुई है। पुलिस जांच में पता चला है कि दोनों दूर के रिश्तेदार थे। कलावती की बहन नग्गु की भाभी लगती थी, इसी वजह से दोनों परिवारों का एक-दूसरे के यहां आना-जाना था। रात को नग्गु शादी में जाने का कहकर घर से निकला था। वहीं, कलावती कब घर से निकली, इस बारे में उसके घरवालों को कुछ भी पता नहीं था। शनिवार सुबह जब कलावती घर में नहीं दिखी, तो घरवालों ने उसे ढूंढना शुरू किया। तभी खबर आई कि जंगल में दो लोगों ने फांसी लगा ली है। जंगल की वजह से पुलिस को वहां पहुंचने में दोपहर हो गई।

दुनिया

कलीग डॉट स्किल का अनोखा इस्तेमाल, टूल अब जोड़ रहा है टूटे हुए दिल!

चीन में ब्रेकअप के बाद एआई से जिंदा हो रहे हैं 'एक्स'

नई दिल्ली, जेएनएन। समय के साथ-साथ एआई का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है, लेकिन अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग सिर्फ रोजमर्रा के कामों के लिए नहीं बल्कि और भी कई चीजों के लिए हो रहा है। चीन में एक नया चलन देखा जा रहा है। इसमें युवा ब्रेकअप के दुख से निपटने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करके अपने पुराने पार्टनर के डिजिटल वर्जन बना रहे हैं।

ये एआई 'एक्स' यानी पुराने पार्टनर इस तरह से डिजाइन किए गए हैं कि वे बोलने के तरीके और भावनात्मक लहजे की नकल कर सकें ताकि यूजर्स एक वर्चुअल माहौल में अपने पुराने रिश्तों को फिर से जी सकें। हालांकि, इससे प्राइवेस का खतरा बढ़ गया है।

टेक्नोलॉजी कैसे काम करती है?: शंघाई मे झोउ तियानयी द्वारा बनाए गए एक ओपन-सोर्स प्रोजेक्ट 'कलीग डॉट स्किल' से यह आइडिया आया है। इसे असल में काम की जगह पर होने वाली बातचीत को दोबारा इस्तेमाल किए जाने के टूल में बदलने के लिए बनाया गया था, लेकिन बाद में इसे निजी इस्तेमाल के लिए अपनाया जाने लगा। कुछ यूजर्स ने एलन मस्क और स्टीव जॉबस जैसी मशहूर हस्तियों के एआई वर्जन बनाकर प्रयोग किया।

इस एआई टूल का करते हैं इस्तेमाल

चीन में युवा दिल टूटने के दर्द से उभरने के लिए एआई का इस्तेमाल ऐसे कर रहे हैं, जो आपने कभी सोचा भी नहीं होगा। लेकिन इसने प्राइवेसी और रिश्तों में टेक्नोलॉजी की सीमाओं को लेकर चिंताएं खड़ी कर दी हैं। यूजर्स ई एंड पार्टनर डॉट स्किल नाम के एक एआई टूल पर चैट, सोशल मीडिया पोस्ट और फोटो अपलोड करके अपने पार्टनर का डिजिटल वर्जन बना रहे हैं। फिर वे इसमें अपनी पर्सनल यादें जैसे कि घूमने-फिरने की बातें, आदतें और झगड़े जोड़ते हैं ताकि यह कॉपी और भी ज्यादा असली लगे।

सही या गलत?

इस टूल और चलन को सपोर्ट करने वालों का कहना है कि ये डिजिटल एक्स लोगों को उन भावनाओं को जाहिर करने में मदद करते हैं, जिन्हें वे पहले अपने पार्टनर के साथ शेयर नहीं कर पाते थे और उन्हें भावनात्मक रूप से शांति मिलती है। इसका विरोध करने वालों का कहना है कि इससे असली की भावनाओं को नुकसान पहुंच सकता है।

प्राइवेसी को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं

एआई का ये इस्तेमाल प्राइवेसी एक और अहम चिंता का विषय है। गुआंगडोंग के एक वकील, झोंग ने चेतावनी दी कि किसी पुराने पार्टनर के डेटा का इस्तेमाल बिना उसकी सहमति के करना, पर्सनल जानकारी से जुड़े कानूनों का उल्लंघन हो सकता है। यह ट्रेंड दिखाता है कि टेक्नोलॉजी किस तरह हमारी भावनाओं को नया रूप दे रही है। जैसे-जैसे एआई लगातार डेवलप हो रहा है, यह इस बात को भी बदल रहा है कि डिजिटल युग में लोग किसी के चले जाने, यादों और रिश्तों को किस तरह समझते और महसूस करते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।